कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने को बुलाई सीडब्ल्यूसी बैठक : भाजपा - 5

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल - 8

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए - 9

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 10

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 306, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

NANDI mango tree

Happy Navratri

BDA APPROVED

2 BHK+STUDY Luxury Apartments

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT | स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | आज़ादी का अमृत महोत्सव | MAKE IN INDIA | CREDAI | UP RERA UPRERAPRJ126349/02/2024 | BDA 02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

BOOKING OPEN

UPRERA Registration No.: UPRERAPRJ126349/02/2024

BDA Approved Registration No. 02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

Our completed projects

After the Grand Success

of Nandi Heights & Nandi Bellavista,

Nandi Group Presents

NANDI mango tree APARTMENT

CONSTRUCTION IN FULL SWING

GET 200 GRAMS OF SILVER ON EVERY BOOKING

Get assured Gift on site visit this Navaratri

Facility

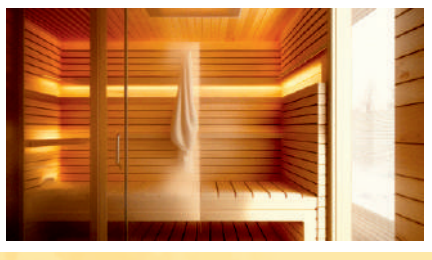

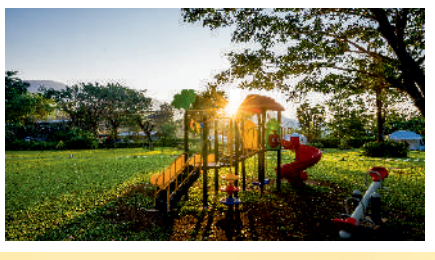

NANDI Buildtech

+91-7088048881, 82, 86

nandibuildtech@gmail.com www nandibuildtech.com

Housing Loan Available with :

State Bank of India THE BANKER TO EVERY INDIAN | Union Bank of India | इंडियन बैंक Indian Bank Taking Banking Technology to the Common Man | केनरा बैंक Canara Bank

Site Office: Nandi Mango Tree Appartment, Opp. Lane Domino's & Karamchari Nagar Chowki, Mini Bypass, Bareilly

न्यूज ब्रीफ

जापान टूरिज्म एक्सपो में भागीदारी करेगा यूपी

अमृत विचार, लखनऊ : जापान के टोकोनामे शहर में गुरुवार से शुरू होने वाले जापान टूरिज्म एक्सपो 2025 में प्रदेश की बौद्ध विरासत, प्रमुख तीर्थ स्थल, व्यंजन और हस्तशिल्प आदि दिखेंगे। यूपी पर्यटन, पवेलियन एक्सपो में आगंतुकों को राज्य की सांस्कृतिक विविधिता और धार्मिक विरासत से अवगत कराएगा। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को जारी बयान में दी। उन्होंने बताया कि टोकोनामे शहर स्थित आइची स्काई एक्सपो में 25 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा। जापान में बौद्ध धर्मावलंबी बहुतायत हैं। ऐसे आयोजनों से प्रदेश की आध्यात्मिक पर्यटन को विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आयोजन में उप्र .से वरिष्ठ अधिकारी और पर्यटन उद्योग के साझेदार आदि का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

निजीकरण की गोपनीय योजना का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारियों का आरोप है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन, केंद्रीय विद्युत मंत्रालय और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण की गोपनीय योजना तैयार कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि निकट भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की तैयारी शुरू की जाएगी। संघर्ष समिति ने जानकारी साझा की कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के निदेशक जनरल आलोक कुमार ने 9 सितंबर देश के सभी ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों को एक पत्र भेजा है। इस बीच ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि फेडरेशन और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी आफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स इस मामले को केंद्रीय विद्युत मंत्री के सामने शीघ्र रखेगी।

पीडीए की जनचेतना पूरे देश में फैली : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र . से जन्मी पीडीए की जनचेतना अब पूरे देश के 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' समाज के लिए अपने सम्मान, अधिकार, आरक्षण, पिछड़ेपन के दंश व दमित स्तर से उबरने के लिए संघर्ष की नयी आवाज़ बन गयी है। जो लोग जहां भी संख्या में कम हैं, वो भी जान गये हैं कि एकजुटता की शक्ति ही उनकी संख्या की कमी की क्षतिपूर्ति करने में सक्षम होगी। सपा प्रमुख ने जारी बयान में कहा कि पीडीए उन अंतिम लोगों के स्वाभिमान-स्वमान के नवजागरण का नाम है, जिनके हिस्से ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा और उत्पीड़न ही आया है। इसीलिए 'जो पीड़ित वो पीडीए' के सैद्धांतिक सूत्र से एक-सूत्र हुए पीडीए समाज ने एक साथ मिलकर अब ये संकल्प उठाया है कि पीडीए का परचम पूरे देश में लहराएंगे।

सरकारी अस्पतालों में अपग्रेड हुई सेवाएं : ब्रजेश पाठक

500 करोड़ की लागत वाली 84 स्वास्थ्य इकाइयों का उप मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि वर्ष 2017 के बाद से हमारी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनें स्थापित कर अपग्रेड किया है। चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ सभी अस्पतालों में मैन पावर की संख्या बढ़ी है।

उप मुख्यमंत्री बुधवार को इंदिरा नगर स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (ट्रेनिंग सेंटर) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 500 करोड़ रुपये मूल्य की 84 नवीन स्वास्थ्य इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

इन जिलों में हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण : लखनऊ, गोरखपुर, आगरा, गाजीपुर, कौशाम्बी, बस्ती, मुजफ्फर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, गोंडा, बागपथ, बलरामपुर, हाथरस, बदायूं, जालौन, एटा, मऊ, बलिया, भदोही, कानपुर नगर, मिर्जापुर, श्रावस्ती, बहराइच, रामपुर, बिजनौर, संभल, चंदौसी, कुशीनगर, महाराजगंज, अमरोहा, गाजीपुर, फतेहपुर, संतकबीर नगर, प्रतापगढ़, सीतापुर, आजमगढ़, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, अम्बेडकर नगर, अमेठी, सुल्तानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात, बांदा, सिद्धार्थ नगर, शामली, हापुड़, रायबरेली, जौनपुर, मथुरा, मैनपुरी।

31 अस्पतालों में स्थापित होंगे आधुनिक उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को उच्चीकृत किया जा रहा है, उक्त क्रम में ही प्रदेश के 31 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए 10 .74 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्तूपनुमा भवन बनाकर रखे जाएं बुद्ध के अवशेष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कपिलवस्तु के पिपरहवा में भवन बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सिद्धार्थनगर स्थित पिपरहवा (कपिलवस्तु) में भगवान बुद्ध की अस्थि मंजूषा एवं अन्य अवशेषों को संरक्षित करने के लिए एक स्तूपनुमा भवन बनाए जाने का अनुरोध किया है। साथ ही अवगत कराया कि इस कार्य के लिए भूमि उपलब्ध है।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि पिपरहवा वही स्थान है, जहां 1898 में ब्रिटिश इंजीनियर क्लैक्स्टन पेप्पे को उत्खनन के दौरान बुद्ध के अवशेष, बहुमूल्य रत्न एवं पालि भाषा में लिखी स्वर्ण पटिका प्राप्त हुई थी। यह रत्न भंडार हाल ही में हांगकांग की नीलामी से भारत लाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां स्तूपनुमा भवन बनने से न केवल देश-विदेश से बौद्ध श्रद्धालु आकर्षित होंगे बल्कि स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बुद्ध कपिलवस्तु में पले-बढ़े और अपने जीवन के पहले 29 वर्ष यहीं रहे।

दीवाली से पहले ही मिलेगा छात्रवृत्ति का तोहफा

फरवरी-मार्च की जगह अब सितंबर माह में ही होगा वितरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कल लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी करेंगे 4 लाख से अधिक छात्र छात्राओं को लाभान्वित

अमृत विचार : राज्य सरकार ने इस वर्ष एक नयी पहल करते हुए छात्रवृत्ति समय से पहले देने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी की जाएगी।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पूर्व में छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च माह में दी जाती थी, जबकि अब इसे नवरात्र और सितंबर माह में वितरित किया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राएं इसका लाभ समय पर उठा सकें। यह छात्र-छात्राओं के लिए एक तरह से दीपावली का गिफ्ट भी होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक हो जाएगी। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्गदर्शन लेकर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर व्यापक रणनीति बनाई। यही कारण है कि इस बार छात्रवृत्ति का लाभ छात्रों तक नवरात्र के पावन अवसर पर पहुंचेगा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव गोंड और अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी मौजूद रहेंगे।

मानसून की विदाई की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश से मानसून अब धीरे-धीरे विदा होने की ओर है। बिहार से सटे कुछ जिलों में बुधवार को हल्की बूंदाबांदी हुई है। लखनऊ में दो दिन बाद बूंदाबांदी की संभावना जताई जा रही है। राजधानी में आज का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है, वहीं न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश ने बताया है कि दक्षिण पश्चिम मानसून की बुधवार से वापसी की शुरुआत हो गई है। यानी कि प्रदेश के पश्चिमी भाग से मानसून वापस जा चुका है। उन्होंने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून ने 17 सितंबर की अपनी सामान्य तिथि के सापेक्ष तीन दिन पूर्व 14 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान से वापसी शुरू कर दी थी। बुधवार को पंजाब, हरियाणा,चंडीगढ़, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों समेत उत्तर प्रदेश के भी कुछ हिस्सों से मानसून वापस लौट गया है, लेकिन बिहार से सटे जिलों में बुधवार को बूंदाबांदी हुई है।

शिशु बुद्धि से जीएसटी सुधार नहीं समझा जा सकता : सुधांशु त्रिवेदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विपक्षी नेताओं को भी देखा गाड़ियां टीवी, फ्रिज खरीदते : ब्रजेश पाठक

लखनऊ के आलमबाग बाजार में एक दुकान पर व्यापारी से जीसटी सुधार को लेकर संवाद करते सुधांशु त्रिवेदी, ब्रजेश पाठक व आनंद द्विवेदी। अमृत विचार

- कहा- यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने जीएसटी रिफार्म फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए विपक्ष पर यह कह कर कटाक्ष किया कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है।

बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफार्म को अमल में लाकर आम उपभोक्ताओं मध्यमवर्गी लोगों, व्यापारियों और राष्ट्र के हितों को सुरक्षित किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और आमजन का हितैषी बनाना है।

त्रिवेदी ने जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि नए स्लैब लागू होने के बाद आम जनता को जरूरी सामान पर बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि सीमेंट और लोहे-स्टील पर टैक्स की दरों को कम करने के फैसले से घर बनाने की लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गाड़ियों पर भी जीएसटी की दरों को कम किया गया है। उन्होंने कहा कि होटल उद्योग में भी टैक्स की दरों में काफी राहत दी गई है।

अमृत विचार : जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत बुधवार को राज्यसभा सांसद, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं के साथ चंदर नगर मार्केट आलमबाग में पदयात्रा करके व्यापारियों व उपभोक्ताओं से संपर्क व संवाद किया। दुकानों में जाकर जीएसटी लाभ के स्टीकर लगाए और व्यापारियों को गुलाब भेंट दिया। स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए सभी से आह्वान किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मैंने कल से ढेर सारे विपक्षी नेताओं को देखा है गाड़ियों के शोरूम में गाड़ियां खरीदते हुए, टीवी, फ्रिज खरीदते हुए, वह भी प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं। व्यापारियों से संपर्क के दौरान मानसिंह, महानगर उपाध्यक्ष अशोक तिवारी, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, अभिषेक खरे, विनायक पांडे, पीयूष दीवान, मंडल अध्यक्ष राजन वर्मा, महेंद्र राजपूत, मानस बाहरी, रूपा देवी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकसित भारत बनने में एनीमिया बड़ा अवरोध : अमित घोष

एनिमिया पर वार, मिलकर करेंगे 12 के पार

एनीमिया प्रदेशव्यापी जटिल समस्या से पार पाने के लिए एक प्लेटफार्म पर जमा हुए विभागों के प्रमुख व विशेषज्ञों ने मंथन किया और नतीजे पर पहुंचे कि महिला शिक्षक, महिला प्रधान, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नेतृत्व क्षमता बढ़ाकर समुदाय में एनीमिया के प्रति महिलाओं को सजग किया जाए। शपथ ली गई कि मिलकर करेंगे हीमोग्लोबिन 12 के पार।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 46 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के एनीमिक होने पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित घोष ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब हम 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की बात करते हैं तो एनीमिया इसमें बड़ा अवरोधक है। इस समस्या को खत्म करने के लिए तीन प्रतिशत दर प्रतिवर्ष कम करने का लक्ष्य रखा गया है, उसे प्राप्त करने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे।

प्रमुख सचिव बुधवार को हजरतगंज स्थित होटल में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, केजीएमयू व सेंटर ऑफ एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में प्रमुख सचिव महिला व बाल विकास लीना जौहरी, केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, क्वीनमैरी अस्पताल की विभागाध्यक्ष डॉ अंजू अग्रवाल और आईसीडीएस विभाग की उपनिदेशक अनुपमा सानडिल्य ने भी एनीमिया के संबंध में अपने विचार रखे।

सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विकसित यूपी अभियान

- ग्रामीण इलाकों से सर्वाधिक 4.70 लाख सुझाव
- 6 लाख लोगों ने साझा किए सुझाव, 31–60 आयु वर्ग आगे

अमृत विचार : समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान में सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे हैं, जबकि इनके मुकाबले शहरी फिलहाल पीछे हैं। ग्रामीण इलाकों से अब तक सर्वाधिक 4.70 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 1.30 लाख सुझाव मिले हैं। लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने-अपने सुझाव साझा किए हैं जिनमें 31–60 आयु वर्ग वाले ज्यादा हैं।

दरअसल, विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत बुधवार 24 सितंबर तक लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने सुझाव साझा किए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 4.70 लाख तो वहीं नगरीय क्षेत्रों से लगभग 1.30 लाख प्रदेशवासी जुड़ चुके हैं। सर्वाधिक 3.20 लाख सुझाव 31-60 आयु वर्ग के लोगों द्वारा दिए गए हैं, जबकि लगभग 2.40 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों ने दिए हैं। यही नहीं करीब 40 हजार सुझाव सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से प्राप्त हुए है।

मालूम हो कि अभियान के तहत सभी 75 जिलों में विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा कर फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है। सर्वाधिक सुझाव शिक्षा क्षेत्र, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र, समाज कल्याण, कृषि क्षेत्र, आईटी एंड टेक 14,700, इंडस्ट्री 15,182 तथा सुरक्षा से सम्बंधित विषयों पर प्राप्त हुए हैं। महाराजगंज से लगभग 62 हजार फीडबैक के साथ प्रथम, लगभग 30 हजार फीडबैक के साथ कानपुर देहात द्वितीय और 22 हजार से अधिक फीडबैक के साथ संभल तृतीय स्थान पर है। इसके अतिरिक्त प्रयागराज, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी आदि जनपदों से 4 लाख से ज्यादा फीडबैक प्राप्त हुए हैं।

योगी ने यूपी ट्रेड शो की तैयारी का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इण्डिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉल व प्रदर्शनी से लेकर देशी-विदेशी आगन्तुकों के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की सहभागिता के दृष्टिगत सुरक्षा के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

गिरिजा शंकर अध्यक्ष, गिरीश मिश्र बने महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के चुनाव में विजयी सदस्य।

- रोडवेज परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव में महामंत्री 12वीं बार निर्विरोध निर्वाचित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी का चुनाव चारबाग बस स्टेशन, लखनऊ में हुआ। प्रदेश भर की 200 से अधिक प्राथमिक इकाइयों, 20 क्षेत्रीय इकाइयों और विशिष्ट इकाइयों के प्रतिनिधियों ने इस चुनाव में हिस्सा लिया। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी चुनाव अधिकारी घनश्याम यादव महासचिव, उप्र राज्य निगम कर्मचारी महासंघ ने की।

सभा में गिरिजा शंकर तिवारी को लगातार दूसरी बार प्रांतीय अध्यक्ष और गिरीश चंद्र मिश्र को 12वीं बार प्रांतीय महामंत्री पद पर निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर निगम महासंघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों में रविन्द्र कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरविन्द कुरील, गुलजार अहमद, महेश कुमार राय, सुरेश चन्द्र पांडेय उपाध्यक्ष, संजय कुमार राणा अपर महामंत्री, चन्द्र हंस, सुरेश चन्द्र मिश्र, विवेकानंद सिन्हा, सतीश कुमार उप महामंत्री, बीके शुक्ल कोषाध्यक्ष, धर्मेन्द्र सिंह संगठन मंत्री और वेदरत्न वर्मा प्रचार व सांस्कृतिक मंत्री शामिल हैं। साथ ही 42 सदस्यीय कार्यकारिणी भी सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनी गई। घनश्याम यादव ने बताया कि चुनाव में प्रतिनिधियों का जोश व भागीदारी उल्लेखनीय रही और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई।

जीसटी में सुधार से स्वदेशी उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : रालोद

लखनऊ में व्यापारियों से संवाद करते रालोद महासचिव अनिल दुबे व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी करने का निर्णय एक देश-एक कर की नीति को मजबूती प्रदान करता है और देश की कर प्रणाली को और सरल एवं पारदर्शी बनाता है। इससे स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। यह बात रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने बुधवार को रालोद प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे के नेतृत्व में पदयात्रा निकालकर व्यापारियों को जीएसटी कम होने के फायदे बताए गए और उनकी राय व सुझाव भी लिए गए।

डिजिटल क्रॉप सर्वे 10 अक्टूबर तक करें पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य सचिव ने डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिलों को यह कार्य 10 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे के कार्य में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर लगाई जा सकती है और लेखपालों का सहयोग भी लिया जाए। साथ ही, सर्वे के साथ-साथ सत्यापन (वेरीफिकेशन) के कार्य में भी प्रगति सुनिश्चित की जाए।

अफसोसजनक — मुकदमा लड़कर अभ्यर्थियों ने लिया था उत्तर कुंजी देखने का अधिकार

लोकसेवा आयोग की चक्की में पिस रहे प्रतियोगी छात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

तीन वर्ष जारी हुई उत्तर कुंजी

न्यायालय में हलफनामा देकर भी आयोग अपनी बात से मुकर गया था। हमलोग ने कंपटीशन देने वाले छात्रों का संगठन प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति बनाया और फिर से न्यायालय गए। जिसके बाद पीसीएस 2015, 2016, 2017 की उत्तर कुंजी जारी हुई। सभी में प्रश्नों के गलत उत्तर रखे जाने के कारण उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा परिणाम संशोधित करने का आदेश दिया गया। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त निर्णय पर रोक लगा दी थी।

आयोग ने प्रस्ताव ही बदल दिया

आयोग ने वर्ष 2018, 2019, 2020 की पीसीएस परीक्षा में उत्तर कुंजी जारी नहीं किया। उच्च न्यायालय में याचिका कर्ता रहे अवनीश पाण्डेय बताते हैं कि इसके बाद हम फिर से न्यायालय गए। आयोग द्वारा जो हलफनामा लगाया गया उसमें उल्लिखित है कि उक्त प्रस्ताव बदल दिया गया है। अब अंतिम परिणाम जारी करने के बाद उत्तर कुंजी जारी की जायेगी। इस संबंध में आयोग के सूत्रों का कहना है कि सभी परीक्षाओं के न्यायालय जाने के कारण प्रस्ताव बदलने का निर्णय लिया गया।

अमृत विचार : उत्तरप्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के खिलाफ अभ्यर्थियों का आंदोलन फिर से सुगबुगाने लगा है। प्रतियोगी छात्रों ने ज्ञापन देकर दो दिन में समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मामला प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी करने के पहले उत्तर कुंजी जारी करने को लेकर है। जिससे छात्र अपने उत्तरों का मिलान कर सके। दशक भर पहले आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में 150 प्रश्न सामान्य अध्ययन के हुआ करते थे। जिसमें कई प्रश्नों के उत्तर विकल्प विवादित या गलत होने का आरोप अभ्यर्थी लगाते थे। कई बार किसी प्रश्न का उत्तर आयोग जिसे सही मानता, उसे प्रतियोगी छात्र या पुस्तकें सही नहीं मानती थी। लेकिन परिणाम आयोग अपने अनुसार जारी कर देता था। इसे लेकर प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन शुरु कर दिया था और न्यायालय की शरण में जाना पड़ा था।

इसी मामले को लेकर न्यायालय ने आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष को तलब भी किया था। याचिकाकर्ता रहे अवनीश पाण्डेय बताते हैं कि इसके बाद आयोग ने न्यायालय से बचने के लिए 7 सदस्यों की कमेटी बनाई। अगस्त 2014 को निर्णय के अनुसार प्रारंभिक परीक्षाओं के बाद यथाशीघ्र चारों ए, बी, सी व डी सीरीज की उत्तर कुंजी जारी कर अभ्यर्थियों से आपत्ति ली जाएगी। आपत्ति दर्ज किये गए उत्तरों के साथ ही शत-प्रतिशत उत्तरों के परीक्षण हेतु दो अलग एक्सपर्ट कमेटी से आख्या प्राप्त की जायेगी। दोनों आख्या समितियों में अंतर होने पर तीसरी एक्सपर्ट कमेटी गठित कर विवादित प्रश्नों पर अंतिम निर्णय प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद संशोधित उत्तर कुंजी प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम घोषित करते समय ही जारी किया जाएगा। इसके बाद भी आयोग उत्तर कुंजी नहीं जारी किया।

कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने को बुलाई सीडब्ल्यूसी बैठक : भाजपा - 5

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल - 8

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए - 9

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 10

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.05

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 306, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा का निधन

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एसएल भैरप्पा का बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। राष्ट्रोत्थान अस्पताल ने कहा कि महान भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक, पद्म श्री, पद्मभूषण और सरस्वती सम्मान से सम्मानित एसएल भैरप्पा को आज अपराह्न 2:38 बजे दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। भैरप्पा लोकप्रिय उपन्यासों वंशवृक्ष, दातू, पर्व, मंदरा आदि के लिए जाने जाते हैं।

सीडीएस का कार्यकाल 30 मई तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने रक्षा क्षेत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल अगले वर्ष 30 मई तक बढ़ा दिया। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने जनरल चौहान का कार्यकाल बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जनरल चौहान 30 मई 2026 तक या अगले आदेश तक सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की एक दुर्घटना में मौत के बाद 28 सितंबर 2022 को सीडीएस नियुक्त किया गया था।

अंतर्राज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक अवैध हथियार और गोला-बारूद गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, पांच सिंगल-शॉट पिस्तौल और 210 कारतूस बरामद किए गए। यूपी के मुरादाबाद में कारतूस निर्माण फैक्ट्री भी पकड़ी। जहां से कच्चा माल, कारतूस बनाने के उपकरण 257 कारतूस, बारूद जब्त की गई।

सोनू सूद से सात घंटे ईडी ने की पूछताछ

नई दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को ऑनलाइन सट्टेबाजी एप 'वन एक्स बेट' से जुड़े धन शोधन मामले में सात घंटे तक पूछताछ की। सोनू सूद (52) दोपहर 12 बजे मध्य दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे और शाम सात बजे बाहर निकले। ईडी ने उनका बयान दर्ज कर लिया है। ईडी की जांच ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच वन एक्स बेट के संचालन से संबंधित है, जिस पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और कर चोरी का आरोप है। यह एप कुरासाओ में पंजीकृत है।

लद्दाख में हिंसक झड़पों में 4 की मौत 40 पुलिसकर्मियों सहित 80 घायल

राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में की तोड़फोड़

- स्थिति संभालने को पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग, लेह में निषेधाज्ञा लागू

लेह, एजेंसी

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को यहां जारी आंदोलन हिंसक हो गया। इस दौरान सड़कों पर आगजनी और झड़पें हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 40 पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 80 लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

बुधवार सुबह की शुरुआत लद्दाख की राजधानी लेह में पूर्ण बंद के साथ हुई। सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की गई, फर्नीचर तोड़ दिए गए, कागजातों में आग लगा दी गई। कई वाहनों को भी आग आग के हवाले कर दिया गया। राजधानी लेह में पूर्ण बंद के बीच आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता था। प्रदर्शनकारियों द्वारा व्यापक हिंसा शुरू करने के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कांग्रेस नेता एवं पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग पर मंगलवार को धरना स्थल पर भड़काऊ भाषण देने के लिए मामला दर्ज किया गया। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया था क्योंकि 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लेह स्थित भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद निकलता धुंआ।

सोनम वांगचुक ने हड़ताल वापस ली

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को वापस ले ली। वांगचुक ने आंदोलन स्थल पर समर्थकों से हिंसा तुरंत रोकने का अनुरोध किया। कहा कि इससे हमारे उद्देश्य को नुकसान पहुंचता है।

सरकार ने कहा- सोनम वांगचुक ने बयानों से भीड़ को उकसाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को आरोप लगाया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के भड़काऊ बयानों की वजह से भीड़ की हिंसा भड़की और कुछ राजनीति रूप से प्रेरित लोग सरकार और लद्दाखी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत में हुई प्रगति से खुश नहीं हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को सुबह हुई कुछ घटनाओं को छोड़कर, स्थिति पर शाम चार बजे तक काबू पा लिया गया।

रेलवे के 10.9 लाख कर्मचारियों को दिवाली बोनस, छह प्रोजेक्ट मंजूर

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में हुए फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों को दिवाली बोनस समेत 94,916 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। जिसमें बिहार में रेलवे दोहरीकरण, फोर लोन सड़क निर्माण के अलावा देश में जहाज निर्माण एवं समुद्री विकास, सीएसआईआर योजना की स्वीकृति के साथ चिकित्सकीय शिक्षा को विस्तार देना शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 10.9 लाख रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी है।

सरकार की ओर से कहा गया कि कुल बोनस राशि 1,886 करोड़ रुपये है। यह बोनस 10,91,146 रेलवे कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए स्वीकृत किया गया है। पात्र रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा और दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है।

जहाज निर्माण, समुद्री विकास को 69,725 करोड़

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में जहाज निर्माण और समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह पहल रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन देने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और आपूर्ति शृंखलाओं को लचीला बनाने में भी मददगार होगी। इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे।

एमबीबीएस और पीजी में सीटों को बढ़ाने पर मुहर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा केंद्रीय और राज्य सरकार के चिकित्सा महाविद्यालयों को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 5,000 स्नातकोत्तर (पीजी) सीट बढ़ाने की योजना के तीसरे चरण को बुधवार को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को उन्नत करने के वास्ते 5,023 एमबीबीएस सीट बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजना के विस्तार को भी मंजूरी दी गई। इस पहल से स्नातक चिकित्सा क्षमता में वृद्धि होगी, अतिरिक्त स्नातकोत्तर सीट सृजित करके विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी।

सीएसआईआर की 2,277 करोड़ की योजना स्वीकृत

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277 .397 करोड़ के परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की क्षमता निर्माण को मंजूरी दी गई।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न, धर्मगुरु पर मामला दर्ज

- दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का संचालक रहा है चैतन्यानंद

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी प्रतिष्ठित धार्मिक संगठन से जुड़े रहे एक स्वयंभू धर्मगुरु पर यहां एक प्रबंधन संस्थान की कई छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी फरार है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में संचालक था। पुलिस को संस्थान से नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली वोल्वो कार भी मिली, जिसका इस्तेमाल सरस्वती करता था। उसके खिलाफ 2009 में डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था, जबकि 2016 में वसंत कुंज थाने में छेड़छाड़ की एक और शिकायत दर्ज की गई थी। ताजा मामले में शिकायत चार अगस्त को वसंत कुंज उत्तर थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस ने श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में पीजीडीएम कर रही 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए। इनमें से 17 ने आरोप लगाया कि सरस्वती ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, अश्लील संदेश भेजे। संस्थान में कार्यरत तीन महिलाओं पर छात्राओं पर उसकी मांगें मानने के लिए दबाव डालने का आरोप है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और बाद में 16 पीड़ितों ने मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी।

लुक आउट नोटिस जारी, पांच राज्यों में छापेमारी

दिल्ली पुलिस स्वामी चैतन्यानंद की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है, ताकि वह देश छोड़कर भाग न सके। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में पुलिस की टीमें बाबा की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। यह कार्रवाई पीड़ित छात्राओं के गंभीर आरोपों के बाद शुरू की गई है। छात्राओं का कहना है कि चैतन्यानंद उन्हें नंबर कम करने और फेल करने की धमकी देकर अपने कमरे में बुलाता था। जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी ने खुद को चैतन्यानंद सरस्वती से अलग कर लिया है। इससे पहले सरस्वती इसी पीठ से जुड़ा था।

सीबीएसई कक्षा 10 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए अस्थायी डेटशीट की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने दी बाजार को ताकत : मुख्यमंत्री

- योगी बोले जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी मुक्त नोटबुक-पेंसिल पर शून्य कर
- ज्यादातर घरेलू सामान पर कर घटाकर किया गया शून्य या पांच प्रतिशत

लखनऊ के हजरतगंज में बुधवार को एक दुकान पर स्टिकर लगाते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जीएसटी सुधार से सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश के व्यापारियों, ग्राहकों को मिलने जा रहा है। इस घोषणा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने बाजार में नई ऊर्जा भर दी है। योगी ने बताया कि जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी से मुक्त कर दी गई हैं, वहीं नोटबुक-पेंसिल पर जीएसटी शून्य हो जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी सस्ती हुई है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर के पास पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटे जीएसटी दरों से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इस सुधार ने जहां उपभोक्ताओं को राहत दी है, वहीं बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या पांच प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। मुख्यमंत्री ने हजरतगंज मार्केट में व्यापारियों और उपभोक्ताओं से मुलाकात की। जीएसटी सुधार से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए।

देश का जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है और इस सुधार से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन सात लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से 1.15 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है।

निवेश, नवाचार और संस्कृति के महाकुंभ का आज होगा आगाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे यूपीआईटीएस की शुरुआत
- 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार आने की उम्मीद

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तीसरे संस्करण की शुरुआत करेंगे। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपीआईटीएस में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार क्षमताओं का भव्य प्रदर्शन होगा। इस मेगा आयोजन का उद्देश्य केवल निवेश और व्यापार को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और युवाओं, उद्यमियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए फ्यूचर-रेडी प्लेटफॉर्म तैयार करना भी है।

इस बार 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार और 5 लाख से अधिक विजिटर्स के आने की उम्मीद है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पवेलियन 343 स्टॉल्स के माध्यम से हर जिले के सिग्नेचर प्रोडक्ट्स को पेश करेगा। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, मुरादाबाद का मेटलवेयर और सहारनपुर की नक्काशी जैसे उत्पाद लोकल से ग्लोबल की यात्रा को नई दिशा देंगे। यूपीआईटीएस में न केवल व्यापार का मंच होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी जीवंत प्रदर्शन करेगा। आगंतुक भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू लोक परंपराओं के रंगीन प्रदर्शन के साथ सूफी गायन, कथक नृत्य और सुगम संगीत का भी आनंद लेंगे।

रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग से मिलेंगे नए अवसर

लखनऊ। इस बार रूस आयोजन के साथ बतौर पार्टनर कंट्री सम्मिलित हो रहा है। 26 सितंबर को रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत और रूस के उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी नीति-निर्माताओं के लिए साझा मंच उपलब्ध होगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीकी साझेदारी और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करने का यह अवसर उत्तर प्रदेश के उद्योगों और कारोबारियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

उसी दिन सुनवाई तब, जब मामला फांसी का हो

नई दिल्ली, एजेंसी

- मामले तत्काल सूचीबद्ध करने की अपीलों पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि वह उस समय तक किसी मामले को उसी दिन तत्काल सूचीबद्ध करने का आदेश नहीं देंगे, जब तक कि किसी को फांसी न दी जा रही हो। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या कोई न्यायाधीशों की स्थिति समझता है और यह जानता है कि वे कितने घंटे काम करते हैं तथा कितने घंटे सो पाते हैं।

न्यायमूर्ति कांत उस पीठ का नेतृत्व कर रहे थे, जो तत्काल सुनवाई के लिए मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह भी शामिल थे। सीजेआई बीआर गवई आमतौर पर ऐसे मामलों की सुनवाई करते हैं। वह पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ में बैठते हैं। उनके उपलब्ध न होने पर दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश मामलों को सूचीबद्ध करने पर सुनवाई करते हैं। न्यायमूर्ति कांत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने उल्लेख किया कि राजस्थान में एक आवासीय मकान की आज नीलामी होगी और इसलिए मामले को आज ही सूचीबद्ध किया जाए। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जब तक किसी को फांसी नहीं होने वाली हो, मैं किसी भी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।

पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। पुलिस ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर से मोहम्मद यूसुफ कटारी (26) को गिरफ्तार किया जिसने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान की थी। श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले से गिरफ्तारी की। उसकी पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को रसद प्रदान करने में भूमिका थी। इन आतंकवादियों को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया था। सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने 29 जुलाई को मुठभेड़ में श्रीनगर के बाहरी इलाके में तीन आतंकियों को मार गिराया था। जिनमें सुलेमान उर्फ आसिफ भी शामिल था, जिसे 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है।

ऐतिहासिक शोध

आईआईटी रुड़की ने किया अमृता विश्व विद्यापीठम एवं स्वीडन के उप्साला विवि के साथ अध्ययन

केदारनाथ-रामेश्वरम तक 8 शिवालय एक ही अक्ष रेखा पर स्थित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- पुरातन सभ्यताओं को रही है प्रकृति और स्थायित्व की गहरी समझ

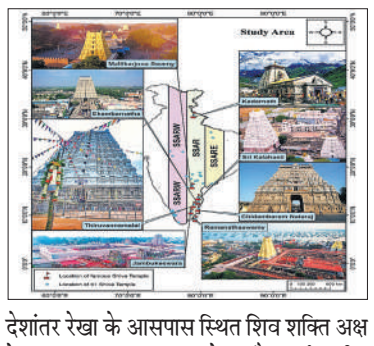

अमृत विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक विश्लेषण को जोड़ते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी)रुड़की के शोधकर्ताओं ने अमृता विश्व विद्यापीठम (भारत) एवं उप्साला विश्वविद्यालय (स्वीडन) के सहयोग से ऐतिहासिक अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि देश भर के आठ प्रमुख शिव मंदिरों का स्थान न केवल गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि जल, ऊर्जा और खाद्य उत्पादकता के उच्च केंद्रों से भी मेल खाता है।

ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज कम्युनिकेशंस (नेचर पोर्टफोलियो) में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, केदारनाथ (उत्तराखंड) से लेकर रामेश्वरम (तमिलनाडु) तक ये मंदिर 79 पूर्वी देशांतर रेखा के आसपास स्थित शिव शक्ति अक्ष रेखा पर पाए गए। उपग्रह डेटा और पर्यावरणीय विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि यह संरेखण जल संसाधन उपलब्धता, कृषि उपज और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समृद्ध क्षेत्रों में हैं।

आस्था स्थल ही नहीं, पंचभूत के प्रतीक

अध्ययन में बताया गया कि ये मंदिर केवल आस्था स्थल ही नहीं बल्कि पंचतत्वों (पंचभूत) के प्रतीक और संसाधन नियोजन के सभ्यतागत संकेतक भी रहे होंगे। प्रमुख लेखक भाबेश दास ने कहा कि प्राचीन मंदिर निर्माता पर्यावरण योजनाकार भी थे, जिनके निर्णय भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों की गहरी समझ से प्रेरित थे।

विरासत और जलवायु के बीच बने सेतु

सह-अन्वेषक प्रो. थंगा राज चेलिया ने इसे एक उल्लेखनीय अंत:विषय सहयोग बताया, जो विरासत और जलवायु लचीलेपन के बीच सेतु का काम करता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, यह निष्कर्ष दर्शाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर में रणनीतिक पर्यावरणीय अंतर्दृष्टि निहित है, जिसे आज सतत विकास और जलवायु चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए पुन: लागू किया जा सकता है।

मुख्य अन्वेषक प्रो. के.एस. काशीविश्वनाथन (डब्ल्यूआरडीएम विभाग, आईआईटी रुड़की) ने कहा कि यह शोध दर्शाता है कि प्राचीन भारतीय सभ्यताओं को प्रकृति एवं स्थायित्व की गहरी समझ रही होगी, जिसने मंदिर निर्माण के स्थान चयन में मार्गदर्शन दिया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि यह अध्ययन इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे गेट पर ट्राली फंसी, यातायात बाधित

भोजीपुरा, अमृत विचार : रम्पुरामाफी जाने वाले रेलवे गेट पर ईंटों से भरी ट्राली फंस गई। इससे ट्रेन यातायात बाधित हो गया। बरेली से लालकुआं जा रही ट्रेन बीच रास्ते में रोकना पड़ा। आरपीएफ ने ट्रैक्टर ट्राली को निकलवाया इसके बाद ट्रेन संचालन सुचारू हो सका। गेटमैन ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ आरपीएफ थाना में तहरीर दी है।

इशिता किशोर बहेड़ी की एसडीएम बनीं

बहेड़ी, अमृत विचार : जिला अधिकारी अविनाश सिंह ने बुधवार जिले के एसडीएम में फेरबदल कर दिया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम मीरगंज इशिता किशोर को बहेड़ी का नया एसडीएम बनाया है। बहेड़ी की एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव को उनके अनुरोध पर अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम बरेली बनाया गया है। अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम आलोक कुमार को एसडीएम मीरगंज बनाया गया है।

लीलौर झील में डूबकर युवक की मौत

आंवला, अमृत विचार : मंगलवार दोपहर घूमने की बात कहकर घर से निकले किशोर की लीलौर झील में डूबकर मौत हो गई। खोजबीन के दौरान उसके कपड़े और चप्पलें झील के किनारे पड़ीं मिली। सुबह उसका शव झील से निकाला जा सका। रामनगर स्थित लीलौर झील में डूबकर लीलौर बुजुर्ग निवासी जितेंद्र उर्फ भूरा (16 वर्ष) की मौत हो गई। बुधवार सुबह किशोर का शव झील से बाहर निकाला जा सका।

गाय को लेकर दो पक्षों में मारपीट, 5 घायल

भमौरा, अमृत विचार : प्लॉट पर गाय बांधने जा रहे व्यक्ति को गौ तस्कर समझ लोगों ने मारपीट कर दी। इससे पांच लोग घायल हो गये हैं। दोनों पक्षों मे हुई मारपीट मे प्रथम पक्ष के अजय, संजय, प्रदीप, सुनील वही दूसरे पक्ष के वीरेंद्र घायल हो गए।

अतिक्रमण हटाया

रिठौरा, अमृत विचार : बुधवार को एसडीएम सदर प्रमोद कुमार के आदेश पर अधिशासी अधिकारी अंकित गंगवार की टीम ने अतिक्रमण हटवाया। साहू समाज के शमशान घाट के सामने अतिक्रमण हटवाने की मांग पर कार्रवाई की गई।

रिश्वत लेने वाला दरोगा निलंबित

देवरनियां थाने में तैनात दरोगा सतीश का रिश्वत लेते वीडियो हुआ था वायरल

संवाददाता, बरेली/देवरनियां

- एसएसपी ने दरोगा के खिलाफ विभागीय जांच के दिए आदेश

रिश्वत लेते सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ दरोगा सतीश कुमार। • अमृत विचार

अमृत विचार : देवरनियां थाना के दरोगा सतीश कुमार को रिश्वत लेने के मामले में एसएसपी अनुराग आर्य ने निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। दरोगा का पीड़ित से रिश्वत लेने का एक वीडियो वायरल हुआ था।

गांव कठर्रा निवासी पीतम सिंह का बरेली-नैनीताल हाईवे किनारे विशाल मेडिकल स्टोर है। पूर्व विधायक के नाती मयंक वर्मा और शशांक वर्मा दो साल से उससे रंगदारी वसूल रहे हैं। आरोप है कि 19 अगस्त की सुबह दोनों भाई अपने 10-12 साथियों के साथ दो कारों से पहुंचे। उन्होंने पहले पास की खाटू श्याम कन्फेक्शनरी में आग लगाई, फिर मेडिकल स्टोर पर हमला कर करीब 50 हजार रुपये का नुकसान पहुंचाया और बैग में रखे साढ़े पांच हजार रुपये छीन लिए।

मामले में मेडिकल संचालक और कन्फेक्शनरी स्वामी ने अलग-अलग दो मुकदमे दर्ज कराए थे। आरोप है कि विवेचक सतीश कुमार ने आरोपियों से मिलीभगत कर मामले को कमजोर करने की कोशिश की और उससे 35 हजार रुपये की रिश्वत भी ली।

मेडिकल स्टोर में रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मंगलवार को एडीजी रमित शर्मा से पीड़ित ने आरोपियों की गिरफ्तारी की गुहार भी लगाई थी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ बहेड़ी से जांच रिपोर्ट मांगी गई, जिसमें दरोगा को दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

ट्रक की टक्कर से मजदूर की मौत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार साइकिल सवार मजदूर को ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।

शाहजहांपुर के थाना मीरानपुर कटरा के गांव गडिया लाई खेड़ा निवासी छिद्द्दू खान पुत्र राधे खान(50) शाम को साइकिल से घर जा रहे थे। रेलवे फाटक पार करने के बाद पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनको टक्कर मार दी । जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई । सूचना पर पहुंचे कस्बा प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह ने ट्रक को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वह मजदूरी कर परिवार पाल रहे थे। निधन से परिवार में कोहराम मचा है।

तहसीलदार ने पकड़ा घोटाला, दर्ज कराई रिपोर्ट

- तहसील के पास ही चल रहा था फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का धंधा

नवाबगंज, अमृत विचार: तहसील के नजदीक ही जनसेवा केन्द्र पर अधिकारियों के फर्जी डिजीटल हस्ताक्षर से गलत आय व जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिए जांच में मामला पकड़ में आने पर तहसीलदार ने जनसेवा केन्द्र के संचालक व सहकर्मी के विरुद्ध गम्भीर धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही उसका लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की है ।

तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने बताया कि जनसुविधा केन्द्र पर मोटे पैसे लेकर गलत आय - जाति प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार सत्यवीर सिंह द्वारा जांच कराई गई तो ये मामले पकड़ में आए। ये संचालक कई वर्षों से ऐसे फर्जी प्रमाण पत्र जारी कर रहा था । जांच में वर्ष 2021 से फरवरी 2025 के बीच कई लोगों के जाति व आय प्रमाण पत्र बनाए गए हैं जो वास्तविकता में सही नहीं मिले।

आए हैं। इन सभी पर दूसरी जगह तैनात तहसीलदारों के डिजीटल हस्ताक्षर थे । तहसीलदार ने केन्द्र का लैपटाप जब्त कर रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही लाइसेन्स निरस्त करने की संस्तुति कर आख्या अधिकारियो को भेजी है ।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, हत्या की आशंका

मौके पर पहुंचकर जांच करती पुलिस।

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव सोरहा में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सुबह गैलरी में पड़े उसके शव को देखकर ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

गांव सोरहा निवासी करीब 35 वर्षीय बब्लू मंगलवार रात को अकेले ही घर में था। पत्नी,बच्चे रिश्तेदारी में गए थे। बुधवार सुबह को घर का बाहर दरवाजा खुला था। बब्लू मृत हालत में लेटा था ।मोहल्ले के लोगों की सूचना पर उसकी पत्नी,बच्चे घर पर पहुंचकर रोने बिलखने लगे ।इसके अलावा ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार फोर्स के समेत मौके पर पहुंच गए। पत्नी मंजू देवी ने बताया वह थाना भोजीपुरा के इलाके के गांव गोपालपुर में सर्राफा की दुकान चलाती है।

उसके पति बब्लू शराब के नशे के आदि थे। वह उनको और बच्चों के साथ नशे में मारपीट करते थे। तो अक्सर वह मायके अगरास चली जाती थी। मंगलवार को वह रात को अगरास रुक गई थी ।लेकिन इस समय दोनो के बीच किसी तरह का झगड़ा न था ।आरोप है किसी ने शराब में जहर देकर उनके पति की हत्या कर दी ।थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार ने बताया मामला संदिग्ध है।

रामलीला में हुआ राम के वन जाने की लीला का मंचन

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर के रामलीला दशहरा मेले में आज राम वन - गमन की लीला हुई ।जब महारानी कैकई द्वारा मांगे गए वरदानों पर राजा दशरथ ने राम को 14 वर्ष का वनवास की हामी भर दी , तो इसकी जानकारी मिलते ही भगवान राम सहर्ष वन जाने को तैयार हो गए । वे जब वन जाने के लिए अपनी मा कौशल्या से विदा लेने गए तो कौशल्या माता ने उनसे कहा -जौ केवल पितु आयसु ताता तौ जनि जाओ जानि बड़ माता ।जो पितु मातु कहेउ वन जाना तो कानन शत अवध समाना ।यदि केवल पिता ने वन जाने का आदेश दिया है तो माता (मुझे) बड़ा मान कर मत जाओ और यदि पिता व माता कैकई दोनो ने ही कहा है तो वन सौ सौ अवध (राजघराने) से भी बढ़ कर है और माता कौशल्या से अनुमति पा भगवान राम, सीता व लक्ष्मण के साथ वन को रवाना हो गए । वृन्दावन के नाट्य कलाकारों ने राम वन - गमन लीला का बड़ा ही मनभावक मंचन किया ।मेलाध्यक्ष रविन्द्र पाल ने बताया कि कल वृहस्पतिवार को केवट लीला की लीला होगी । शेरगढ़, मीरगंज में भी हुई रामलीला में मंचन किया गया। फरीदपुर में रामबारात के बाद आज लीला का मंचन किया गया। जिसमें कलाकारों में अपने अभिनय से दर्शकों का मन मोहा।

रामलीला में हुए दंगल में मोहित ने अजगर को पछाड़ा

नवाबगंज, अमृत विचार : वर्षों से रामलीला मेले की शान बने दंगल में इस बार भी दूर-दराज़ से नामी पहलवानों ने अपने पैतरे आजमाए। पहली कुश्ती में जम्मू-कश्मीर के गुलाम नबी पहलवान ने हरियाणा के कुंभकरण पहलवान को मात देकर 21 हजार रुपये की इनामी कुश्ती जीत ली। दूसरी भिड़ंत देहरादून के अजगर पहलवान और हाथरस के मोहित पहलवान के बीच हुई। कड़े मुकाबले के बाद मोहित ने 15 मिनट की मशक्कत में जीत दर्ज की। सबसे अहम कुश्ती नेपाल के काठमांडू के थापा पहलवान और राजस्थान के मेंटल पहलवान के बीच हुई। लोगों को यह कुश्ती मिलीभगत वाली लगी। आखिरकार थापा ने मेंटल को पछाड़कर जीत हासिल की। पूरे दंगल के दौरान दर्शकों में उत्साह और रोमांच बना रहा, अखाड़े में गूंजती तालियों और जयकारों ने मेले के माहौल को और भी जीवंत कर दिया।

सदर बाजार में हुआ श्रवण कुमार नाटक का मंचन

कैंट, अमृत विचार : सदर बाजार स्थित श्री रामलीला स्थल पर श्री रामलीला नाटक समाज कमेटी के तत्वाधान में चल रही रामलीला में बुधवार को रामायण के पौराणिक नाटक श्रवण कुमार का मंचन किया गया। श्रवण कुमार की कहानी के माध्यम से नई पीढ़ी को सार्थक संदेश देने का प्रयास किया गया। श्रवण कुमार की भूमिका में सचिन कश्यप, पिता की भूमिका में सतीश जायसवाल, माता की भूमिका में अनुष्का व राजा दशरथ की भूमिका में कलाकार तथा निर्देशक सुनील सिंह ने अपने अभिनय से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। श्रवण कुमार की मृत्यु की सूचना राजा दशरथ द्वारा दिए जाने पर श्रवण के माता-पिता के करुण रुदन से दर्शकों की आंखें नम हो गईं ।कमेटी अध्यक्ष प्रवेश पाराशर, सतीश मेहता, विष्णु, सत्यधीर उपध्याय, विनोद यादव, कुमकुम, सुमित, सचदेव सागर, रामकुमार चौरसिया, सुनील सिंह, श्याम सिंह, श्री सागर व सुरेश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

बाबा श्याम की प्राण प्रतिष्ठा 7 अक्टूबर को

आंवला: मनौना धाम स्थित श्री श्याम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी क्रम में आगामी 7 अक्टूबर को मंदिर में बाबा श्याम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधक आर्येंद्र सिंह चौहान ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर से धार्मिक अनुष्ठानों के साथ की जायेगी, जो 7 अक्टूबर तक निरंतर चलती रहेंगी।

अज्ञात ठग ने खाते से 96 हजार रुपये उड़ाए

कैंट, अमृत विचार: नकटिया गोकुल नगर निवासी नवनीत कुमार ओझा की फेसबुक आईडी ने काम करना बंद कर दिया तो उन्होंने गूगल से कस्टमर केय र नंबर लेकर अपनी फेसबुक आईडी रिकवर करनी चाही। इसी दौरान उनकी फोन स्क्रीन एक अज्ञात व्यक्ति ने शेयर कर ली। और तत्काल उनके खाते से 96 हजार रुपये कट गए। मैसेज मिलने पर उन्हें पता चला, कि उनके साथ ऑनलाइन ठगी कर ली गई है।

आरोप: बहू ने प्रेमी से मिलकर बेटे की हत्या की

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : प्रेमी से मिलने में खटक रही सास को बहू ने पहले घर से निकाला। पति जब मां के साथ रहने लगा तो पत्नी ने अपने प्रेमी और उनके साथियों की मदद से पति की हत्या कर दी। मां ने पुलिस में शिकायत की तो बहू ने उसे धमकाया। मामले की शिकायत एसएसपी से भी की गई।

पूरन देवी निवासी ग्राम खरसैनी थाना शाही ने थाने में तहरीर दी और बताया कि उसका बेटा हरपाल पत्नी ममता के साथ एक ही मकान में रहती थी। पूरनदेवी को अपनी बहू के सबंध बाहरी व्यक्ति से होने की जानकारी मिली। उसने ममता को समझाया और प्रेमी से संबध न रखने की बात कही। यह बात ममता को खटक गई और उसने एक दिन बुजुर्ग पूरनदेवी और उसके पति भजनलाल से झगड़ा करके घर से निकाल दिया। पति हरपाल को ममता और उसके प्रेमी के बारे में पता चला तभी से वह हरपाल की हत्या की योजना बनाने लगी। बुजुर्ग पूरनदेवी ने बताया कि हरपाल ने भी ममता को प्रेमी से मिलने से मना किया। लेकिन वह नहीं मानी और

योजना बनाकर प्रेमी और पांच लोगों की मदद से हरपाल की हत्या कर दी। पूरनदेवी को गत 8 सितंबर को बेटे हरपाल की हत्या होने की जानकारी मिली तो अगले ही दिन घटना के संबंध में थाने पर शिकायत करने गई तो उसकी पुत्र वधु ममता और पांचों लोगों ने उसको धमकाया। पीड़िता ने बताया कि इसकी शिकायत उसने एसएसपी बरेली से भी की है। प्रभारी निरीक्षक शाही ने बताया जांच की जा रही है।

आईजीआरएस पर किया आज धर्म परिवर्तन का एलान

फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर पुलिस से न्याय नहीं मिलने से परेशान हो चुकी महिला ने आईजीआरएस पर शिकायत करते हुए अपना दर्द बयां किया और गुरुवार को धर्म परिवर्तन का एलान किया है।

नगर क्षेत्र निवासी महिला का आरोप है गाजीपुर से एक युवक अपने बहनोई की मदद से अगवा कर ले आये। उस समय वह 13 वर्ष की थी। युवक और बहनोई ने उसे अपने पास रखा और उससे दुष्कर्म करते रहे। इस दौरान उसे देह व्यापार के लिए कई बार बेचा भी गया। जब वह 18 साल की हुई तो उसकी शादी नगर के ही युवक से करा दी गई। लेकिन उसे ब्लैकमेल करना बंद नहीं किया गया। उसके तीन बच्चे हैं। आरोपी पीडित्ता को ब्लैकमेल करना बंद नहीं कर रहे और शारीरिक शोषण कर रहे हैं। उसक पति दिव्यांग है। पुलिस में 9 अगस्त को शिकायत की थी लेकिन थाने से कोई कार्यवाही नहीं हुई तो उसने आईजीआरएस पर अपनी व्यथा बताते हुए गुरुवार को धर्म परिवर्तन का ऐलान किया है।

ग्रामीणों ने कूड़ा घर बनाने का किया विरोध

आंवला। नगर पालिका परिषद आंवला द्वारा नगर के समीमवर्ती गांव में कूड़ा घर बनाये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने इस संबंध में एसडीएम आंवला, जिलाधिकारी मंडलायुक्त और मुख्यमंत्री तक शिकायत भेजकर प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की है।

ब्लॉक रामनगर के गांव मनौना निवासी ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव के समीप खेतों के किनारे ग्राम समाज की खाली भूमि है। इसी जमीन पर पालिका द्वारा कूड़ा घर बनाने का प्रस्ताव किया गया है। जबकि पास ही प्राचीन बृह्मा देव महाराज का देवस्थान और सैय्यद महाराज की दरगाह स्थित है, जहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग बराबर आस्था के साथ आते हैं। धर्मस्थलों के निकट कूड़ा घर बनने से गंदगी, दुर्गंध और प्रदूषण का वातावरण पैदा होगा, जिससे पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों में खलल पड़ेगा। विरोध प्रदर्शन करने वालों में धर्मपाल, रामपाल, अमित पाराशरी, सुनील, भूपाल, नरेश कुमार, भोलाशंकर आदि रहे।

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!
ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
- शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
- दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
- हिलते हुए दांतों को जाम करना।
- दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
- मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
- दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
- सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
- टेड़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
- मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
- गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
- एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:- 9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2020 अनुक्रमांक 0854381 तथा इण्टरमीडिएट वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2225638832 के अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले हैं। **ग्रीश पाल पुत्र शम्भी निवासी ग्राम सुल्तानपुर टप्पा फरीदनगर तहसील सहसवान पोस्ट दानपुर जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कमाल हुसैन पुत्र प्यारे मियाँ निवासी 803 किला छावनी बरेली जिसका बैनामा संख्या - बही संख्या -1, जिल्द सं0 2481 के पृष्ठ नम्बर 271-272 में नंबर 12665 का बैनामा दिनांक 16.04. 2025 को गुम हो गया है, यदि किसी को मिले तो सम्पर्क 9837385423

NOTICE

I, KORNANA TATARAO, FATHER of Army No-2617505W Rank-Sep name Kornana Eswara Rao presently residing at Vill- Bahadapalli, Tehsil-Man- dasa, Distt-Srikakulam, State-Andhra Pradesh, PIN-532243, have changed my name from KORNANA TATA RAO to KORNANA TATARAO as per Aadhar Records. Vide Affida- vit Declaration date18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari,Shahjahanpur.

NOTICE

I, G NAGAMMA, mother of Army No. JC-441899H Rank-Sub name Ramesh Golla presently residing at Vill-Varanasi Vari Palli- Tehsil-Rompicherla, Distt- Chittoor, State-Andhra Pradesh, PIN- 517192, have changed from my NAGAMMA name TO G NAGAMMA as per Aadhar Records. Vide Affidavit Declaration date18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur

NOTICE

I, G KRISHNAIAH, FATHER of Army No. JC-441899H Rank- Sub name Ramesh Golla presently residing at Vill-Varanasi Vari Palli - Tehsil-Rompicherla, Distt- Chittoor, State-Andhra Pradesh, PIN- 517192, have changed my name from KRISHNAIAH G TO G KRISHNAIAH as per Aadhar Records. Vide Affidavit Declaration date 18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है एक नवगठित मत्स्य जीवी सहकारी समिति का गठन मोहनपुर परौर न्याय पंचायत कुन्डरिया में मोहनपुर के पंचायत घर में दिनांक 30.09. 2024 को समय दोपहर 02 बजे आयोजित की जायेगी। जिसमें मछुआ समुदाय/अनुसूचित जाति के इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति भाग ले सकते हैं। मत्स्य सम्बन्धी कार्य करने वालों को वरीयता प्रदान की जायेगी।- **मुख्य प्रवर्तक, अरूण कश्यप**

सूचना

मैंने अपनी पत्नी रूकसाना व पुत्र अफसर, रेहान एवं पुत्री खुशनूर जो कि अपने भाई याकूब व अहसान बाबू पुत्रगण यासीन, वसीम पुत्र याकूब मेरी पत्नी एवं बच्चों को बहकाते हैं। जिसके कारण मेरी पत्नी एवं बच्चों का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा नहीं है। उनके द्वारा किये गये गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **मो. शफीक पुत्र बली मोहम्मद निवासी- कुंवरपुर बंजरिया, थाना हाफिजगंज, जिला बरेली (उ.प्र.)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं0 2437528 में मेरा नाम रूबी खान (RUBI KHAN) दर्ज व जन्म तिथि 01. 01.1980 दर्ज है जो कि गलत है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम रूबी खान (RUBY KHAN) व जन्म तिथि 10.07. 1977 दर्ज है जो कि सही है। **रूबी खान पत्नी तसलीम रजा खान निवासी 110ए, स्वाले नगर जागृति नगर बस्ती रामपुर रोड किला बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुखविंदर सिंह व उसकी पत्नी पवनदीप कौर को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा उनसे अब कोई सरोकार व वास्ता नहीं होगा। **अमरीक सिंह पुत्र कुंदन सिंह निवासी अंबेडकर नगर, पटिहन, कोतवाली व तहसील पलियाकलां जिला खीरी।**

सूचना

मेरे भाई स्व. वेदप्रकाश का विवाह लक्ष्मी देवी पुत्री राकेश कुमार निवासी मठ, बरेली के साथ हुआ था। मेरे भाई का स्वर्गवास दिनांक 06.08.2025 को हो गया था। मेरे भाई की पत्नी लक्ष्मी देवी ने अपनी मर्जी से पुर्नविवाह दिनांक 23.09.2025 को कर लिया है। वह अपने पति मनोज कुमार पुत्र श्री दुर्गाप्रसाद निवासी ग्राम करेली जिला बरेली के साथ खुशी से रह रही हैं। उपरोक्त लक्ष्मी देवी के किसी भी प्रकार के दावे व व्यवहार का मैं व मेरा परिवार उत्तदायित्व नहीं होगा। **भूपराम पुत्र स्व. मनीराम निवासी मोहल्ला देशनगर शहर, पीलीभीत**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश नाम NAVENDRA KUMAR MISHRA अंकित है। जबकि आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में NAVENDU KUMAR MISHRA दर्ज है, जो कि सही नाम है। मुझे नवेंदु कुमार मिश्रा नाम से ही जाना, पहचाना जाता है। **नवेंदु कुमार मिश्रा पुत्र मनोज कुमार मिश्रा निवासी मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना गोला गोकर्णनाथ, जिला-खीरी।**

तृतीय चंद्रघंटा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।

बीज मंत्र...ऐं श्रीं शक्तयै नमः।

तीस से अधिक लोगों से 10 करोड़ रुपये की ठगी

ऑनलाइन फ्रॉड: विदेश भागने की फिराक में थे आरोपी

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

शहर के होटल से पकड़े गए दो टीम लीडर

कंपनी की तरफ से मिली लग्जरी कार से टीम के दो लीडर लखनऊ से लखीमपुर पहुंचे और वह शहर के एक होटल में रुक कर मासूम लोगों को अपना शिकार बना रहे थे। इस बात की जानकारी जब पीड़ितों को हुई तो तमाम लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों टीम लीडरों को लेकर कोतवाली आई। टीम लीडरों में वीरेंद्र भटनागर और दुर्गेश शर्मा का नाम सामने आया है। पुलिस दोनों की दस्तावेज लेकर जांच में जुड़ गई है।

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र में 30 से अधिक लोग ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो गए, जिसमें मोटे लालच में लगभग 10 करोड़ रुपये डूब गए। पीड़ितों ने शिकायत में बताया कि बॉम्बिटेक एक्सचेंज और बीमैक्स रियल्टी नामक कंपनी ने क्रिप्टो ट्रेडिंग और अन्य योजनाओं में अधिक ब्याज का लालच देकर लोगों से पैसा जमा किया था।

पीड़ितों का कहना है कि कंपनी ने हर महीने 7.5% तक ब्याज का वादा कर पैसा जुटाया। शुरुआती महीनों में कुछ निवेशकों को रिफंड मिला, लेकिन जुलाई 2025 के बाद कंपनी ने रिफंड का ऑप्शन बंद कर दिया। इस पर कई प्रयास करने के बाद पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ। सदर कोतवाली पुलिस ने विदेश भागने की तैयारी कर रहे दो साथियों को पकड़ा है। कोतवाली लाकर उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। ठगे जाने वालों में कुछ बड़े व्यापारी और अधिवक्ता भी शामिल हैं।

ठगी के शिकार बने नृपेंद्र कुमार मौर्य, कृष्ण कुमार गुप्ता, लक्ष्मी देवी, विकास कुमार यादव, प्रभात कुमार अवस्थी, प्रवीण श्रीवास्तव अनुराग तिवारी आदि ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कंपनी के मालिक ने खीरी जिले के साथ ही पीलीभीत, शाहजहांपुर और सीतापुर में अपना नेटवर्क फैलाया।

पीड़ितों का कहना है कि मालिक एकाध महीने पहले दुबई भाग गया, जबकि टीम लीडरों के माध्यम से वह सीधे संपर्क बनाए रख रहा है और अन्य लोगों को भी ठगी का शिकार बना रहा है। ऑनलाइन ट्रेडिंग और ज्यादा ब्याज के चक्कर में खीर जिले के 30 से अधिक लोगों ने करीब 10 करोड़ रुपये डूबो दिए। कंपनी एक मुश्त जमा हुए रकम पर हर महीने साढ़े सात प्रतिशत ब्याज देने का झांसा देकर यह रकम जुटाई थी। जब रकम रिफंड नहीं हुई तो ठगी की जानकारी हुई। तहरीर में कहा है कि थाना मितौली के गांव राजेपुर निवासी जय प्रकाश मौर्या ने अपने अन्य साथियों के साथ लखीमपुर खीरी के साथ ही आस पास के अन्य जिलों में लगातार सेमिनार करते थे। बॉम्बिटेक एक्सचेंज और बीमैक्स रियल्टी नामक कंपनी और उसकी वेबसाइट के जरिए लोगों को क्रिप्टो ट्रेडिंग और अन्य स्कीमों में पैसा लगाने के लिए लालच देते थे। ज्यादा ब्याज और अच्छे मुनाफे के चलते शहर के 30 से अधिक लोग इसमें रुपये इन्वेस्ट किए। किसी ने दो लाख तो किसी ने 25 लाख रुपये तक कंपनी में इन्वेस्ट किए।

पीड़ितों के मुताबिक शुरुआती कुछ महीनो में तय ब्याज के हिसाब से रिफंड मिला, लेकिन जुलाई 2025 के बाद कंपनी ने रिफंड देने वाले ऑप्शन को बंद कर दिया। कई बार के प्रयास के बाद भी जब रिफंड नहीं हुआ तो पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि जय प्रकाश मौर्या जोकि कंपनी का सीएमडी बताया जा रहा है।

- आरोपियों ने पूछताछ कर रही सदर कोतवाली पुलिस

परीक्षा प्रकरण की जांच के लिए गठित की गई एसआईटी

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की विगत रविवार को सम्पन्न परीक्षा में सामने आई शिकायतों की जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के पर्यवेक्षण में एसआईटी गठित कर दी गई है, जो एक माह में जांच पूरी करेगी और तब तक आयोग द्वारा परीक्षा के संबंध में आगे कोई कार्रवाई नहीं होगी। मुख्य सचिव (सीएस) आनंद बर्द्धन ने बुधवार को बताया कि सरकार के लिए परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और सुचिता के साथ ही अभ्यर्थियों का हित सर्वोपरी है। परीक्षा में सामने आई शिकायतों की जांच एसपी देहात ऋषिकेश जया बलूनी की अध्यक्षता में गठित एसआईटी द्वारा कराई जाएगी।

पीटीआर के हाथियों का नया ठिकाना मुस्तफाबाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीटीआर की माला रेंज स्थित कैंप में मौजूद हाथी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व हथिनी निसर्गा समेत चारों हाथियों का नया ठिकाना मुस्तफाबाद होगा। मुस्तफाबाद रेंज में चारों हाथियों के नया स्थाई कैंप बनाया जाएगा। यहां हाथियों के सुरक्षित रहने के लिए शेड समेत अन्य कार्य कराए जाएंगें। बता दें कि चारों हाथी अभी तक टाइगर रिजर्व की माला रेंज स्थित कैंप में रखे गए थे। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने यह निर्णय पांचों रेंज कवर करने के उद्देश्य से लिया है, ताकि हाथियों की जरुरत पड़ने पर उन्हें तत्काल कम समय में संबंधित रेंज में भेजा जा सके।

जनपद के जंगलों को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद यहां बाघ समेत अन्य वन्यजीवों में खासी बढ़ोतरी देखी जा रही है। जंगल में आबादी बढ़ने के साथ ही बाघ समेत अन्य वन्यजीवों ने जंगल से बाहर निकलकर आबादी क्षेत्रों की ओर दस्तक देनी शुरू कर दी। जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में इजाफा होने लगा। जंगल से बाहर घूम रहे बाघ-तेंदुआ को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान आक्रामक बाघों से निपटने के लिए हाथियों की कमी खासी महसूस की जा रही थी। अक्सर रेस्क्यू ऑपरेशनों के दौरान दुधवा टाइगर रिजर्व से हाथियों को लाया जाता रहा है। ऐसे में देश के अन्य राज्यों से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में हाथियों को लाने की कवायद शुरू हुई, जोकि लंबे अंतराल तक चली।

हमारे पास चरित्र है, हम बिकाऊ माल नहीं : आजम खां

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

पत्नी तंजीन फात्मा व परिवार के साथ आजम खां। ● अमृत विचार

- बुधवार को पत्रकारों से रुबरु हुए पूर्व मंत्री आजम खां

अमृत विचार : पूर्व मंत्री आजम खां ने बुधवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब अपने चित परिचित अंदाज में दिया। पूरे दिन के इंतजार के बाद वह बुधवार दोपहर आवास से बाहर आए तो पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। बसपा में जाने के सवाल पर मुस्कान के साथ बोले, हमारे पास चरित्र नाम की चीज है, हम बिकाऊ नहीं है यह हमने साबित कर दिया है।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामपुर मिलने न आने के सवाल पर बोले कि बड़ी पार्टी के बड़े नेता हैं मेरे जैसे छोटे आदमी के लिए कोई बात कहेंगे तो उनका बड़प्पन है। पूर्व मंत्री 23 माह के बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से छूटकर घर पहुंचे। उन्होंने अधिकतर समय परिवार के बीच गुजारा। शहर के मोहल्ला मीरबाज खां स्थित आवास से दोपहर बाद बाहर निकले आजम खां सवालों का सधे हुए अंदाज में जवाब देते रहे। चुटीले कटाक्षों पर मीडियाकर्मी हंसी नहीं रोक सके। जब पूछा गया कि स्थानीय सांसद मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी भी उनसे मिलने नहीं आए हैं, इसके जवाब में कहा कि वह खैरियत से रहें आबाद रहें। मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन को लेकर कहा कि मैं अपने यहां टिकट नहीं दिलवा सका उनका टिकट कैसे कटवा सकता हूं। अखिलेश यादव का कोई फोन आया इस सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें सिर्फ अपनी पत्नी का फोन नंबर याद था उसे भी भूल गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड के कुछ हिस्सों से विदा हुआ दक्षिण पश्चिम मानसून

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड में कहर बरपाने के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को प्रदेश के कुछ भागों से विदा हो गया। वहीं, अगले 2-3 दिनों में उत्तराखंड के कुछ और भागों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो चली हैं। मानसून की वापसी की रेखा अब रामपुर, बुलंदशहर हरिद्वार, एटा, बांसवाड़ा, वलभ विदयानगर, वेरावल के माध्यम से गुजर रही है। 24 से 30 तक बारिश का असर रह सकता है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी आरोपी गिरफ्तार

अमेठी, एजेंसी : जिले के शुकुल बाजार क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर कथित अमर्यादित टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि 23 सितंबर की शाम सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी को कथित तौर पर अपशब्द कहे गये हैं।

करंट लगने से दो बहनों और एक कॉलेज छात्रा की मौत

बलिया/सुलतानपुर, एजेंसी : बलिया जिले में बुधवार दोपहर को स्कूल से लौट रहीं दो बहनों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि सुलतानपुर जिले में एक अन्य घटना में 22 वर्षीय छात्रा की भी बिजली का झटका लगने से जान चली गई। पुलिस ने बताया कि बलिया में नौवीं कक्षा की छात्रा अंचल यादव (15) और छठी कक्षा में पढ़ने वाली उसकी बहन छात्रा अलका यादव (12), स्कूल से घर लौटते समय जलभराव में उतरे करंट की चपेट में आ गईं।

दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराएगा आईआईटी कानपुर

कानपुर, अमृत विचार : आईआईटी कानपुर दिल्ली में क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम बारिश) कराएगा। इसके लिए आईआईटी कानपुर को डीजीसीए से अनुमति मिल गई है। यह बारिश 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच कराई जाएगी। बारिश के लिए हिंडन एयरपोर्ट से विशेष विमान का उपयोग किया जाएगा। यह विमान क्लाउड सीडिंग के आंकड़ों को भी एकत्रित करेगा।

नकल जिहादियों को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेंगे

मुख्य संवाददाता, देहरादून

युवाओं को हर कीमत पर दिलाएंगे न्याय : मुख्यमंत्री

सीएम ने कहा कि सभी जानते हैं कि पेपर लीक होने की स्थिति में पेपर शुरू होने से पहले ही बाहर आ जाता है लेकिन इस बार केवल एक जगह एक परीक्षा केंद्र में किसी ने अंदर से फोटो खींचकर बाहर भेज दी, जिस पर बाद में हंगामा खड़ा कर दिया गया। पूरे राज्य में कहीं दूसरी जगह से ऐसी कोई बात सामने नहीं आई जबकि प्रदेश भर में इस परीक्षा में करीब 80 हजार अभ्यर्थियों ने भाग लिया। हम फिर भी उसकी जांच कर रहे हैं, हमारा ध्येय है कि युवाओं को हर कीमत पर न्याय मिले और उन्हें प्रतिभा के आधार पर चयन का अवसर मिलना चाहिए।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि राज्य में एक षड्यंत्र के तहत संगठित रूप से नकल जिहाद छेड़ने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनकी सरकार नकल जिहादियों को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी।

हाल में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा के एक प्रश्नपत्र के तीन पन्ने कथित तौर पर लीक होने से प्रदेश में मचे हड़कंप के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि, युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने के लिए संगठित होकर पेपर लीक कराने के षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। कोचिंग और नकल माफिया एक होकर राज्य में नकल जिहाद छेड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जांच से पहले ही प्रदेश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, लेकिन मैं उन सभी नकल माफिया और जिहादियों को बता देना चाहता हूं कि हमारी सरकार राज्य में नकल माफिया को जब तक मिट्टी में नहीं मिला देगी, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

रेत खनन के ट्रैक्टर से कुचलकर वृद्ध की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार: शारदा नदी से सटे अशोक नगर गांव में खनन के धंधेबाजों ने एक जान ले ली। बाढ़ के बाद खेतों में जमा रेत को उठाने के लिए कुछ धंधेबाज पहुंचे।

जब प्रधान पति ग्रामीणों के साथ विरोध के लिए गए तो भगदड़ मच गई। आरोप है कि खनन में इस्तेमाल ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर एक ग्रामीण की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। ये भी पता किया जा रहा है कि जानबूझकर ट्रैक्टर से कुचला गया या नहीं। स्थानीय लोगों ने खनन के धंधेबाजों पर कार्रवाई की मांग की है।

काशी हिंदू विवि के प्रोफेसर का निलंबन रद्द

प्रयागराज, एजेंसी : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी हिंदू विवि के प्राणि विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर शैल कुमार चौबे का निलंबन रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सी डी सिंह ने प्रोफेसर चौबे द्वारा दायर याचिका का निपटारा करते हुए विश्वविद्यालय को इस आदेश की प्रमाणित प्रति पेश करने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता के निलंबन से संबंधित संपूर्ण तथ्य अपनी कार्यकारिणी परिषद के समक्ष रखने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त से मिला मूक बधिर संघ

बरेली, अमृत विचार : बरेली मंडल मूक बधिर संघ ने दिव्यांगजनों की समस्याओं को लेकर बुधवार को कमिश्नरी में मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी को ज्ञापन दिया। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के मौके पर गांधी उद्यान से मंडलायुक्त कार्यालय तक रैली निकाली, जिसमें कहा कि कई साल से समस्या उठा रहे हैं, लेकिन शासन और प्रशासन सिर्फ आश्वासन देता है। संयुक्त सचिव अदनान खान ने बताया कि संघ की मांग है कि राजकीय मूक बधिर विद्यालयों में निजी योग्य बधिर शिक्षकों की तैनाती की जाए। शाहजहांपुर और बरेली में ई बसों में दिव्यांगों को निशुल्क यात्रा कराई जाए। उन्होंने कहा कि अगर मांगे पूरी नहीं हुई तो मूक बधिर दिव्यांगजन आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भाई और भतीजे पर जमीन हड़पने की कोशिश की रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में एक शख्स ने अपने भाई के साथ मिलकर जमीन खरीदी और साझेदारी में कबाड़ का व्यापार किया। अब भाई और भतीजा जमीन और व्यापार हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कांकरटोला निवासी निसार अहमद ने बताया कि 2005 में उन्होंने अपने भाई न्याज अहमद के साथ मिलकर 2011 वर्गगज जमीन सिंघाई टोला में खरीदी थी।

चीनी मिलों का समय से हो संचालन : उप गन्ना आयुक्त

सभी मिलों में तकनीकी कार्य पूरा कराने के दिए आदेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

समीक्षा बैठक में दिशा-निर्देश देते उप गन्ना आयुक्त। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गन्ना भवन सभागार में बैठक में उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्रा ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए परिक्षेत्र की सभी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों से तकनीकी कार्य पूरा कराकर समय से मिलों का संचालन करने के आदेश दिए। वहीं पेराई सत्र 2024-25 व 2023-24 के गन्ना मूल्य एवं गन्ना विकास अंशदान के अनुरक्षित स्टाक में चीनी, शीरा समेत अन्य उत्पादों को बेचकर शीघ्र गन्ना भुगतान करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने ड्राल प्रतिशत व चीनी परता बढ़ाने पर जोर देने के साथ ही गन्ना प्रजाति 0238 को खत्म करने के निर्देश दिए। खासकर चीनी मिल मीरगंज, बिसौली, न्यौली क्षेत्र में गन्ना प्रजाति 0238 की बुवाई न करने को कहा। किसानों को गन्ना प्रजाति 0238 के स्थान पर अन्य प्रजातियों की बुवाई के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने बताया कि बरेली में 268.24 हेक्टेयर, पीलीभीत में 3700 हेक्टेयर, शाहजहांपुर में 150 हेक्टेयर, बदायूं में 45 हेक्टेयर और कासगंज में 480 हेक्टेयर में बाढ़ का पानी रुका होने से गन्ना उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है। बैठक में परिक्षेत्र के सभी जिला गन्ना अधिकारी, संभागीय विख्यापन अधिकारी, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक समेत अन्य मौजूद रहे।

फर्जी कागजात से पांच लाख का लोन लेने पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने बैंक से फर्जी कागजात के सहारे लोन ले लिया। किस्त जमा न करने पर बैंक से उसे नोटिस जारी किया और जवाब न देने पर उसका खाता एनपीए घोषित हो गया। बैंक मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कश्मीरी कोठी, कर्मचारी नगर निवासी एसबीआई की महानगर ब्रांच मैनेजर अलका शर्मा ने बताया कि मोहल्ला गिन्नोरी सिरसी, संभल निवासी बंटी ने फर्जी तरीके से फरवरी 2023 में पांच लाख रुपये का लोन लिया था। उसने छह माह बाद किस्त देना बंद कर दिया। उसने अपने वेतन खाता को किसी और बैंक में स्थानांतरित करा लिया। भुगतान न होने से खाता एनपीए हो गया। बैंक की तरफ से कई बार नोटिस देकर किस्त जमा कराने को कहा गया लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

जीपी और चौधरी क्रिकेट अकादमी ने जीते मैच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रविन्द्रनाथ टैगोर क्रिकेट अकादमी में बुधवार को रविन्द्रनाथ टैगोर कप में दो मैच खेले गए। पहला मैच चौधरी क्रिकेट अकादमी और शर्मा क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया, जिसमें चौधरी क्रिकेट ने 26 रनों से जीत हासिल की।

शर्मा क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। चौधरी क्रिकेट अकादमी ने बल्लेबाजी करते 116 रन बनाये। सत्यम ने सर्वाधिक 47 रन, इंजमाम ने 22 रनों का योगदान दिया। शर्मा की ओर से देव ठाकुर और चीता ने 3-3 विकेट व राजवीर ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शर्मा क्रिकेट अकादमी 90 रन ही बना पायी। अमोद ने 25 और चीता ने 20 रन बनाए। चौधरी के लिए के शिवांश, विमल, नितिन ने 2-2 विकेट लिये।

दूसरा मैच जीपी क्रिकेट अकादमी और एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें जीपी क्रिकेट अकादमी ने 4 विकेट से जीत हासिल की। एसआरएमएस के कप्तान पंकज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 137 रन बनाये, जिसे जीपी ने एक ओवर रहते ही हासिल कर लिया।

एसआरएमएस के लिए पंकज ने 26, अभिमन्यु ने 19 और देवराज और ताजबर ने 17-17 रनों का योगदान दिया। जीपी के लिए अक्षत ने 4, सैफ ने 3, सचिन ने 2 विकेट लिये। जीपी के लिए दिलनाज ने 31, वसीम ने 29 और दिवांशु ने 28 रनों का योगदान दिया। एसआरएमएस के लाखन मेहता ने 4 विकेट लिये। पहले मैच का मैन ऑफ द मैच सचिन और दूसरे का अक्षत को दिया गया। लाखन मेहता को गेम चेंजर का पुरस्कार दिया।

प्रेमी के घर जा धमकी युवती, शादी पर अड़ी, रिपोर्ट दर्ज

क्योलड़िया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव की 24 वर्षीय युवती ने अपने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर पाँच साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि प्रेमी ने उसके सोने-चांदी के आभूषण तक गिरवी रखवा दिए।

मामला तब बिगड़ गया जब युवती को जानकारी मिली कि प्रेमी युवक मो. उवैश ने शादी का रिश्ता तय कर लिया है। इस पर युवती प्रेमी के घर जा धमकी और शादी के लिए अड़ गई। युवती ने रातभर प्रेमी के घर में हंगामा किया।आरोप है कि प्रेमी सहित आफाक, मुस्तकीम और मोहम्मद इमरान ने युवती को शादी से इंकार करते हुए गंदी गालियाँ दीं और मारपीट की। युवती थाने में निकाह कर प्रेमी के घर जाने की ज़िद पर अड़ी रही। अंत में युवती ने चार आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।

युवती को फुसलाकर ले गया युवक, मुकद्दमा दर्ज

शीशगढ़,अमृत विचार: क्षेत्र के गांव निवासी ग्रामीण ने एक युवक पर पुत्री को फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाकर मुकद्दमा दर्ज कराया है1 पिता की तहरीर पर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की।

आजम खां के स्वागत में कई की जेबें कटीं

मीरगंज: सीतापुर जेल से रिहा होकर रामपुर लौट रहे सपा के वरिष्ठ नेता मो. आजम खान के स्वागत कार्यक्रम के दौरान कई लोगों की जेब कट गई। पुलिस की भारी फोर्स की मौजूदगी में बेखौफ जेबकतरे वारदात को अंजाम देकर फरार हो गये। पीड़ित आदर्श दिवाकर की जेब से 8000 रूपये, कर्णपाल गंगवार की जेब से 3000 रूपये, सनी गोस्वामी की जेब से 250 और प्रदीप गिरी की जेबमें रखी पर्स से 1000 रूपये उसमें रखा एटीएम, पैनकार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेज चोरी हो गए। पीड़ितों ने कोतवाली में प्रभारी शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पशु रोगों और टीकाकरण के बारे में दी गई जानकारी

आईवीआरआई में कार्यशाला में शामिल हिमाचल प्रदेश के पशु चिकित्सा अधिकारी।

बरेली, अमृत विचार : आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर व आईवीआरआई क्षेत्रीय स्टेशन पालमपुर के संयुक्त तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश के पशु चिकित्साधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। जिसमें 326 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि पशुपालन विभाग शिमला के निदेशक डॉ. संजीव कुमार धीमन ने कहा कि ऐसे आयोजन संस्थानों और अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच की दूरी कम करने में सहायक सिद्ध होंगे। आईवीआरआई निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने बताया कि संस्थान ने अब तक 13 टीकों सहित 47 प्रौद्योगिकियों को विकसित कर 163 उद्योगों को हस्तांतरित किया है। 64 आईसीटी टूल्स बनाए हैं, जिनका उपयोग 134 देशों में किया जा रहा है। डॉ. एसके सिंह की अध्यक्षता में डॉ. बबलू कुमार, डॉ. एमएच खान, डॉ. केके रजक और डॉ. अजयता रियालच ने पशु स्वास्थ्य, प्रजनन प्रबंधन, छोटे जुगाली पशुओं के रोग एवं टीकाकरण पर व्याख्यान दिए। पोल्ट्री प्रबंधन, बकरी पालन, बांझपन निवारण और क्लिनिकल प्रशिक्षण से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। संचालन डॉ. अखिलेश कुमार ने किया।

हाईवे के पास गोकशी की सूचना पर हड़कंप

नवाबगंज: हाइवे के समीप तालाब के नजदीक गोकशी की सूचना पर पुलिस प्रशासन व गोरक्षक दल मौके पर पहुंचे। मौके पर गोवंश के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया।

कोतवाल अरुण कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर वेद प्रकाश, चौकी इंचार्ज पुनीत कुमार, दरोगा अभिषेक नागर समेत पुलिस बल ने छानबीन की। गौरक्षक दल से प्रिंस गुप्ता, दीपक पंडित, धर्म सिंह उर्फ धरमु, मोंटी, अंतरिक्ष पटेल आदि मौके पर पहुँचे। गोवंश के अवशेष देखकर गौरक्षकों ने कड़ी नाराज़गी जताई। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

एनएसएस के स्थापना दिवस पर पौधरोपण किया

बरेली, अमृत विचार: राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्थापना दिवस पर बरेली कॉलेज की छात्र इकाई-प्रथम ने पौधरोपण किया। स्वयंसेवकों ने शिक्षकों के साथ महाविद्यालय परिसर में नीम, नींबू ,आवंला, चांदनी इत्यादि के पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के चंद्रेश ने स्वयंसेवकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव यादव ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना आज ही के दिन महात्मा गांधी जयंती वर्ष 1969 में स्थापित की गई। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए सामाजिक कार्यों से जुड़ना इसका मुख्य उद्देश्य है। पर्यावरण विभाग के प्रभारी डॉ. जसपाल सिंह ने विद्यार्थियों के स्वच्छता अभियान की प्रशंसा की। डॉ. रागिब हुसैन ने प्लास्टिक मुक्त परिसर एवं विद्यार्थियों की ओर से शहर में जनजागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों ने केक काटा। इस अवसर पर स्वयंसेवक शशांक गंगवार, अभिषेक, विनीत यादव, मो. लाजिम, ईशान गुप्ता, मो. वसीम, अमन यादव, शिवपूजन शंखधर, हेमंत इत्यादि मौजूद रहे।

गोबर न उठाने पर सभासदों ने सफाई कर्मियों को पीटा, रिपोर्ट

संवाददाता, कैंट, अमृत विचार : भैंस का गोबर न उठाने पर नगर पंचायत के दो सभासदों समेत 4 लोगों ने सफाई कर्मी को जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली गलौच के साथ लात घूंसों से पीटा। पीड़ित ने कैंट थाने में मंगलवार देर रात एससी-एसटी तथा अन्य कई धाराओं में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना बिथरी चैनपुर के गांव परसोना निवासी अमर सिंह ने बताया, कि वह नगर पंचायत ठिरिया निजावत खां में सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत है।उसकी तैनाती नगर के वार्ड नंबर 12 में है। मंगलवार सुबह 9:30 बजे अमर सिंह अपने साथी सफाई कर्मी संजय निवासी मोहनपुर थाना कैंट के साथ वार्ड 12 में सफाई कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वार्ड नंबर 12 का सभासद सालिम अपने दो भाइयों याबर, तौकीर व वार्ड नंबर तीन के सभासद इसराइल के साथ वहां पहुंचे और अपने घर में भैंस का गोबर उठाने को कहा।मना करने पर चारों आरोपी जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज करने लगे और पीटने लगे। पीड़ित अमर सिंह की तहरीर पर कैंट पुलिस ने उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण/आर.एस.पी./ पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र० सं०-1, ई-प्रापण निविदा संख्या : NER-GKP-RSP-2025-21, कार्य का नाम** - छपरा (सी.पी.आर)-भटनी (वी.टी.टी.) सेक्शन में सिवान (एस. वी.)-जीरादेई (जेड.आर.डी.ई.) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 388 /8-9 पर एल.सी. संख्या -93 के स्थान पर चार लेन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का निर्माण, जिसमें आरई वॉल / पीएससी गर्डर / कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी डिवीजन के रेलवे हिस्से में आर.डी.एस.ओ. के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जाएगा।, अनुमानित निविदा मुल्य : 885984233.49, बयाना राशि (रू०) : 4579900.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू०) : 0.00 शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 महीने ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि- दिनांक 02.10.2025 ● उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि - दिनांक 16.10.2025 15.00 बजे तक।● उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - दिनांक 16.10.2025 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.
मुजाधि / डब्ल्यू - 269 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय : नं. 27ए, डेवलप्ड इंडस्ट्रियल एस्टेट, गिंडी, चेन्नई - 600 032, तमिलनाडु
क्षेत्रीय कार्यालय: हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, द्वितीय तल, 212बी और 212सी, प्लॉट संख्या टीसी / जी-2 / 2 और टीसी / जी-5 / 5 साइबर हाइट्स, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226010
प्राधिकृत अधिकारी: श्री शांतनु प्रताप सिंह, संपर्क सूत्र: +91 9918837339;
ईमेल: shantanupratap.singh@hindujahousingfinance.com

निजी संधि के माध्यम से बिक्री की सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) के तहत एचएचएफएल को प्रभारित चल और अचल परिसंपत्तियों की बिक्री।

एचएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने सरफैसी अधिनियम की अनुसूचित संपत्ति 13(4) की धारा के तहत कब्जा ले लिया है। ऐतद्द्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि अनुसूची में उल्लिखित सुरक्षित संपत्ति निजी संधि के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध है, जो एचएचएफएल द्वारा सहमत शर्तों के अनुसार "जहां है" और "जैसा है" के आधार पर अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए है।

निजी संधि के माध्यम से संपत्ति की बिक्री के लिए मानक नियम और शर्तें निम्नानुसार हैं: -

1. निजी संधि के माध्यम से बिक्री **"जहां है" और "जैसा है" आधार पर होगा।**
2. खरीदार को संपत्ति की खरीद के लिए एचएचएफएल की पेशकश की स्वीकृति के अगले कार्य दिवस पर बिक्री विचार का 25% जमा करना होगा और उसके बाद 15 दिनों के भीतर शेष राशि जमा करनी होगी।
3. खरीदार को आवेदन के साथ प्रस्तावित राशि का 10% जमा करना होगा जिसे उपरोक्त खंड (2) के अनुसार जमा के 25% के खिलाफ समायोजित किया जाएगा।
4. उपर्युक्त खंड (2) के तहत अपेक्षित राशि को प्रेषित करने में विफलता, आवेदन के साथ भुगतान की गई राशि के 10% सहित पहले से ही भुगतान की गई राशि को जब्त करने का कारण बनेगी।
5. एचएचएफएल द्वारा खरीद की पेशकश को स्वीकार नहीं करने के मामले में, आवेदन के साथ भुगतान की गई 10% की राशि बिना किसी ब्याज के वापस कर दी जाएगी।
6. संपत्ति को सभी मौजूदा और भविष्य के दायित्वों के साथ बेचा जा रहा है, चाहे वह एचएचएफएल के लिए ज्ञात या अज्ञात हो। अधिकृत अधिकारी / सिक्योर्ड क्रेडिटर किसी भी तीसरे पक्ष के दावों / अधिकारों / देय राशियों के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।
7. खरीदार को अपनी संतुष्टि के लिए संपत्ति से संबंधित सभी पहलुओं (निजी संधि के माध्यम से बिक्री के तहत) पर उचित जांच करनी चाहिए। खरीदार बाद की तारीख में इस संबंध में अधिकृत अधिकारी / सुरक्षित लेनदार के खिलाफ कोई दावा करने का हकदार नहीं होगा।
8. एचएचएफएल बिना कोई कारण बताए खरीद के किसी भी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
9. एक से अधिक प्रस्ताव होने की स्थिति में, एचएचएफएल उच्चतम प्रस्ताव को स्वीकार करेगा।
10. इच्छुक पक्ष आगे की जानकारी / स्पष्टीकरण और अपना आवेदन जमा करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।
11. क्रेता को संपत्ति की खरीद के संबंध में सभी स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क और अन्य खर्च, कर, शुल्क वहन करने होंगे।
12. बिक्री SARFAESI अधिनियम / नियमों के प्रावधानों के अनुसार होगी।

अनुसूची संपत्ति का विवरण (सुरक्षित परिसंपत्ति का हिस्सा)	आरक्षित मूल्य
UP/LKN/BRLY/A000000278 श्री सुमित सक्सेना **संपत्ति का पता**- खसरा संख्या 331, 335, विहार मान नगला, तह व जिला बरेली, उत्तर प्रदेश, 243001, **क्षेत्रफल** - 810 वर्ग फुट **सीमा: पूर्व:** विक्रेता का प्लॉट, **पश्चिम:** संगीता का प्लॉट, **उत्तर:** मुंशी नगर की चारदीवारी, **दक्षिण:** 9 मीटर रास्ता	रु. 18,11,700 / - (अठारह लाख ग्यारह हजार सात सौ रुपये मात्र)

दिनांक : 22.09.2025
स्थान: बरेली
हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए (अधिकृत अधिकारी)

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/1389 दिनांक: 24.09.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से, ब्वायलर हेतु स्टीम बाल्ब की आपूर्ति, किराये पर मोटर की आपूर्ति, केन फीडिंग कार्य (पटला), बैगास फीडिंग / हैण्डलिंग कार्य, तीनों व्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वैट स्क्रवर के ऐश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य, शुगर गोदाम संबंधी कार्य एवं ड्रायर हाउस सम्बन्धी कार्य, हेतु दिनांक 06.10.2025 तक गेजेज की आपूर्ति कार्य, इन्सटूमेन्ट की ए.एम.सी. कार्य नये कम्प्यूटर एवं कन्ज्यूमेवल सामानों की आपूर्तिख नयी एनॉलोजिक मेक एनडरायड एच.एच.सी. मशीनों की आपूर्ति सत्र 2023-24 की 3900 कु0 ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, सत्र 2024-25 की 3700 कु0 ब्राउन शुगर बिक्री कार्य एवं प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य हेतु दिनांक 07.10.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्तें व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1/एच-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ददरौल, शाहजहांपुर

पत्रांक: डायट/एस.एस.ए./3055-63/2025-26 दिनांक: 24.09.2025

जैम पोर्टल विज्ञप्ति

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्रांक: रा.शे./3418-3683/2025-26 दिनांक 05 मई 2025 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में संस्थान में होने वाले एकीकृत प्रशिक्षण मॉडयूल सम्पूर्ण (प्रा./कम्पो.प्रा.) प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों के दोपहर के भोजन/दो बार चाय एवं स्नैक्स आदि की आपूर्ति हेतु जैम पोर्टल पर बिड संख्या GEM/2025/B/6715051 दिनांक 23.09.2025 अपलोड की गयी है। अपलोड बिड के सापेक्ष इच्छुक निविदादाता अपनी बिड जेम पोर्टल पर ऑनलाइन दिनांक 03.10.2025 की अपरान्ह 01:00 बजे तक अपलोड कर सकते हैं। बिड के समस्त नियम व शर्ते जेम पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

सोनिया गुप्ता
प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशक
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
ददरौल-शाहजहांपुर

कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर

पत्रांक: 675/जि.पं.-नि.अनु./2025-26 **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना** दिनांक: 24.09.2025

संशोधित निर्माण नियमावली के क्रम मे जिला पंचायत, सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा वर्ष 2025-26 में प्राप्त होने वाले शासकीय अनुदान से निम्न कार्यो की अलग-अलग ई-निविदा दिनांक 30.09.2025 को समय 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदायें www.etender.up.nic.in पर अपलोड/डाउनलोड की जा सकती है। ई-निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.09.2025 को 02:00 बजे से टेंडर समिति के समक्ष खोली जायेंगी। ई-निविदा की शर्ते निम्नवत् है:-

1. टेंडर के साथ रजिस्ट्रेशन का प्रमाण, चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, जी.एस.टी. सर्टिफिकेट, लेबर पंजीकरण, घोषणा पत्र, टेंडर शुल्क एवं अनेस्टमनी की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त इसकी एक हार्डकॉपी कार्यालय में जमा करनी होंगी।
2. टेंडर शुल्क "बड़ौदा उ.प्र. ग्रामीण बैंक" के खाता सं. 56370100007586 आई.एफ.एस.कोड BARB0BUPGBX में आरटीजीएस अथवा DD के रूप में जमा किया जायेगा।
3. 2 प्रतिशत अर्नेस्टमनी बड़ौदा उ.प्र. ग्रामीण बैंक में नगद रूप से उपरोक्त खाते में अथवा FD/NSC जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो संलग्न करना होगा।
4. अपूर्ण या सशर्त ई-निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
5. सार्वजनिक निर्माण कार्यो में प्रयुक्त होने वलो उप खनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने विषयक भूतत्व एवं खनिज कर्म विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा।
6. पंजीकृत ठेकेदार को ठेका दिए जाने के पश्चात् कभी भी यह संज्ञान में आता है कि वह ठेकेदार सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यो एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उसे प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया जायेगा एवं इस आशय का शपथपत्र 100 रू. के स्टैम्प पर टेन्डर के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. प्रत्येक निविदा के साथ पंजीयन नवीनीकरण की रसीद/पंजीकरण प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का सर्वाधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित है।
9. आमंत्रित निविदाओं के कार्यादेश धनराशि की उपलब्धता के आधार जारी किये जायेंगे।

आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं का विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	विकास खंड	कार्य का नाम	धनराशि जी.एस.टी. रहित	2% धरोहर धनराशि	निविदा शुल्क मय जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	खुदागंज	मुखिया झाला (बमियाना) से ताहरपुर तक लेपन अनुरक्षण कार्य	16.95	33900	1200	1 माह
2	भावलखेड़ा	बड़े पैना बुजुर्ग से बरौरा तक लेपन मरम्मत कार्य	9.05	18100	1200	1 माह
3	भावलखेड़ा	पुवायां रोड से आदमपुर तक लेपन मरम्मत कार्य	6.34	12680	1200	1 माह
4	खुदागंज	मुखिया झाला (बमियाना) से ताहरपुर तक अवशेष भाग पर लेपन मरम्मत कार्य।	9.77	19540	1200	1 माह
5	भावलखेड़ा	बसुलिया में होली तिराहे से नहर पर डामर रोड पर पैच मरम्मत कार्य।	2.81	5620	1200	1 माह

संजय सिन्हा (अभियन्ता)
जिला पंचायत, शाहजहांपुर

महावीर सिंह यादव (अपर मुख्य अधिकारी)
जिला पंचायत, शाहजहांपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत खैरपुर खैराती विकासखंड सहसवान (बदायूं)

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खैरपुर खैराती विकासखंड सहसवान की गौशाला गोबर खाद की नीलामी दिनांक 26 9.2025 दिन शुक्रवार को प्रात: 12:00 बजे से 2:00 बजे तक बोली लगाई जाएगी इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते हैं। जिस बोली दाता की अधिकतम बोली होगी नीलामी उसी बोली दाता के पक्ष में दी जाएगी नीलामी में भाग लेने से पूर्व जरूरी प्रपत्र पर निर्धारित जमानत राशि जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी सूचना को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

श्रीमती उर्मिला (ग्राम प्रधान) **अभय प्रताप यादव (ग्राम पंचायत सचिव)**

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर

पत्रांक: 1360 (4)/न.पा.परि.ज./अ.ई.नि.सू./2025-26 दिनांक: 23.09.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर में कार्य करने के इच्छुक समस्त अनुभवी ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि 15 वां वित्त आयोग / टाइड ग्रान्ट / अनटाइड ग्राण्ट से प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु ई-निविदायें दिनांक 24.09.2025 से दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा मूल्य तथा 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर के खाता सं. 37446267056 भारतीय स्टेट बैंक, जलालाबाद IFSC Code:- SBIN0001121 में जमा रसीद ई-निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र तथा नियम व शर्ते उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेन्ट वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

क्र.	विवरण	तिथि व समय
1	वेवसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	24.09.2025 I 02:00 PM
2	ई-निविदा डाउनलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	24.09.2025 I 02:00 PM
3	ई-निविदा अपलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	24.09.2025 I 02:00 PM
4	ई-निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	30.09.2025 I 02:00 PM
5	ई-निविदा खोले जाने की अन्तिम तिथि व समय	04.10.2025 I 11:00 AM

एच.एन. उपाध्याय
अधिशासी अधिकारी

शकील अहमद खां
अध्यक्ष

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय: नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015,
ईमेल: auction@hindujahousingfinance.com,
शाखा: प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम - शान्तनु प्रताप सिंह-9918837339, सीआरएम-दीपक कुमार शर्मा - 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार / गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001406 श्री सोनू जी और श्री प्रेमवती, दोनों : 41 नेकपुर, मढ़ीनाथ बरेली, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत - 243001	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 971925 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	मकान नंबर 962 गांव नेकपुर, तहसील और जिला बरेली
2	UP/SHA/SHPR/A000000166 श्री वाहिद वाहिद और श्रीमती अलमीन अलमीन, दोनों: मदीना मस्जिद, मौलागंज देहात हरदोई शाहाबाद, ग्रामीण, शाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत - 241124	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1649142 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	मुहल्ला मैलागंज कस्वा परगना एवं तहसील शाहबाद जिला होर्दोई उ.प्र
3	UP/LKN/BRLY/A000001846 सुश्री आरती सक्सैना एवं श्री गोविंद सक्सैना, दोनों: 265 काली चरण मार्ग, सुभाष नगर बरेली, बरेली, काली चरण मार्ग, ग्रामीण, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत - 243001	10-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1013592 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खेत नंबर 776, नेकपुर (सुभाषनगर) तहसील एवं जिला-बरेली
4	UP/LKN/BRLY/A000001996 सुश्री सीमा अग्रवाल एवं श्री विवेक कुमार, दोनों : मुंडिया नबीबक्शा, साकरस रोड, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत - 243201	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1186634 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	गाटा संख्या 184 चौमहला जाजूनगर तहसील बहेड़ी जिला बरेली, उ.प्र

दिनांक : 24-09-2025, स्थान : बरेली — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

नेपाल के जेन जी का जिक्र कर सोनम वांगचुक ने भीड़ को उकसाया

केंद्र सरकार ने लगाया आरोप, कहा- लद्दाखी समूहों की बातचीत में प्रगति से राजनीतिक रूप से प्रेरित लोग खुश नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने बुधवार को आरोप लगाया कि लद्दाख में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेपाल के जेन जी प्रदर्शन का जिक्र करते हुए दिए गए भड़काऊ बयानों की वजह से भीड़ की हिंसा भड़की और कुछ राजनीति रूप से प्रेरित लोग सरकार और लद्दाखी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत में हुई प्रगति से खुश नहीं हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बुधवार को सुबह हुई कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को छोड़कर स्थिति पर शाम चार बजे तक काबू पा लिया गया और सभी से मीडिया और सोशल मीडिया में पुराने और भड़काऊ वीडियो प्रसारित नहीं करने को कहा गया। बयान में कहा गया है, सरकार पर्याप्त संवैधानिक सुरक्षा उपाय प्रदान करके लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सोनम वांगचुक ने 10 सितंबर को भूख हड़ताल शुरू की थी, जिसमें लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग की गई थी।

बयान में कहा गया है, यह सर्वविदित है कि भारत सरकार 'एपेक्स बॉडी लेह' और 'कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समिति के औपचारिक माध्यम से उनके साथ कई बैठकें की गईं और

लेह में हिंसा से पहले प्रदर्शनकारियों ने हाईवे पर जाम लगाया।

नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकें भी की गईं। कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित व्यक्ति इसप्रगति से खुश नहीं हैं और संवाद प्रक्रिया को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि कई नेताओं द्वारा आग्रह करने के बावजूद, वांगचुक ने भूख हड़ताल जारी रखी और अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में 'जेन जी' के विरोध प्रदर्शनों का भड़काऊ उल्लेख करके लोगों को गुमराह किया।

लद्दाख का प्रदर्शन कांग्रेस की साजिश का हिस्सा: भाजपा

भाजपा ने आरोप लगाया है कि लद्दाख में हुई हिंसा बांग्लादेश, नेपाल और फिलीपींस जैसे हालात पैदा करने की कांग्रेस की साजिश का हिस्सा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में कहा, लद्दाख में कुछ विरोध प्रदर्शनों को 'जनरेशन जी' के नेतृत्व वाले प्रदर्शन के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया, लेकिन जांच में पाया गया कि यह जनरेशन जी का विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वास्तव में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन था। उन्होंने आरोप लगाया, यह कांग्रेस की साजिश है।

लेह में जलते परिषद सचिवालय भवन के बाहर इकट्ठे लोग।

वांगचुक ने लेह में हिंसा की घटनाओं पर दुख जताया

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लेह में हुई हिंसा की घटनाओं पर बुधवार को दुख जताया और हिंसा के लिए 'जेन जी' के बीच बढ़ती हताशा को जिम्मेदार ठहराया। वांगचुक ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदर्शनकारियों में से दो, 72 वर्षीय एक पुरुष और 62 वर्षीय एक महिला को मंगलवार को अस्पताल ले जाया गया था और कहा कि संभवत: यह हिंसक विरोध का तात्कालिक कारण था।

नेशनल ब्रीफ

सीईसी को आईआईटी कानपुर का शीर्ष अवार्ड

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-कानपुर) के शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार कुमार को कानपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 'उत्कृष्ट पूर्व छात्र' पुरस्कार से नवाजा गया है। यह संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक कर चुके कुमार केरल संवर्ग से 1988 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने केरल और केंद्र में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

ईडी ने 1.05 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे से धन की हेराफेरी के सिलसिले में 1.05 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क की है। यह कार्रवाई बुधवार को ईडी के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शुरू की गई थी। यह मामला पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के पूर्व वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी (लेखा) संजय चक्रवर्ती और दो अन्य लोगों पर केंद्रित है। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, हमने 22 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत, भारतीय रेलवे से जुड़े 5.13 करोड़ रुपये के धन शोधन के एक मामले में 1.05 करोड़ मूल्य की चल संपत्ति कुर्क की।

मुर्मू की वृंदावन यात्रा के लिए प्रेसिडेंट स्पेशल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार सुबह सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक ले जाने के लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन में से एक महाराजा एक्सप्रेस का इस्तेमाल करेगा। यह ट्रेन सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा संचालित की जाती है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, 18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्तरां, लाउंज और राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए पावर कार होंगी।

चार रास सीट के लिए 24 अक्टूबर को चुनाव

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की चार सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 24 अक्टूबर को होंगे। ये सीट 2021 से रिक्त हैं। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, निर्वाचन आयोग ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को जम्मू-कश्मीर (विधानसभा सहित) और लद्दाख (विधानसभा रहित) केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है।

राजोआना को अब तक क्यों नहीं दी गई फांसी

करीब 29 वर्षों से जेल में बंद हैं पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह का हत्यारा, केंद्र में लंबित है दया याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई। राजोआना पिछले लगभग 29 वर्षों से जेल में बंद है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया। पीठ ने नटराज से पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी, इसके लिए कौन जिम्मेदार है। कम से कम हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे।

रोहतगी ने कहा, कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला किया जाना चाहिए। रोहतगी ने कहा, यदि मृत्युदंड को खत्म करना है तो उसे कम किया जाना चाहिए। यदि

सजा कम की जाती है तो वह बाहर आ सकते हैं। रोहतगी ने कहा कि राजोआना एक भारतीय नागरिक हैं और यह भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पाया है कि राजोआना ने खुद दया याचिका दायर नहीं की थी, बल्कि यह एक गुरुद्वारा समिति की ओर से दायर की गई है। पीठ ने मामले की सुनवाई 15 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी और कहा कि केंद्र के अनुरोध पर मामले को स्थगित नहीं किया जाएगा।

बीस जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से राजोआना की दया याचिका पर निर्णय लेने को कहा था। केंद्र ने तब मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कहा था कि दया याचिका विचाराधीन है। पिछले साल 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था।

सचिवालय गेट पर हुए विस्फोट में मारे गए थे बेअंत सिंह समेत 17 लोग

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोगों की 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में स्थित प्रशासनिक सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में मौत हो गई थी। एक विशेष अदालत ने जुलाई 2007 में राजोआना को मौत की सजा सुनाई थी। तीन मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को कम करने से इन्कार करते हुए कहा था कि सक्षम प्राधिकारी उसकी दया याचिका पर विचार कर सकता है। अपनी नई याचिका में, राजोआना ने 28 साल आठ महीने जेल में बिताए जाने का हवाला दिया, जिसमें से 15 साल से अधिक समय तक वह मौत की सजा पाए अपराधी के रूप में रहा है। राजोआना ने कहा कि मार्च 2012 में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत उसकी सजा को माफ करने की मांग करते हुए एक दया याचिका दायर की थी।

मृत्युदंड : पीड़ित और समाज केंद्रित दिशानिर्देशों के लिए केंद्र की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मृत्युदंड के प्रावधान वाले जघन्य मामलों में पीड़ित और समाज केंद्रित दिशानिर्देश तैयार करने के लिए केंद्र की याचिका पर आठ अक्टूबर को सुनवाई करने का निर्णय लिया। यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। केंद्र ने जनवरी 2020 में शीर्ष अदालत में आवेदन दायर किया था और दलील दी थी कि मौजूदा दिशानिर्देश केवल आरोपी और दोषी केंद्रित हैं। शीर्ष कोर्ट ने 31 जनवरी 2020 को आवेदन की पड़ताल करने पर सहमति जताई थी और विभिन्न हितधारकों से जवाब मांगे थे।

गुमशुदा बच्चों को पता लगाने के लिए केंद्र सरकार को ऑनलाइन समर्पित पोर्टल बनाने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुमशुदा बच्चों को पता लगाने और उनसे जुड़े मामलों की जांच पर लगातार निगरानी रखने को गृह मंत्रालय के अधीन समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने का केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने इस बात को रेखांकित किया कि खोए बच्चों को पता लगाने में केंद्र और राज्य के बीच समन्वय का अभाव है। पीठ ने कहा कि प्रत्येक राज्य को पोर्टल के माध्यम से गुमशुदगी की शिकायतों और सूचना के प्रसार के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना चाहिए। कोर्ट ने एक एनजीओ की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिए।

राज्यों के बार काउंसिल 31 जनवरी 2026 तक चुनाव कराएं या परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित राज्य बार काउंसिल के चुनाव 31 जनवरी 2026 तक करा लिए जाएं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एलएलबी प्रमाणपत्रों के लिए सत्यापन अभियान चुनाव स्थगित करने का आधार नहीं हो सकता। पीठ ने कहा, हमने बीसीआई की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि सभी राज्य बार काउंसिल के चुनाव 31 जनवरी 2026 तक करा लिए जाएं।

पुर्तगाली सरकार से जुड़े 50 वर्ष पुराने भूमि विवाद का निस्तारण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में एक जमीन को लेकर आधी सदी से अधिक पुराने विवाद का बुधवार को निस्तारण कर दिया। यह भूमि कभी तत्कालीन पुर्तगाली सरकार के पास थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने बम्बई उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा। पीठ ने अपने 78 पृष्ठ के आदेश में कहा, इस मामले में शायद सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह नहीं है कि इस न्यायालय को आधी सदी से भी पहले उत्पन्न हुए विवाद पर निर्णय देने के लिए अनुरोध किया गया है, बल्कि यह और भी बड़ी विडंबना है कि आजादी के 78 साल बाद भी यह न्यायालय औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा प्रदत्त भूमि अधिकारों से उत्पन्न विवाद को सुलझाने में लगा हुआ है, जिन्होंने कभी इस देश की संपत्ति और संसाधनों का शोषण किया था।

कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने को बुलाई सीडब्ल्यूसी बैठक: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से ड्राइविंग सीट (निर्णायक भूमिका) अपने हाथ में लेने के लिए बिहार में पार्टी की कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई, लेकिन लोग एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को समर्थन देंगे क्योंकि वे लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में भय, अपहरण और भ्रष्टाचार के माहौल को नहीं भूले हैं।

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस, जिसने 85 साल के बाद बिहार में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है, को यह बताना होगा कि जब राज्य में लोगों का अपहरण हो रहा था, सरकारी धन की बंदरबांट हो रही थी और राजद के शासनकाल में पूरे राज्य में जाति के आधार पर हत्याएं हो रही थीं तब वह मौन क्यों रही? उन्होंने पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

● रविशंकर ने नीतीश कुमार के बारे में खरगे के बयानों की आलोचना की

के बयानों की भी आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें आत्म-मंथन करना चाहिए कि उनकी पार्टी में उनकी क्या स्थिति है, जहां सत्ता की बागडोर किसी और के हाथ में है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में कहा कि पटना में कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी की बैठक राजनीतिक फायदे के लिए है। उन्हें लगा कि वे नियंत्रण अपने हाथ में ले सकते हैं और बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए राजद से और सीटें मांग सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए उन्होंने (विपक्ष) अब तक राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार में विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित नहीं किया है।

भाजपाइयों ने कांग्रेस पदाधिकारी को साड़ी पहनाई

ठाणे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छेड़छाड़ की हुई तस्वीर साझा करने के आरोप में ठाणे में स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एक कांग्रेस पदाधिकारी को सार्वजनिक रूप से साड़ी पहना दी। भाजपा के एक स्थानीय पदाधिकारी ने मंगलवार को इस कृत्य का बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस पदाधिकारी मामा उर्फ प्रकाश पगारे द्वारा प्रधानमंत्री को बदनाम करने के प्रयास के जवाब में ऐसा किया गया था। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पगारे (72) ने कहा कि वह मंगलवार को इस कृत्य में शामिल भाजपा पदाधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

असम: जुबिन गर्ग की सीबीआई जांच कराएं

गुवाहाटी, एजेंसी

असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबव्रत सैकिया ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर प्रसिद्ध गायक और संगीतकार जुबिन गर्ग की मृत्यु की जांच सीबीआई से कराए जाने का आग्रह किया। गर्ग की पिछले सप्ताह सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

असम जातीय परिषद और राइजोर दल (आरडी) जैसे अन्य विपक्षी दलों ने भी जुबिन गर्ग की मौत की जांच सीबीआई द्वारा कराए जाने की मांग की है। साथ ही एक

● नेता प्रतिपक्ष देबव्रत सैकिया ने राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा पत्र

व्यक्ति ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर अदालत की निगरानी में जांच की अपील की है। सैकिया ने अपने पत्र में कहा कि असम आपराध जांच विभाग (सीआईडी) की जांच में मदद के लिए उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के नेतृत्व में सीबीआई जांच कराई जाए।

उन्होंने लिखा, मैं सिंगापुर में 19 सितंबर को असम के प्रसिद्ध गायक और संगीत कलाकार जुबिन गर्ग की मौत के संदिग्ध हालात को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए यह पत्र लिख रहा हूं और इस मामले में तत्काल अतिरिक्त जांच सहयोग की जरूरत पर बल दे रहा हूं क्योंकि क्षेत्रीय सीमाओं के कारण जांच में बाधा आ रही है और साजिश के पर्याप्त संकेत हैं। सैकिया ने कहा, हालांकि असम सरकार ने सीआईडी जांच शुरू की है और एसआईटी का गठन किया है।

दंतेवाड़ा में 71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें से 30 नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

माओवादियों के आत्मसमर्पण को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव ने कहा कि 'डबल इंजन' वाली सरकार 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का सफाया करने और आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का पुनर्वास और बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने बताया कि बस्तर संभाग में अभियान 'पूना मारगेम' और दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे 'लोन वर्राटू' अभियान में 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

वोट चोरी वाली सरकार की बिहार से होगी उल्टी गिनती

पटना, एजेंसी

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना अभियान तेज करते हुए बुधवार को कथित वोट चोरी, अर्थव्यवस्था, आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला और कहा कि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरुआत होगी।

पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में देश के मुख्य विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'हग्लोमैसी' (गले मिलने की कूटनीति) ने भारत को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया है। बिहार प्रदेश कमेटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में चार

पार्टी के झंडारोहण कार्यक्रम में राहुल-खरगे।

● मोदी की हग्लोमैसी ने कूटनीति में भारत को अलग-थलग किया

घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें एक राजनीतिक और दूसरा बिहार से संबंधित है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बिहार में हुई है।

बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और कई अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह और उनकी पुत्री प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में शामिल नहीं हो सकीं। सूत्रों का कहना है कि कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर भी अस्वस्थ होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है और अब उन्हें बोझ मानने लगी है। खरगे ने ट्रंप के ताजा बयानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया।

आरक्षण की 50 फीसदी सीमा तोड़ेंगे : राहुल गांधी

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान पर लगातार हमला हो रहा है और पूरे देश में लोगों के हक छीने जा रहे हैं। यहां 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में उन्होंने दो बातें रखी थीं-पहली, सामाजिक न्याय के लिए 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को तोड़कर फेंक दिया जाएगा तथा दूसरी, देश में पिछड़े, अतिपिछड़े और दलितों को उचित भागीदारी नहीं मिली है, इसके लिए जाति-जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने डर कर जाति-जनगणना की बात मान ली है। गांधी ने कहा कि यह संकल्प अतिपिछड़ों की आवाज है और इसे लागू किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने ई-सत्यापन प्रणाली की शुरू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मतदाता सूची से नाम हटाने की मांग के प्रावधान का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ई-सत्यापन प्रक्रिया शुरू की है। मतदाता सूची से नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति दर्ज कराने वालों को उनके पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) मिलेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामले हो सकते हैं, जिसमें नाम हटाने की मांग करने वाला व्यक्ति ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम या फ़ोन नंबर दे दे। यह अतिरिक्त सुविधा इस प्रकार का दुरुपयोग रोकेगी। यह सुविधा एक सप्ताह पहले शुरू की गई थी और निर्वाचन अधिकारियों ने कहा था कि यह कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में नामों को हटाने के गलत प्रयासों की प्रतिक्रिया नहीं है।

अभिनेता मुकेश व निर्माता मंजू ने की प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना से भेंट

प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद से भेंट करते मुकेश जे भारती व मंजु भारती।

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में शूटिंग से पहले अभिनेता मुकेश जे भारती व विवेक फिल्मस प्रोडक्शन हाउस की निर्माता मंजू भारती ने संजय प्रसाद (प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना) से भेंट की। इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा संजय प्रसाद ने शूट के दौरान हर संभव सहयोग का आश्वाशन दिया। उन्होंने फिल्म रिकवरी की पटकथा को समझा और सहराना की। फिल्म की कहानी आम जनता को उद्देश देगी, जिसकी शूटिंग प्रदेश के क्षेत्रों में होगी, जिसमें लखनऊ और बरेली भी हैं। प्रदेश को बढ़ावा देने के उद्देश से फिल्म नीति का हर निर्माता लाभ ले इस पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। आगामी फिल्मों के लिए मंजू व मुकेश को प्रसाद ने शुभकामनाएं दीं। निर्माता मंजू ने धन्यवाद किया और मुकेश ने इस भेंट पर खुशी जताई।

अध्ययन | राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की पत्रिका प्रोसीडिंग्स में प्रकाशित निष्कर्षों में जताई गई गंभीर चिंता

जैसे हाल के दशकों में सूखी गंगा, वैसा पहले कभी नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

गंगा नदी के जल प्रवाह के 1300 वर्ष के रुझानों के विश्लेषण पर आधारित एक अध्ययन में कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों में इस नदी में जलधारा सूखने की जो प्रवृत्ति देखी गई है, वह इस नदी घाटी में जीवन बसर कर रहे लाखों लोगों पर भीषण और अभूतपूर्व प्रभाव डाल सकती है।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स' में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि जलधारा सूखने की जैसी प्रवृत्ति '1991 से 2020 तक देखने को मिली वैसी पिछली सहस्राब्दी से पहले देखने

को नहीं मिला। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने गंगा के सूखने का संबंध दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) के दौरान कम वर्षा से जोड़ा है। दल ने 1991-2020 के दौरान उपकरणों, ऐतिहासिक अभिलेखों और जल प्रवाह के मॉडल के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग किया और पिछले 1,300 वर्षों (700-1990 ई.) के जल प्रवाह मॉडल का पुनर्निर्माण किया।

अध्ययन के लेखकों ने कहा, 60 करोड़ से अधिक लोगों के लिए महत्वपूर्ण गंगा नदी घाटी में जलधारा के प्रवाह में गंभीर और अभूतपूर्व कमी की प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिससे जल और खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। दल ने पाया कि 1990 के दशक से गंगा नदी जल प्रवाह के सूखने की जो प्रवृत्ति लगातार लम्बे काल से देखी गई, इसकी तुलना 16वीं शताब्दी में इसी तरह जलधारा सूखने से की जा सकती है किंतु मौजूदा प्रवृत्ति पिछली प्रवृत्ति की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक विकट है।

अध्ययन में कहा गया कि 1951-2020 के दौरान वार्षिक स्तर पर वर्षा में 9.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट का अनुमान लगाया गया है, जिसमें भारत के पश्चिमी क्षेत्र में 30 प्रतिशत से अधिक की अधिक गिरावट देखी गई है। लेखकों ने कहा कि भले ही जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा में वृद्धि होने की संभावना है, फिर भी हिंद महासागर में तेजी से बढ़ रही गर्मी तथा उपमहाद्वीप में कम होती गर्मी के कारण उत्तर भारत में मानसून कमजोर हो गया है। इसमें कहा गया कि कम वर्षा के कारण भूजल का स्तर नहीं बढ़ पा रहा है। साथ ही सिंचाई के स्रोतों के तेजी से कम होने के कारण गंगा जल प्रवाह के सूखने से उत्पन्न स्थिति और विकट हो सकती है।

सरकार का ऐतिहासिक कदम

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज की सबसे जटिल और पुरानी समस्याओं में से एक रहा है। संविधान ने समानता का अधिकार देकर सभी नागरिकों को एक समान दर्जा प्रदान किया, लेकिन व्यवहारिक जीवन में जाति का उल्लेख, भेदभाव और उससे उपजे तनाव लगातार मौजूद रहे। हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में योगी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए यह निर्देश जारी किया है कि अब पुलिस दस्तावेजों, सरकारी कार्यवाहियों, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, शव परीक्षण रिपोर्ट, तलाशी मेमो या किसी भी तरह के आधिकारिक दस्तावेजों में जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, राजनीतिक रैलियों, सार्वजनिक मंचों और शिकायतों में भी जाति का नाम जोड़ना प्रतिबंधित होगा। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि समाज में जातिगत विषमता को मिटाने की दिशा में एक ठोस पहल है। जाति का उल्लेख कई बार कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालता है। किसी अपराध के आरोपी या पीड़ित की जाति लिखे जाने से सामाजिक तनाव भड़क सकता है। पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति अंकित करने से एक वर्ग विशेष की छवि हमेशा के लिए अपराध से जुड़ जाती है, जिससे सामाजिक न्याय की मूल भावना को ठेस पहुंचती है। सरकार का यह निर्णय इस कुप्रथा को समाप्त करने और सभी नागरिकों को समान दर्जा देने का प्रयास है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाली जाति-आधारित नारेबाजी और भड़काऊ संदेशों पर भी सख्त निगरानी रखने की बात कही गई है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब समाज को धीरे-धीरे जाति की जकड़न से बाहर लाने की जमीन तैयार होगी। जब किसी सरकारी दस्तावेज में जाति अंकित नहीं होगी, तो धीरे-धीरे लोगों की सोच से भी यह भेदभाव मिटने लगेगा। प्रशासनिक स्तर पर यह एक साहसी कदम है, क्योंकि इससे न केवल पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाहियों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों में यह संदेश जाएगा कि राज्य सबको समान दृष्टि से देखता है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल दस्तावेजों से जाति हटाने भर से सामाजिक समरसता स्थापित हो जाएगी।

राजनीतिक दलों को भी इस कदम से सबक लेना होगा। चुनावी रैलियों और भाषणों में जाति-आधारित गोलबंदी हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति पर धब्बा है। यदि ऐसे उल्लेख समाप्त होंगे तो राजनीति का ध्यान असल मुद्दों-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की ओर जाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इसे स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि यह निर्णय जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सही भी है, क्योंकि जब तक जाति की दीवारें बरकरार हैं, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है। आखिरकार, यह निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि सामाजिक सुधार की ओर बढ़ता हुआ संदेश है। यदि इसे सख्ती से लागू किया गया और राजनीतिक-सामाजिक संगठनों ने भी सहयोग किया, तो आने वाले वर्षों में भारतीय समाज जातिगत बंधनों से बहुत हद तक मुक्त हो सकता है।

प्रसंगवश

बदलता समाज और खत्म होता बचपन

आधुनिकता के इस युग में दुनिया जैसे-जैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बूते स्मार्ट होती जा रही है, वैसे-वैसे वह अपना कुछ खोती भी जा रही है! आधुनिकता की चकाचौंध में हम क्या खो रहे हैं, इसका आभास भी नहीं है। भारत सहित दुनिया भर में मासूम बच्चे, जो ठीक से बोल भी नहीं पाते, वह स्मार्ट फोन आपरेट करना सीख जाते हैं। वह स्मार्ट फोन से क्या-कुछ सीख रहे हैं, इसका माता-पिता को आभास भी नहीं है। आधुनिक दौर का यह बचपन स्मार्ट फोन की तरह दिनों-दिन अपडेट हो रहा है। यह बच्चे माता-पिता की कल्पना से भी आगे की बात करने लगा है। इन बच्चों के कार्य-व्यवहार को जब करीब से देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि इनका बचपन समय से पहले ही चला गया है। यह अपनी उम्र से कहीं अधिक बड़ों जैसा व्यवहार करते नजर आते हैं।

अरविंद रावल

लेखक

बचपन मानव जीवन का सबसे सुंदर और सर्वोतम दौर होता है। न कोई फिक्र न कोई चिंता और न कोई जिम्मेदारी। बचपन सदा मस्तमौला होता है और बचपन में जीवन निर्माण का खाका तैयार होता है, जिसमें भविष्य गढ़ा जाता है। समाज जैसे-जैसे बदलता जा रहा है, उसका असर भी बच्चों पर पड़ रहा है। इन सबके बीच बचपन गुम हो रहा है। आज मानव के पास अथाह दौलत और शोहरत है। बड़ी-बड़ी इमारतें हैं और इन इमारतों में आधुनिक विलासिता की वह सारी चीजें मौजूद हैं, जिनके बूते जीवन ऐशो-आराम से जिया जा सकता है! इन इमारतों के दरवाजों में बच्चों को एक तरह से कैद कर दिया गया है। ज्यादातर बच्चों के हाथों में स्मार्ट मोबाइल थमा दिया गया है। मोबाइल से यह बच्चे वह सब कुछ सीख रहे हैं, जो उनकी उम्र के लिहाज से काफी बुरा है। यहां तक कि बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो जा रही है। इससे बच्चों का मन-मस्तिष्क दूषित हो रहा है। कच्ची उम्र में उन्हें यह सब कुछ बर्बादी की तरफ ले जा रहा है। खराब बात यह है कि मां-बाप को इसका अंदाजा भी नहीं है कि उनका बच्चा मोबाइल पर कैसी सामग्री देख रहा है?

अपने देश में बच्चों के लिए कोई रीति-नियम नहीं बचा है। न कोई सामाजिक मानक ही तय किए गए हैं। कोविड में आन लाइन क्लासेज के जरिए एक बार जब स्कूली बच्चों के हाथ मोबाइल लगा तो वह फिर उनसे नहीं छूटा। बात सिर्फ अश्लील सामग्री तक ही नहीं है, अब ज्यादातर बच्चे स्कूल की किताबों की जगह यूट्यूब से पढ़ना पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब पर मौजूद कोर्स की हर सामग्री अपडेटेड या सही हो, यह जरूरी नहीं है। वहां से पढ़ा बच्चा जब एग्जाम में गलत जवाब लिखकर आता है और मार्क्स कम आते हैं तो मां-बाप जान ही नहीं पाते कि कमी कहां पर रह गई। वह यही कहते मिलते हैं कि उनके बच्चे ने बहुत मेहनत से पढ़ाई की थी, जाने कैसे उसके नंबर कम आए हैं!

नई पीढ़ी में नैतिकता हो, वह भविष्य में समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें, इसकी जिम्मेदारी समाज के साथ ही मां-बाप की भी है। मासूम अपने बचपन को इंज्वाय कर सकें और वह अपनी उम्र के हिसाब से धीरे-धीरे ज्ञान अर्जित करें, यह बहुत आवश्यक है, क्योंकि जिस तरह से मस्तिष्क का विकास होता है, उसी तरह की जानकारी भी उनके दिमाग में जानी चाहिए। कच्ची उम्र में बड़ों की बातें सीख जाना उनके लिए खतरनाक है और यह उन्हें गलत दिशा में ले जाएगा। ऐसी कई सारी घटनाएं हो चुकी हैं, जहां बच्चों ने मोबाइल देखकर क्राइम करना सीखा। बच्चों का भविष्य सुंदर हो और वह अपने बचपन को बेहतर जी सकें, यह जिम्मेदारी सभी की है।

प्रतिबद्धता के क्षण में, ब्रह्मांड आपकी सहायता करने के लिए षड्यंत्र रचता है।
-जोहान वोल्फगैंग वॉन गोएथे, जर्मन दार्शनिक

'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी भौतिक संपत्तियों या प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी मानव संसाधन क्षमता से भी निर्धारित होती है। विशेषकर तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में यह अकाट्य सत्य रूप में प्रकट होता है। अमेरिका ने पिछले तीन-चार दशकों में जिस गति से स्वयं को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित किया है, उसमें विदेशी प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने सिलिकॉन वैली की सफलता में अहम योगदान दिया है। यही कारण है कि H-1B वीजा को अमेरिका और भारत के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाता है।

प्रतिवर्ष हजारों भारतीय इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाते हैं, अपनी जिंदगी संवारते हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं, लेकिन अब बड़ा अवरोध खड़ा हो गया है। ट्रंप ने घोषणा की कि नए H-1B वीजा आवेदकों से $100,000 का एकमुश्त शुल्क लिया जाएगा। यह राशि इतनी अधिक है कि अधिकांश पेशेवरों के लिए अमेरिका की राह मुश्किल होने वाली है। यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को रोकने की एक कोशिश है, हालांकि यह नीति केवल नए आवेदकों पर लागू होती है, मौजूदा वीजा धारकों पर नहीं। फिर भी प्रश्न यह है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे? अमेरिका और भारत दोनों के लिए इसका क्या अर्थ होगा? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या यह नीति अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित होगी और भारत के लिए अवसर का द्वार खोलेगी?

कई रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (STEM) पेशेवरों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों के सापेक्ष उपलब्धता सीमित है। इस कमी को अब तक विदेशी प्रतिभा पूरी करती रही है। भारतीय पेशेवर अकेले H-1B वीजा धारकों का 70% से अधिक हिस्सा रखते हैं, लेकिन अब $100,000 की बाधा के चलते तमाम योग्य पेशेवर अमेरिका जाने का सपना छोड़ देंगे। आईटी दिग्गजों के लिए भी चिंता यही है कि उन्हें काम करने के लिए सही लोग नहीं मिलेंगे अथवा खर्चा बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है। अध्ययनों से साबित हुआ है कि विदेशी प्रतिभा स्थानीय नौकरियां छीनती नहीं, बल्कि पैदा करती हैं। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन की यह नीति घरेलू श्रमिकों को खुश करने के नाम पर विदेशी प्रतिभा के दरवाजे लगभग बंद कर रही है। इसका परिणाम होगा धीमी नवाचार गति, उत्पादन में गिरावट और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना।

अब बात भारत की। सबसे बड़ा नुकसान भारतीय पेशेवरों को होगा। अमेरिका लंबे समय से भारतीय पेशेवरों, खासकर आईटी क्षेत्र के लिए 'करियर डेस्टिनेशन' रहा है। बेहतर वेतन, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और स्थायी निवास की संभावना ने लाखों युवाओं को वहां खींचा, लेकिन इस नई नीति ने इस रास्ते को लगभग असंभव बना दिया है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं, भावनात्मक भी है। कई परिवार टूटेंगे, कई सपने अधूरे रह जाएंगे। भारतीय आईटी कंपनियों के लिए भी यह झटका है। तमाम कंपनियां वर्षों तक अपने कर्मचारियों को H-1B के जरिए अमेरिका भेजकर प्रोजेक्ट्स संभालती रहीं। अब यह मॉडल बेहद महंगा होता जा रहा है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए तो यह शुल्क विनाशकारी साबित होगा।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। अमेरिका में मुश्किलें बढ़ने का अर्थ है कि भारतीय प्रतिभा अब देश के भीतर ही अवसर ढूंढने को प्रयासरत होगी। पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है। भारत में पहले से ही 1,580 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) मौजूद हैं, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपना रिसर्च, डेवलपमेंट और सपोर्ट का काम भारत से करवाती हैं। 2030 तक इनकी संख्या 2,300 से अधिक होने का अनुमान है। इससे लाखों नई नौकरियां और अरबों डॉलर का निवेश भारत में आ सकता है। भारतीय स्टार्टअप इको सिस्टम पहले से ही दुनिया के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है। अगर बेहतरीन इंजीनियर और वैज्ञानिक यहीं रुकते हैं, तो स्टार्टअप्स की संख्या में बढ़ोत्तरी भी संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है।

यह नीति केवल भारत और अमेरिका का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ी है। चीन अपनी STEM शिक्षा और रिसर्च पर भारी निवेश कर रहा है। यूरोप और कनाडा जैसी जगहें भी भारतीय प्रतिभा को आकर्षित करने में सक्रिय हैं। यदि अमेरिका ने अपने दरवाजे बंद कर दिए तो यह प्रतिभा कहीं और जाएगी। सवाल यह है कि भारत इस मौके को पकड़ पाएगा या नहीं? शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, शोध को प्रोत्साहन, कर ढांचे में सुधार, स्टार्टअप्स को पूंजी और सरल नियम तथा वैश्विक कंपनियों को स्थिर माहौल, ये सब मिलकर भारत को प्रतिभा का असली घर बना सकते हैं।

भारत के लिए यह कठिनाई भी है और अवसर भी। कठिनाई इसलिए कि हजारों भारतीय पेशेवरों के सपने टूटेंगे और आईटी कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ेंगी, लेकिन अवसर इसलिए कि यही प्रतिभा अब भारत की धरती पर रहकर देश के उद्योग, स्टार्टअप और शोध को मजबूत करेगी। अगर भारत सरकार और उद्योग जगत मिलकर सही रणनीति अपनाते हैं तो बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवाचार के लिए अनुकूल माहौल और वैश्विक मानकों के अनुरूप वेतन संरचना की बदौलत भारत के लिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत हो सकती है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका ने क्या खोया, बल्कि यह है कि भारत क्या हासिल करता है।

पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है।

आमने सामने

केंद्र के अधीन फरक्का बैराज व डीवीसी के डैमों की वर्षों से ड्रेजिंग नहीं होने से हर बार जब बिहार, झारखंड, यूपी, उत्तराखंड में बारिश होती है, तो वहां का पानी बंगाल आ जाता है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। **-ममता बनर्जी**
सीएम, पश्चिम बंगाल

कोलकाता व आसपास बीती रात मूसलाधार बारिश के कारण जल जमाव और विभिन्न स्थानों पर करंट लगने से 10 लोगों की मौत की घटना के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। एक बार फिर साबित हो गया है कि बंगाल के लोग ममता के विनाशकारी कुशासन से जूझ रहे हैं। **-सुवेंदु अधिकारी**
नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

भारतीय सिनेमा फाल्के से मोहनलाल तक

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली का विज्ञान भवन 23 सितंबर को भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम क्षण का गवाह बना। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह क्षण केवल एक अभिनेता की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की विविधता, उसकी कलात्मकता और उसके वैश्विक प्रभाव का प्रतीक भी था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की परंपरा और गौरव को नए शिखर पर ले जाने वाले मोहनलाल ने अपने चार दशक लंबे अभिनय करियर में न केवल मलयालम बल्कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का परचम लहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को इस सम्मान पर बधाई देते हुए कहा कि उनका सफर न केवल एक अभिनेता की कहानी है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की विविधता, जीवंतता और वैश्विक पहुंच का भी प्रतीक है। यह टिप्पणी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मोहनलाल केवल एक फिल्म स्टार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गर्व के दूत भी हैं।

मोहनलाल विश्वनाथन, जो दक्षिण भारत में 'मोहनलाल' के नाम से विख्यात हैं, का जन्म 21 मई 1960 को केरल में हुआ था। 1978 में 'थिरनोट्टम' नामक फिल्म से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई, लेकिन वास्तविक पहचान उन्हें 1980 के दशक के मध्य में मिली, जब वे मलयालम सिनेमा के नए चेहरे के रूप में स्थापित हुए। चार दशकों से अधिक के इस सफर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और मलयालम सिनेमा को नई पहचान दिलाई। मोहनलाल की अभिनय शैली को 'नेचुरल एक्टिंग' का पर्याय माना जाता है। चाहे साधारण मध्यवर्गीय युवक की भूमिका हो, ऐतिहासिक चरित्र हो या एक्शन हीरो का रूप, मोहनलाल हर किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। यही कारण है कि उन्हें भारतीय सिनेमा का 'द कंप्लीट एक्टर' कहा जाता है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'किरिडम' (1989), 'भारतं' (1991), 'वानप्रस्थम' (1999), 'दृश्यम' (2013, 2021), 'इरुप्पथम नूट्टांडी' और 'पुलिमुरुगन' (2016) शामिल हैं। 'वानप्रस्थम' ने तो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और कांस फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित हुई, जबकि 'दृश्यम' को हिंदी तथा अन्य भाषाओं में रीमेक किया गया।

मोहनलाल का अभिनय सफर केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। वे पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी शामिल है। उन्हें पद्म भूषण (2019) और पद्म श्री (2001) जैसे भारत सरकार के उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। कई बार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुए हैं। इन सभी उपलब्धियों के बावजूद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान है, जिसने उनके योगदान को भारतीय सिनेमा की विरासत में अमर कर दिया है।

भारतीय सिनेमा की नींव रखने वाले धुंडीराज गोविंद फाल्के (दादासाहेब फाल्के) को 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है। 1913 में उन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई थी। उनकी स्मृति में ही 1969 से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत हुई थी, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सिनेमा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में आजीवन योगदान दिया हो। पहली बार यह पुरस्कार देविका रानी को मिला था और तब से लेकर अब तक यह पुरस्कार पृथ्वीराज कपूर, सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, लता मंगेशकर, अशोक कुमार, राजकपूर, अम्मानोरमलिनी, रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों को मिल चुका है।

मोहनलाल का सम्मान दर्शाता है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़) ने वैश्विक स्तर पर भारतीय फिल्मों की पहचान को मजबूत किया है। भारतीय सिनेमा पर अक्सर बॉलीवुड का दबदबा चर्चा में रहता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोहनलाल इस परंपरा के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने मलयालम सिनेमा को न केवल भारत के हर कोने तक पहुंचाया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान दिलाया। उनकी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ, पारिवारिक भावनाएं, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कर मोहनलाल ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सिनेमा की आत्मा उसकी विविधता और कलात्मकता में निहित है। कुल मिलाकर, मोहनलाल को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा की उस यात्रा का उत्सव है, जो दादासाहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुई और आज वैश्विक मंचों तक पहुंच चुकी है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के मौके पर राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया।

सोशल फोरम

'मिरर लाइफ' के खतरे

दुनिया भर के वैज्ञानिकों के बीच मिरर लाइफ यानी ऐसी जीवन संरचना, जिसमें जीवों के सारे अणु उल्टे (mirrored) हों, पर चल रहे रिसर्च को रोकने की मांग तेज हो गई है। विश्व भर के 38 प्रमुख वैज्ञानिकों ने 2024 के अंत में Science जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें कहा गया था कि मिरर बैक्टीरिया मानव, जानवरों, पौधों और पूरे पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर किसी तरह से ऐसे उल्टे-जैसे बैक्टीरिया लैब से बाहर आ जाएं, तो पृथ्वी पर कई जीवों की पूरी आबादी के लिए वास्तव में कोई बचाव तंत्र ही नहीं रहेगा, क्योंकि अब तक हमारे इम्यून सिस्टम सिर्फ प्राकृतिक (मूल) जैविक अणुओं को पहचानने के लिए विकसित हुए हैं।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

मिरर लाइफ प्रयोगशाला में बनाई जाने वाली जीवन की ऐसी व्यवस्था है, जिसमें जीवन के सभी अणु, जैसे डीएनए, आरएनए और प्रोटीन अपने प्राकृतिक रूप के ठीक उल्टे यानी दर्पण-छवि (mirror image) जैसे होते हैं। जैसे हर इंसान के दाएं और बाएं हाथ की बनावट एक जैसी है, लेकिन एक-दूसरे की दर्पण छवि है, वैसे ही मिरर लाइफ के अणु भी सामान्य जीवन के अणुओं के ठीक विपरीत होते हैं।

धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवों में डीएनए और आरएनए के न्यूक्लियोटाइड्स दाहिने (right-handed) होते हैं और प्रोटीन के अमीनो एसिड्स बाएं (left-handed) होते हैं। मिरर लाइफ में ये बिलकुल उल्टे होंगे। डीएनए और आरएनए के न्यूक्लियोटाइड्स बाएं और अमीनो एसिड्स दाहिने होंगे। ऐसा जीवन अब तक धरती पर कहीं नेचुरली नहीं मिला है। वैज्ञानिक सिंथेटिक जीव विज्ञान की मदद से इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सिर्फ प्रयोगशाला की कल्पना है। चिंता यह है कि अगर ऐसे मिरर जीव बन जाते हैं, तो इन्हें पहचानना, रोकना या नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली इन्हें नहीं पहचान पाएगी।

मई 2025 में मैनचेस्टर में वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और नैतिक विशेषज्ञों की अहम बैठक हुई थी। इसमें अधिकांश विशेषज्ञों ने माना कि मिरर लाइफ पर रिसर्च बंद करना जरूरी है, ताकि ऐसी संरचनाएं न बनाई जा सकें, जिन्हें रोका न जा सके। यह भी कहा गया कि जो रिसर्च दवाओं में मिरर इमेज अणुओं का इस्तेमाल करती है, वह अलग और सुरक्षित हैं, क्योंकि ये पहले ही FDA द्वारा अनुमोदित दवाओं में प्रयोग हो रहे हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

यूपीएस में कर्मचारी नहीं दिखा रहे हैं रुचि

केंद्रीय सरकार ने कर्मचारियों के लिए यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम के चयन करने की तारीख 30 सितंबर 2025 तक बढ़ा दी थी। यूपीएस जो देश में पहली अप्रैल 2025 से लागू की गई थी। यह तारीख इसलिए बढ़ानी पड़ी, क्योंकि यूपीएस के चयन में अभी तक काफी कम कर्मचारियों ने रुचि दिखाई है। कर्मचारी ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग काफी पहले से करते आ रहे हैं, दूसरी ओर यूपीएस के चयन में इनकी दिलचस्पी कम आंकी जा रही है। एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम में तब्दील किए गए कर्मचारी यूपीएस में जाने से गुरेज कर रहे हैं।

लगभग 24 लाख कर्मचारियों में से कुल 40,000 कर्मचारियों ने ही अभी तक यूपीएस के चयन की स्वीकृति दी है, जो संख्या में बहुत कम है। यही मुख्य कारण है कि केंद्र सरकार ने यूपीएस के विकल्प के लिए तिथि को बढ़ा दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकारों को भी यूपीएस चुनने का विकल्प केंद्र द्वारा दिया जा रहा है। अब बात करते हैं ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की। ओपीएस, एनपीएस के पूर्व में प्रदान की जानी वाली पेंशन स्कीम है, जिसमें कर्मचारियों के वेतन से इसके लिए किसी भी तरह की कोई कटौती नहीं की जाती थी, अथवा अंशदान नहीं लिया जाता था, जबकि सरकार ही पूरी राशि प्रदान किया करती थी। सरकार पेंशन की गारंटी देती थी और मूल वेतन के साथ-साथ डीए का 50% हिस्सा कर्मचारियों की पेंशन के लिए दिया जाता था।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम पहली जनवरी 2004 से लागू की गई थी। इस स्कीम में ओपीएस की तुलना में रात-दिन का फर्क देखने को मिला। नतीजन, कर्मचारियों का 10 प्रतिशत अंशदान और सरकार का 14 प्रतिशत अंशदान इस स्कीम में शामिल किया गया। इस अंशदान के बाद राशि को बाजार आदि में निवेश किया जाना प्रस्तावित हुआ। बस यहीं से मानों कर्मचारियों ने एक जंग सी छेड़ दी। कर्मचारी ओपीएस की मांग सरकार से करने लगे। मूलतः एनपीएस बाजार नियंत्रित रिटर्न्स पर निर्भर रहने वाली स्कीम है, जिसमें रिस्क फैक्टर बने रहने के चांस भी हैं। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बीच का रास्ता निकाल कर यूपीएस स्कीम को लांच किया। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम एक ऐसी स्कीम है, जहां पर अंशदान के साथ-साथ पेंशन की गारंटी भी प्रदान की जाएगी।

अब बात करते हैं यूपीएस यानी यूनिफाइएड पेंशन स्कीम की। यहां साफ करना होगा कि यूपीएस एक वैकल्पिक स्कीम है यानी एनपीएस की तरह इसे अपनाना जरूरी नहीं है। यूपीएस का चयन कर्मचारियों को अपने हिसाब से करना है। इसके लिए सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है। चूंकि यूपीएस, ओपीएस और एनपीएस का एक समावेशी पहलू है, इसलिए यूपीएस एक महत्वपूर्ण योजना हो सकती है, जहां सुरक्षा भी मिले वह भी गारंटी के साथ। यूपीएस में न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा उपरांत कर्मचारी को उसके अंतिम 12 माह के मूल वेतन का 50 प्रतिशत, पेंशन व्यवस्था के तौर पर सुनिश्चित किया गया है। वहीं 10 वर्ष की सेवा उपरांत 10,000 मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई है। ग्रेच्युटी एवं डीए भुगतान का विकल्प भी समायोजित किया गया है, जबकि अंशदान की बात करें तो इसमें कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत व सरकार द्वारा भी कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत अंशदान शामिल किया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त 8.5 प्रतिशत यूपीएस पूल कॉर्पस भी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यानी सरकार का योगदान लगभग 18.5 प्रतिशत तक रहेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सितारों और ग्रहों की रहस्यमयी दुनिया में बनाएं भविष्य

ब्रह्मांड हमेशा से इंसानों के लिए रहस्यमयी रहा है। रात के अंधेरे में टिमटिमाते तारे, चमकता चांद और ग्रहों की अनोखी दुनिया हर किसी को आकर्षित करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन रहस्यों को समझने के लिए एक खास विज्ञान है- एस्ट्रोफिजिक्स। अगर आप विज्ञान और गणित के छात्र हैं और अंतरिक्ष की गुत्थियों को सुलझाने का सपना देखते हैं, तो एस्ट्रोफिजिक्स आपके करियर का अगला बड़ा कदम हो सकता है। यह न केवल तारों और ग्रहों का अध्ययन करता है, बल्कि हमें बताता है कि ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई, वह कैसे बदलता है और भविष्य में कैसा होगा।

रोमांच से भरा करियर

- रहस्यमयी विषयों से जुड़ाव- यह आपको यूनिवर्स की सबसे गहरी पहेलियों से रूबरू कराता है।
- इनोवेशन और रिसर्च- इसमें रिसर्च का दायरा बहुत बड़ा है। आप नई खोजों में योगदान दे सकते हैं।
- वैज्ञानिक करियर - इस क्षेत्र में करियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों से भरा है।
- प्रेरणादायक कार्यक्षेत्र- अंतरिक्ष एजेंसियों, रिसर्च संस्थानों और विश्वविद्यालयों में काम करने का मौका मिलता है।

कौन कर सकता है ये कोर्स

- एस्ट्रोफिजिक्स में एडमिशन लेने के लिए 12 वीं फिज़िक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएस) से पास होना चाहिए। इसके साथ ही छात्रों को कम से कम 50 प्रतिशत या उससे ज़्यादा होने अंक होना चाहिए।

एंट्रेंस एग्जाम

- आईआईएसआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी)- भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- एसईएसटी- नेशनल स्क्रीनिंग टेस्ट
- जेईई एडवांस्ड – जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन एडवांस्ड
- सीयूईटी-यूजी – कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु।
- राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद।
- हर्ष चंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज।
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु।
- टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई।
- अतंर- विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र पुणे।
- आर्यभट्ट प्रेक्षणीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान नैनीताल।
- रमन अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु।

क्या है एस्ट्रोफिजिक्स

- एस्ट्रोफिजिक्स खगोलशास्त्र और भौतिकी का मिश्रण है। इसमें वैज्ञानिक ब्रह्मांड के हर छोटे-बड़े पहलू का अध्ययन करते हैं। इसमें हम अध्ययन करते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते और खत्म होते हैं। ग्रह और उपग्रह अपनी कक्षाओं में कैसे चलते हैं। ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और डार्क मैटर क्या होता है। ब्रह्मांड कितना बड़ा है और समय के साथ कैसे फैल रहा है। इस विज्ञान में दूरबीन, उपग्रह और गणित का इस्तेमाल होता है। आजकल हबल और जेम्स वेब जैसी दूरबीनें ब्रह्मांड की तस्वीरें भेजती हैं, जिससे वैज्ञानिक नई खोज कर पाते हैं।

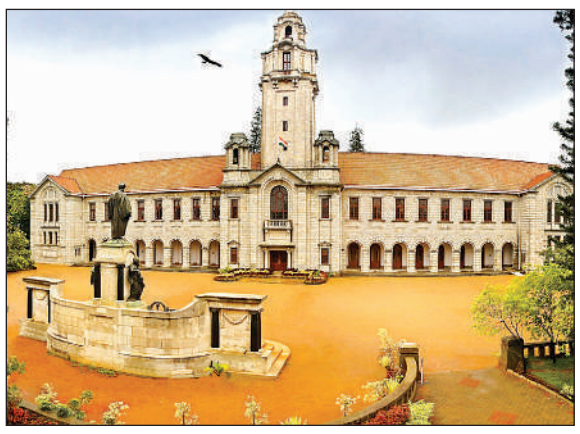

इस फील्ड में करियर

- एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद आप इन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं:
- रिसर्च संस्थानों और प्रयोगशालाओं में रिसर्च साइंटिस्ट
- इसरो, नासा, ईएसए जैसी स्पेस एजेंसियों में स्पेस साइंटिस्ट
- डेटा एनालिस्ट खगोलीय और कॉस्मिक डेटा को समझने व विश्लेषण करने के लिए।
- सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध के लिए सिमुलेशन तैयार करना।
- एयरोस्पेस एंड टेलीकॉम सेक्टर- उपग्रह और अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में
- साइंस लेखक या पत्रकार- विज्ञान को सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए।

सैलरी

- एस्ट्रोफिजिसिस्ट की सैलरी अनुभव, जगह और काम के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। एक फ्रेशर एस्ट्रोफिजिसिस्ट को लगभग 4-6 लाख रुपये सालाना मिल सकता है, जबकि अनुभवी फ्रेशर को 8-15 लाख रुपये तक का सालाना पैकेज हो सकता है। प्राइवेट सेक्टर में इससे भी ज्यादा हो सकती है।

स्कॉलरशिप बनाएगी पहचान, बैंक पूरी करेगा सपनों की उड़ान

सपने बड़े हैं, पढ़ाई कर कुछ बनने की ललक है। ऐसे में बजट की कमी के चलते पढ़ाई में बाधा आ रही है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। सरकारी सहायता से इतर कई बैंक भी हैं, जो मेहनती व पढ़ाई में गंभीर मेधावियों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। इन स्कॉलरशिप के जरिए मेधावी अपने खुली आंखों से देखे गए सपनों को पूरा कर सकते हैं। बैंकों की ओर से दी जाने वाली स्कॉलरशिप स्कूल और कॉलेज स्तर तक की पढ़ाई करने वाले मेधावियों के लिए होती है। कई ऐसी विशेष स्कॉलरशिप भी यह बैंक ऐसी प्रदान करते हैं, जो युवाओं को तकनीकी शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स को करने के लिए होती है।

एसबीआई आशा स्कॉलरशिप

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप' प्रदान कर रहा है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। बैंक की ओर से स्कूल के छात्रों के लिए खासतौर पर कक्षा 6 से 8 तक 15 हजार रुपये तक की सहायता की जा रही है। इसी तरह कक्षा 9 से 12 तक के लिए 20 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप दिए जाने का प्रावधान है। कॉलेज और प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट 40 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप बैंक द्वारा दी जाती है। इसी तरह आईआईटी छात्रों के लिए 2 लाख व आईआईएम छात्रों के लिए 5 लाख से 20 लाख तक (विदेश में पढ़ाई के लिए) की सहायता दी जाती है।

कोटक बैंक देता है दो स्कॉलरशिप

कोटक महिंद्रा बैंक दो प्रमुख स्कॉलरशिप प्रदान करता है। इनमें कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम व कोटक कन्या स्कॉलरशिप है। कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम में 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्र, जो मुंबई महानगर क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बैंक 73,500 रुपये तक की स्कॉलरशिप, जिसमें 3,500 प्रति माह की दर से 21 महीनों के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इसी तरह कोटक कन्या स्कॉलरशिप में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुकी मेधावी छात्राएं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। स्कॉलरशिप के तहत छात्राओं को 1,50,000 तक की स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष, जो ग्रेजुएशन कोर्स पूरा होने तक प्रदान की जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए छात्राओं को 12 वीं कक्षा में 75 फीसदी या अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

एमबीए के लिए स्कॉलरशिप

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है। विशषतः एमबीए के छात्रों के लिए। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को दो साल की फुल टाइम एमबीए पढ़ाई के लिए 2 लाख रुपये की राशि दी जाती है, जिसमें पहले साल में 1 लाख रुपये और दूसरे साल में 1 लाख रुपये दिए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए छात्रों को कक्षा के लिए 2 साल का फुल टाइम एमबीए प्रोग्राम में चयनित होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से कम या उसके बराबर होनी चाहिए। छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। स्कॉलरशिप के लिए छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।

एचडीएफसी बैंक स्कॉलरशिप

एचडीएफसी बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है, जिसे एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ईसीएसएस स्कॉलरशिप कहा जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए कक्षा 1 से 6 तक 15 हजार रुपये। कक्षा 7 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के लिए 18 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसी तरह स्नातक (सामान्य कोर्स) 30 हजार रुपये व स्नातक (व्यावसायिक कोर्स) 50 हजार रुपये मिलते हैं। उधर स्नातकोत्तर (सामान्य कोर्स) 35 हजार रुपये व स्नातकोत्तर (व्यावसायिक कोर्स) 75 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए पिछली परीक्षा में कम से कम 55 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

जॉब अलर्ट

एसएससी कांस्टेबल भर्ती

- पद का नाम : कांस्टेबल
- कुल पद- 7565
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि- 21/10/2025
- वेबसाइट- https://ssc.gov.in/

केनरा बैंक अपरेंटिस भर्ती

- पद का नाम : अपरेंटिस
- कुल पद- 3500
- योग्यता- स्नातक
- अंतिम तिथि- 12/10/2025
- वेबसाइट- https://nats.education.gov.in/

इंडियन बैंक भर्ती

- पद का नाम : स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- कुल पद- 171
- योग्यता- स्नातक (बीटेक/बीई/ एमबीए आदि)
- अंतिम तिथि- 13/10/2025
- वेबसाइट- https://ibpsreg.ibps.in/ibasep25/

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) भर्ती

- पद का नाम : शिक्षण और गैर शिक्षण
- पद- 7267
- योग्यता- पदानुसार
- अंतिम तिथि- 23/10/2025
- वेबसाइट- https://nests.tribal.gov.in/

यूकेपीएससी प्रधानाचार्य भर्ती 2025

- पद का नाम : प्रधानाचार्य
- कुल रिक्तियां : 692
- योग्यता- पदनुसार
- अंतिम तिथि : 12-10-2025
- ऑनलाइन वेबसाइट : ukpscnet.in

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है। हाल ही में यह ट्रेड युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ये तस्वीरें नब्बे के दशक की हीरोइनों जैसी हैं। यंगस्टर्स अपनी तस्वीरों को सोशल प्लेटफॉर्म पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से एडिट करवाकर शेयर कर रहे हैं। कभी फिल्मी पोस्टर जैसी, कभी किसी फैंटेसी वर्ल्ड की झलक जैसी तो कभी बेहद आकर्षक अंदाज में दिखाई देती है। इस ट्रेंड ने यूजर्स में नई ऊर्जा भर दी है और हर दूसरा व्यक्ति अपनी एडिटेड फोटो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर साझा करता दिखाई दे रहा है। कुछ माह पहले भी हमें ऐसा ही एक ट्रेंड देखने को मिला था-गिबली आर्ट का, जिसमें लोग अपनी तस्वीरों को कार्टून में बदल रहे थे। तकनीक अब केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं रही, अब यह भावनाओं को भी छू रही है। एआई एडिटिंग का जादू

ऐसा है कि लोग अपनी तस्वीरों को कुछ पल के लिए नए और मनचाहे रूप में देखकर खुश हो रहे हैं। जिन लोगों ने हमेशा खुद को किसी खास अंदाज में देखने की कल्पना की थी, एआई ने उन्हें वह अनुभव दे दिया है। इससे न केवल खुशी और उत्साह बढ़ रहा है, बल्कि क्रिएटिविटी और मनोरंजन का भी एक नया माध्यम मिला है। तकनीक के इस प्रयोग ने आम लोगों को भी आधुनिकता का अनुभव कराया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नकारात्मक पक्ष भी उभर कर सामने आ रहे हैं। एआई से बनी तस्वीरें असली नहीं लगतीं, क्योंकि इनका आकर्षण अक्सर बनावटी दिखाई देता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनमें एकरूपता बढ़ रही है। लगभग हर किसी की फोटो एक जैसी, खूबसूरत और परफेक्ट बनकर सामने आती है। इस वजह से लोग जल्दी ऊब भी जाते हैं, इसलिए यह ट्रेंड ज्यादा लंबे समय तक नहीं चलता। इसके अलावा वास्तविक और एडिटेड चेहरे के बीच अंतर देखने पर लोग अपने असली रूप से असंतुष्ट महसूस कर सकते हैं। डेटा प्राइवेसी का खतरा भी एक अलग चिंता का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर, एआई एडिटेड फोटो का यह ट्रेंड मनोरंजन और तकनीकी अनुभव का एक नया जरिया है। यह लोगों को थोड़े समय के लिए उत्साह और खुशी देता है, लेकिन लंबे समय में इसका आकर्षण फीका पड़ सकता है इसलिए इसे केवल प्रयोग और मनोरंजन की दृष्टि से देखना ही बेहतर है। वैसे भी असली सुंदरता हमेशा हमारी वास्तविकता, आत्मविश्वास और स्वभाव में ही छिपी रहती है।

लेखिका
रीता मटियाली

ट्यूशन पढ़ाकर स्टार्टअप के लिए जुटाया पैसा

रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी। जिसे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया। रोजी एकेटीयू की बीटेक की मेधावी छात्रा हैं। आइए आपको बताते हैं कि रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी, उन्होंने अपना करियर कैसे शुरू किया और किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बीटेक की छात्रा रोजी मैंदौलिया ने थर्ड आई स्टार्टअप शुरू किया है। वह बताती हैं कि कभी भी मेरा सपना उद्यमी बनने का नहीं था, लेकिन एक घटना ने मेरी सोच और जीवन की दिशा दोनों ही बदल दी। कॉलेज के दूसरे वर्ष में गांवों में सर्वे के दौरान मेरी मुलाकात एक महिला से हुई। वह बड़े ही मनोयोग से ब्लाउज सिल रही थीं। मैंने सहज ही उनसे पूछा कि "मौसी जी, आप एक ब्लाउज के कितने पैसे लेती हैं?"

उन्होंने कहा- "बेटा, पचास रुपये।" मैं चौंक गई और कहा- "मेरी मम्मी तो एक ब्लाउज के लिए 350 रुपये से ज्यादा देती हैं। आप इतना कम क्यों लेती हैं?" उन्होंने बड़ी मासूमियत से उत्तर दिया- "क्या बताऊं बेटा, कई बार लोग हमसे 45 रुपये में भी ले जाते हैं।"

उनकी यह बात मेरे दिल को छू गई।

इतने अच्छे काम की इतनी कम कीमत क्यों मिल रही है।

मैं वापस लौटकर इस मुद्दे पर सोचना शुरू किया और जरूरी जानकारियों को इकट्ठा करना शुरू की। मुझे समझ आया कि सबसे अधिक शोषण हैंड एम्ब्रॉयडरी कारीगरों का हो रहा है। किसी को 32 रुपये तो किसी को 50 रुपये मुश्किल से प्रतिदिन मिलते हैं, लेकिन यह तो इनकी मेहनत और हुनर का शोषण है। मैंने ठान लिया कि मुझे उनके लिए कुछ करना है। उस समय मेरे सामने दो रास्ते थे। एक बीटेक के उसी सेक्टर में काम करना, जिसे मैं पढ़ रही थी। दूसरा इस अनप्रेडिक्टेबल इंटरप्रन्योरशिप की अनजानी दुनिया में कदम रखना। मैंने दूसरा रास्ता चुना, क्योंकि मेरा दिल कह रहा था कि मुझे इन कारीगरों के लिए बदलाव लाना है। वह मैंने अपने स्टार्टअप से कर दिखाया है। हालांकि इस दौरान मुझे अनेक चुनौतियों से भी जूझना पड़ा। लोग अक्सर पूछते भी हैं कि सबसे बड़ी कठिनाई क्या रही? मेरे लिए यह वित्तीय संकट नहीं था।

मुझे घर से जेब खर्च के लिए हमेशा पर्याप्त धन मिलता था। मेरे माता-पिता ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा, लेकिन मैं अपने स्टार्टअप के लिए उनसे पैसा नहीं लेना चाहती थी। यह मेरी अपनी जिम्मेदारी थी। इसलिए मैंने तय किया कि मैं डेढ़ साल तक घर पर ट्यूशन पढ़ाऊंगी। हर महीने लगभग 7,500 रुपए मुझे दो घंटे ट्यूशन पढ़ाने के मिलने लगे। पैसा खुद कमाती और एक-एक रुपया थर्डआई में ही लगाती। न कहीं और खर्च, न कोई और सपोर्ट। यह अनुशासन और आत्मनिर्भरता ही मेरे उद्यम की पहली नींव बनी। मेरी असली प्रेरणा तो कारीगर महिलाएं ही थीं, लेकिन जब लोग मुझसे पूछते हैं कि जोखिम लेने का साहस कहां से मिला, तो जवाब साफ है कि यह मैंने अपने पिता से सीखा है।

कैसे शुरू करें स्टार्टअप

अब युवाओं का उद्यमी बनना मुश्किल नहीं है। बहुत से युवा उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में आना चाहते हैं, लेकिन अक्सर सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि शुरुआत कैसे करें? मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर आपके पास एक आइडिया है और उसमें एक भी डिफ्रेंशिएटर (यानी कोई अलग या अनोखी चीज़) है, तो बिना डरे शुरुआत करें। मैं स्वयं टियर- 2 और टियर-3 शहरों के छात्रों और युवाओं को प्रशिक्षण देती हूँ कि "कैसे बिना किसी पूंजी के सिर्फ एक आइडिया से शुरुआत की जा सकती है।" जो भी युवा इस राह पर चलना चाहता है, वह मुझसे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। आप मुझसे सीधे जुड़ सकते हैं- Instagram : @thirdeye_shop, Email : support@thirdeyeshop.in से आप मेरे से संपर्क भी कर सकते हैं।

मॉडल और आमदनी

- थर्डआई का मॉडल "वर्क-फ्रॉम-होम" है। हम कारीगरों को सामग्री उपलब्ध कराते हैं, 50 प्रतिशत एडवांस देते हैं और प्रोडक्ट तैयार होने के बाद शेष भुगतान करते हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं अपने घरों से अपने समय के अनुसार काम कर सकें। हमारे प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा सीधे कारीगरों को दिया जाता है।

मार्केटिंग के तरीके

- ऑनलाइन प्लेटफर्म- फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि
- कॉर्पोरेट हैम्पर्स व गिफ्टिंग
- ऑफलाइन प्रदर्शनियां
- हमारी योजना है कि आने वाले समय में उत्पादों का एक्सपोर्ट भी शुरू हो। वॉलमार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़ने की दिशा में काम चल रहा है। 2026 तक हमारा लक्ष्य है कि ऑफलाइन स्केलअप कर कई राज्यों में थर्डआई को स्थापित किया जाए।

पुरस्कार और उपलब्धियां

- डब्लूडब्लूएफ स्वीटजरलैंड में 75 वैश्विक कंपनियों में चयन।
- स्टार्टअप महाकुंभ में डीटूसी सेक्टर का विजेता एक लाख रुपए पुरस्कार।
- सी राईजेज कांक्लेव में 21,000 रुपए का पुरस्कार।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला द्वारा "सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र-नेतृत्व स्टार्टअप" का सम्मान मिला।
- सुलक्षणा सावंत गोवा की मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी की पदमिनी फाउंडेशन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- थर्डआई से कानपुर और दिल्ली के गांवों की लगभग 82 महिलाएं जुड़ी हैं। पहले जो महिलाएं केवल 50 रुपया प्रतिदिन कमाती थीं, अब वे 500 रुपए से अधिक प्रतिदिन कमा रही हैं। मेरे लिए यही सबसे बड़ी सफलता है कि जब कोई कारीगर आत्मसम्मान से कहता है कि वह अपने परिवार की रीढ़ है। मैं धार्मिक प्रवृत्ति की हूं और मानती हूं कि मेरी कामयाबी में भगवान शिव की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद और कारीगर बहनों के विश्वास के कारण ही संभव हो पाया है।

लेखक: मार्कण्डेय पांडेय

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,715.63	25,056.90
गिरावट	386.47	112.60
प्रतिशत में	0.47	0.45

सोना- 1,17,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,37,300 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1- 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे ने आईपीओ के लिए सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्रदाता फोनपे ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि फोनपे लिमिटेड ने 'प्री-फाइलिंग' गोपनीय मार्ग से आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रवक्ता ने आईपीओ के आकार का खुलासा करने से इन्कार कर दिया।

वीएमएस का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। टीएमटी बार विनिर्माता वीएमएस टीएमटी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 99 रुपये से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ 105 रुपये पर शुरुआत की। एनएसई में यह 5.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 500.78 करोड़ रुपये रहा। वीएमएस टीएमटी के आईपीओ को गत शुक्रवार को अंतिम दिन 102.26 गुना अभिदान मिला था।

मुहूर्त महोत्सव : 5 मिनट में बिके ओला के सारे वाहन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के 'मुहूर्त महोत्सव' में ग्राहकों का उत्साह देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार को बताया कि बिक्री शुरू होने के सिर्फ पांच मिनट के भीतर ही उसके सारे वाहन बिक गए। यह भारी मांग ओला द्वारा हाल ही में शुरू किए उत्सव अभियान की वजह से आई है।

आयातित क्रेन पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयातित कुछ क्रेनों के आयात पर पांच साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को सस्ते आयात से बचाना है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच में निष्कर्ष निकाला है कि उत्पाद को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत में निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। डीजीटीआर ने कहा कि पांच साल की अवधि के लिए निश्चित डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

एथनॉल उत्पादन के लिए शर्तों में दी ढील

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को दूसरी पीढ़ी के एथनॉल के निर्यात के लिए अतिरिक्त नीतिगत शर्तों को अधिसूचित किया। यह एथनॉल खोई, लकड़ी के कचरे और औद्योगिक कचरे जैसी सामग्रियों से उत्पादित किया जाता है। इसका उत्पादन खोई, लकड़ी के कचरे, लिग्नोसेल्यूलोसिक फीडस्टॉक (कृषि और वानिकी अवशेष जैसे चावल और गेहूं के भूसे, मक्का) जैसी सामग्रियों और घास, शैवाल जैसी गैर-खाद्य फसलों के जरिये होता है।

केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण ने की जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की शुरुआत, दिसंबर से होगी सुनवाई

करदाताओं के लिए न्याय का सच्चा प्रतीक जीएसटीएटी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) की शुरुआत की। यह कंपनियों और कर विभाग के बीच विवादों के त्वरित निपटारे का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटीएटी के सक्रिय होने के साथ ही कंपनियां इसके पोर्टल पर अपने मामले दायर कर पाएंगे और दिसंबर से अपीलीय न्यायाधिकरण में सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने जीएसटीएटी को 'करदाताओं के लिए न्याय का सच्चा प्रतीक' बताते हुए कहा कि 2017 में जीएसटी की शुरुआत के साथ एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की जो परिकल्पना की गई थी, अब उसमें एक और आयाम जुड़ गया है। यह मंच व्यवसायों के लिए भरोसे का स्तंभ और भारत की निरंतर आर्थिक वृद्धि का उत्प्रेरक बनेगा। जीएसटी से संबंधित करीब 4.83 लाख लंबित मामलों को इस पोर्टल पर स्थानांतरित किया जाएगा। सरकार ने अपील दाखिल करने की समय-सीमा 30 जून, 2026 तक बढ़ा दी है। पुराने विवादों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा ताकि मामलों का बोझ नियंत्रित ढंग से निपटाया जा सके। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटीएटी केवल अपीलीय मंच ही नहीं, बल्कि अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की भूमिका भी निभाएगा। इससे करदाताओं को कार्यवाही शुरू होने से पहले और बाद दोनों स्तरों पर व्यापक समाधान उपलब्ध होंगे। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि यह न्यायाधिकरण कर विवादों में एकरूपता, अनुमान-योग्य परिणाम और अपील प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगा।

जीएसटीएटी का शुभारंभ करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण साथ में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी।

निष्पक्ष विवाद निवारण की गारंटी

सीतारमण ने कहा कि जीएसटीएटी की स्थापना करदाताओं के लिए न केवल अनुपालन और रिफंड को सरल बनाने का हिस्सा है, बल्कि यह निष्पक्ष और कुशल विवाद निवारण की गारंटी भी है। यह सुधारों का एक स्वाभाविक विस्तार है। जब कोई करदाता विवाद की स्थिति में आता है तो वह कर प्रशासन के समक्ष पहली अपील कर सकता है। दूसरे स्तर पर वह केंद्र या राज्य के आदेशों के खिलाफ जीएसटीएटी में अपील कर सकेगा।

न्यायिक और तकनीकी सदस्य किए गए नियुक्त

सरकार ने हाल ही में जीएसटीएटी के विभिन्न खंडपीठों के लिए न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति की है। मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अगस्त, 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मयंक कुमार जैन को जीएसटी अपीलीय प्राधिकरण की प्रधान पीठ का न्यायिक सदस्य बनाया गया। इसके अलावा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ए. वेणु प्रसाद और सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता को तकनीकी सदस्य नियुक्त किया गया था।

टैक्स ऑडिट एक वित्तीय अनुशासन

टैक्स ऑडिट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे आयकर विभाग द्वारा लागू किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि व्यक्ति या व्यवसाय अपनी वास्तविक आय और कर देनदारी को सही तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें वित्तीय लेनदेन, बही-खाते और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाती है। टैक्स ऑडिट का मुख्य उद्देश्य कर चोरी और कर अपवंचना पर रोक लगाना है। यह प्रक्रिया न केवल सरकार के कर राजस्व को बढ़ाती है बल्कि व्यवसायों और व्यक्तियों को वित्तीय अनुशासन में रहने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। इससे पारदर्शिता और ईमानदारी का माहौल बनता है।

क्यों है जरूरी

टैक्स ऑडिट आयकर विभाग द्वारा की जाने वाली एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि व्यवसाय या व्यक्ति सही तरीके से अपनी आय घोषित करें और उचित कर अदा करें। यह जांच केवल कर चोरी को रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देने का भी एक साधन है।

टैक्स ऑडिट की प्रक्रिया

- **चयन/ नोटिस :** आयकर विभाग किसी व्यवसाय या व्यक्ति का चयन टैक्स ऑडिट को करता है। चयनित व्यक्ति/व्यवसाय को वित्तीय दस्तावेज पेश करने का निर्देश देता है।
- **जांच/ रिपोर्ट तैयार :** बही-खाते, लेनदेन और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच होती। जांच के आधार पर रिपोर्ट बनाई जाती है, जिसमें अनियमितता का उल्लेख होता है।

इसके लाभ

- **कर चोरी की रोकथाम :** टैक्स ऑडिट से कर अपवंचना और गलत रिपोर्टिंग पर अंकुश लगता है।
- **वित्तीय अनुशासन :** यह व्यवसायों को अपने लेखांकन को पारदर्शी और व्यवस्थित रखने के लिए मजबूर करता है।
- **राजस्व वृद्धि :** टैक्स ऑडिट से सरकार को कर संग्रहण में मदद मिलती है, जिससे विकास कार्यों में तेजी आती है।
- **प्रतिष्ठा में सुधार :** नियमित और सही टैक्स ऑडिट से व्यवसाय की साख बढ़ती है और ग्राहकों व आपूर्तिकर्ताओं के साथ विश्वास मजबूत होता है।

अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- ऊर्जा सुरक्षा ऐसा क्षेत्र जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश को आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिका की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। दुनिया मानती है कि ऊर्जा सुरक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा। भारत ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी है, हम अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) और भारत के अग्रणी कार्बन मुक्त समाधान प्रदाता 'रीन्यू' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'बदलते वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षाः सीमाओं के पार लचीले ऊर्जा बाजारों का निर्माण' में मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में ऊर्जा उत्पादों पर अमेरिका के साथ हमारा व्यापार बढ़ेगा। घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार होने के नाते हमारे ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिकी भागीदारी अधिक होगी जिससे भारत के लिए मूल्य स्थिरता, ऊर्जा के विविध स्रोत सुनिश्चित होंगे और हमें ऊर्जा एवं उससे परे विभिन्न मोर्चों पर अमेरिका के साथ असीमित संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि एक और क्षेत्र जहां भारत और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं और साथ मिलकर काम करने की योजना बना सकते हैं.... वह परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र है। यह ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। कुछ पहलू थे जिन्हें ठीक करने की जरूरत थी। हम भारत में परमाणु ऊर्जा पर निजी प्रयासों का समर्थन करने को काम कर रहे हैं।

- **बोले- अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक है भारत**

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी: अधिकारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी हैं। अधिकारी ने कहा कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में भारत लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से दोगुना से अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाना है। गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी।

द्विपक्षीय समझौते पर निष्कर्ष को न्यूयॉर्क गए गोयल

कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव पंकज जैन, यूएसआईएसपीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं अध्यक्ष मुकेश अग्नि, रीन्यू की सह-संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा और रीन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा शामिल हुए। गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। वह अमेरिकी पक्ष के साथ बैठकों के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

कंपनियों को दो माह में उत्पादों की कीमतों में पूर्ण समायोजन का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी 2.0

- **एफएमसीजी कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक किए हैं कम**

जीएसटी की कम दरें लागू होने के साथ रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों को उत्पादों के लिए कम कीमतें तय करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें दो महीने में इसके पूर्ण समायोजन की उम्मीद है। रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक कम किए हैं।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास गैर-मानक कीमतें अपनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है क्योंकि उनके पास चीजों का वजन (ग्रामेज) तेजी से बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, जिसके लिए कारखाने के ढांचे में बदलाव की जरूरत होती है। अस्थायी तौर पर उन्होंने सरकारी निर्देशों का पालन करने के लिए लोकप्रिय मूल्य पैक की अधिकतम खुदरा कीमत कम कर दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दो स्तरीय पांच और 18 प्रतिशत दरें 22 सितंबर से प्रभावी हैं। पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने कहा कि यह पूरी तरह अस्थायी है। आम तौर पर जब भी आप किसी बदलाव या ऐसी किसी चीज की बात करते हैं, तो पैक के वजन में बदलाव करते हैं। इस तरह की चीजों में डेढ़ से दो महीने लगते हैं। अक्टूबर और नवंबर के रैपर छप चुके हैं। अब बाहर जाकर वजन में बदलाव करना और एमआरपी स्थिर रखना मुश्किल है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अबनीश रॉय ने कहा कि ये एफएमसीजी कंपनियों द्वारा अल्पकालिक उपाय हैं। कंपनियां अपने सामान का वजन बढ़ाएंगी और दो, पांच और 10 रुपये के मूल्य पर वापस आ जाएंगी क्योंकि 4.5 या 4.6 रुपये के मूल्य व्यावहारिक नहीं हैं। डाबर के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हमने अपने पैक की कीमतों में समायोजन किया है।

कतर में भी यूपीआई से भुगतान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि कतर ड्यूटी फ्री की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है। एनआईपीएल देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली का संचालन करने वाली कंपनी एनपीसीआई की अनुषंगी है। क्यूएनबी के समूह मुख्य व्यवसाय अधिकारी यूसुफ महमूद अल-नीमा ने कहा कि इस पहल से भारतीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी और कतर के खुदरा एवं पर्यटन क्षेत्र को भी फायदा होगा। इस सुविधा की शुरुआत से स्थानीय व्यापारियों को ज्यादा ग्राहक मिलेंगे और डिजिटल लेनदेन बढ़ेगा।

- **एनआईपीएल ने कतर नेशनल बैंक के साथ मिलकर की सुविधा की शुरुआत**

जीएसटी सुधारों से कारोबारी वृद्धि को मिलेगी गति

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, अमेरिकी शुल्क और नई चिंताओं से वैश्विक अनिश्चितता

जीएसटी सुधार का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यह व्यापार सुगमता को बढ़ावा देगा, खुदरा कीमतों को कम करेगा और उपभोग वृद्धि को मजबूत करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के बुधवार को जारी बुलेटिन में यह बात कही गई।

बुलेटिन अनुसार, प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर अमेरिकी शुल्क लगाने और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की राजकोषीय स्थिति को लेकर नई चिंताओं से वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है। आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित लेख के अनुसार, जीएसटी सुधारों से कारोबारी सुगमता, खुदरा कीमतों में कमी और उपभोग वृद्धि को मजबूती मिलेगी। इससे अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जीएसटी में चार स्लैब की जगह दो कर स्लैब (पांच और 18%) कर दिए गए हैं। लेख अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है। यह घरेलू कारकों की वजह से 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान पांच तिमाहियों की उच्च आर्थिक वृद्धि दर से स्पष्ट है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है, लेकिन यह सातवें महीने आरबीआई के लक्षित दर से काफी नीचे रही।

बैंकों के पर्यवेक्षी एसडीक्यूआई में सुधार

आरबीआई ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का पर्यवेक्षी आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) जून में सुधरकर 89.9 हो गया, जबकि मार्च 2025 में यह 89.3 था। आरबीआई ने एसडीक्यूआई बनाया है जो रिटर्न जमा करने में आंकड़ों की सटीकता, समयबद्धता, पूर्णता और निरंतरता को मापता है। इस सूचकांक का उद्देश्य पर्यवेक्षी रिटर्न दाखिल करने पर आरबीआई के मास्टर निर्देश 2024 में बताए गए सिद्धांतों के पालन का आकलन करना है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के एसडीक्यूआई स्कोर में मार्च 2025 की तुलना में जून 2025 में सुधार हुआ है।

व्यापारिक रणनीति | **गडकरी बोले- सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा**

वैश्विक कारकों से किसानों को नहीं मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है क्योंकि यह दाम वैश्विक कारकों से तय होता है।

गडकरी ने 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्के की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं। गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि गतिविधियों में लगी हुई है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनका योगदान महज 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और आदिवासी अर्थव्यवस्था को बचाकर रखने के लिए, हमें कृषि का समर्थन करने की जरूरत है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गडकरी ने कहा कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल बनाने की मंजूरी दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। उन्होंने कहा कि मक्के से एथेनॉल का उत्पादन करके किसानों ने 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। इस तरह देखें तो ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की ज़रूरत है। वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। फिलहाल हम ऊर्जा के आयातक हैं। वह दिन भी आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे। यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

परिवहन ईंधन के कारण 40% वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, खासकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है। भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है, जिससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक और प्रदूषण दोनों ही नजरिये से, यह दुनिया और भारत के लिए जैव ईंधन और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहित करने का समय है। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत को टिकाऊ विमानन ईंधन के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाना है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट

मुंबई। बैंक, वाहन तथा पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 386 अंक व एनएसई निफ्टी 112 अंक टूटा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि से भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ना जारी है।

सेंसेक्स 386.47 अंक टूटकर 81,715.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 112.60 अंक गिरकर 25,056.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एक्सिस बैंक नुकसान में रहीं। वहीं, लाभ में रहने वालों में पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी और एचसीएल टेक हैं।

निवेशक संपत्ति के संरक्षकों के लिए सेबी ने बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने संरक्षकों के लिए न्यूनतम नेटवर्थ यानी शुद्ध संपत्ति की शर्त को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये कर दिया है। इसका उद्देश्य संरक्षकों के जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि मौजूदा संरक्षकों को शुद्ध संपत्ति संबंधी नए प्रावधानों को पूरा करने के लिए तीन साल का समय मिलेगा। संरक्षक निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा और रखरखाव का जिम्मा संभालने वाला व्यक्ति या संस्था होता है। यह निवेशक के शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड एवं अन्य निवेशों को सुरक्षित रखने के साथ उसके खाते का सही रिकॉर्ड भी रखता है। सेबी ने 18 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा कि जिस संरक्षक को 2025 के संशोधित नियम लागू होने से पहले पंजीकरण प्रमाणपत्र मिल चुका है, उसे तीन साल में अपनी शुद्ध संपत्ति कम से कम 75 करोड़ रुपये तक बढ़ानी होगी। यह शर्त हर गतिविधि के लिए अलग-अलग लागू होगी। सेबी ने संरक्षकों के लिए कई जिम्मेदारियां भी तय की हैं। इनमें उपयुक्त संचालन ढांचा, जोखिम प्रबंधन नीतियां, तकनीकी क्षमता व ढांचागत क्षमता हैं। सेबी ने संरक्षकों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचने और ग्राहकों या अन्य संरक्षकों को नुकसान पहुंचाने से रोकने का निर्देश भी दिया है।

- **विनिमय बोर्ड ने नए प्रावधानों को पूरा करने के लिए दिए तीन साल**

ट्रंप ने चुनौतियों से मिलकर निपटने का आह्वान नकारा, अमेरिका प्रथम पर अड़े

कई देशों के नेताओं ने दी वैश्विक व्यवस्था प्रभावित होने की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

फ्रांस से लेकर दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका से लेकर सूरीनाम तक सभी नेताओं ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के युद्ध, गरीबी और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के आह्वान का पुरजोर समर्थन किया, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 'अमेरिका प्रथम' एजेंडे पर अड़े रहे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने महासभा में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राजाओं की वार्षिक बैठक की शुरुआत युद्ध के स्थान पर शांति, अराजकता के स्थान पर कानून व्यवस्था तथा एक ऐसे भविष्य को चुनने की अपील के साथ की, जहां देश स्वार्थ के लिए संघर्ष करने के बजाय एकजुट हों। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 80 साल बाद हम खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विभाजन बढ़ता जा रहा है और इससे वैश्विक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

मैक्रों ने कहा, दुनिया विभाजित हो रही है, और यह हमारे समय के प्रमुख संघर्षों को हल करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बाधित कर रही है तथा हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि केवल समकक्षों के बीच सम्मानजनक संबंध और सहयोग ही सैन्य प्रसार के खिलाफ लड़ाई, जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और सफल डिजिटल परिवर्तन को संभव बनाता है। सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीर्लिंग्स-साइमन्स ने कहा कि बहुपक्षवाद मानवता की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। परिवर्तन के इस समय में इसे हमारी सुरक्षा की आवश्यकता है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की हमारी सामूहिक सदस्यता हमारी साझा मानवता का परिणाम है और 80 साल का हो चुका संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा संगठन बनाने के लिए बाध्य करता है जो हमारी आम चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा, समय जितना कठिन होता जा रहा है, हमें संयुक्त राष्ट्र की मूल भावना की ओर उतना ही लौटना होगा। उन्होंने कहा, हमें और अधिक सहयोग करना होगा, और अधिक विश्वास करना होगा, और अधिक मजबूती से हाथ मिलाना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य और एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सके।

ट्रंप ने बुधवार को कई और अरब और मुस्लिम देशों के नेताओं के साथ बैठक की।

तेजी से बहुध्रुवीय हो रहा है विश्व : गुतारेस

गुतारेस ने कहा कि विश्व तेजी से बहुध्रुवीय होता जा रहा है। यह निश्चित रूप से उभरती आर्थिक शक्तियों चीन और भारत के लिए एक संकेत है, लेकिन महाशक्ति का दर्जा पाने की अमेरिका की जिद पर प्रहार है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि कई शक्तियों वाला विश्व अधिक विविधतापूर्ण और गतिशील हो सकता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी वैश्विक संस्थाओं के बिना अराजकता हो सकती है।

- ट्रंप ने 'अमेरिका प्रथम' पर केंद्रित भाषण दिया। उन्होंने गर्व से कहा, अमेरिका के पास दुनिया में सबसे मजबूत सीमाएं, सेना, मैत्री और सबसे मजबूत भावनाएं हैं। यह सचमुच अमेरिका का स्वर्णिम युग है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अप्रभावी बताया और कहा कि यह अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने में भी असमर्थ है। उन्होंने सभा कक्ष के रास्ते में बंद हुए एस्केलेटर और खराब हुए टेलीप्रॉम्प्टर के लिए संगठन को जिम्मेदार ठहराया।

दुनिया भर में बढ़ते तनाव के बीच

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करने के बाद बहस शुरू हो गई है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। इसके चार्टर को चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूके, यूएस समेत 50 देशों ने अनुमोदित किया था। इस संस्था को 'संयुक्त राष्ट्र' नाम अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने दिया था और इसका पहली बार उपयोग 1942 में 26 देशों द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र की घोषणा' पर हस्ताक्षर करते समय किया गया था।

शक्तियां और अधिकार

- सुरक्षा परिषद जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार सबसे शक्तिशाली अंग।
- इसे शांति कायम करने के लिए सैन्य कार्रवाई, प्रतिबंध लगाने, शांति स्थापना अभियानों का अधिकार है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के बीच कानूनी विवादों को सुलझाने को अधिकृत है।
- मानवाधिकार रक्षा औरसामाजिक, आर्थिक तथा मानवीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
- अपने सभी सदस्य देशों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- संयुक्त राष्ट्र संघ ने कई संघर्षों को युद्ध में बदलने से रोकने और शांति स्थापित करने में मदद की है।
- मानवाधिकारों की 1948 में सार्वभौम घोषणा जो वैश्विक मानवाधिकारों के लिए आधारशिला बनी।
- युद्ध और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय सहायता, परमाणु अप्रसार संधि जैसे समझौतों को बढ़ावा।
- 20वीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अशांति के ताजा हालात में भूमिका

- रूस-यूक्रेन युद्ध की निंदा कर मानवीय सहायता पहुंचाई, लेकिन रूस के वीटो के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं।
- गाजा में लगातार संघर्षविराम का आह्वान, मानवीय सहायता भी लेकिन प्रभावी समाधान अब तक नहीं निकला।
- अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद मानवाधिकारों का हनन, इसे रोकने में सीमित सफलता।
- सूडान में 2023 से सैन्य संघर्ष के कारण भारी मानवीय संकट, इसे रोकने में बाधाओं का सामना करना पड़ा।

इन मामलों में विफल

- 1994 में रवांडा में 800,000 से अधिक लोगों की हत्या को रोकने के लिए निर्णायक हस्तक्षेप करने में विफल।
- 1995 में बोस्नियाई सर्ब बलों द्वारा 8,000 से अधिक मुस्लिम पुरुषों और लड़कों के नरसंहार भी नहीं रोक सका।
- रूस-चीन के वीटो के कारण सीरिया में दशकों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में सीमित भूमिका रही।

विफलता के कारण

- सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्यों की वीटो शक्ति अक्सर महत्वपूर्ण मामलों में निर्णायक कार्रवाई रोक देती है।
- कई सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और समझौतों का पालन नहीं करते, जिससे प्रभावशीलता कम हो जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र के पास कई वैश्विक संकटों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय और सैन्य संसाधन नहीं होते।
- सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच स्थाई सदस्यों होने से असमान शक्ति संरचना, फैसलों का पालन कराने में कठिनाई होती है।

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ, निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए

समान विचारधारा वाले देशों की उच्चस्तरीय बैठक में जयशंकर ने किया आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों से लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करके निष्पक्ष आर्थिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और दक्षिण-दक्षिण व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देकर किसी एक आपूर्तिकर्ता या बाजार पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया।

जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर समान विचारधारा वाले 'ग्लोबल साउथ' देशों की एक उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' महामारी के झटकों और यूक्रेन तथा गाजा में युद्ध से लेकर चरम जलवायु घटनाओं, अस्थिर व्यापार, निवेश प्रवाह और ब्याज दरों में अनिश्चितता और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे में 'विनाशकारी' मंदी तक कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। जयशंकर ने कहा, बढ़ती चिंताओं और विभिन्न प्रकार के जोखिमों के मद्देनजर यह स्वाभाविक है कि 'ग्लोबल साउथ' समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करे।

न्यूयॉर्क में ग्लोबल साउथ देशों के नेताओं के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर।

वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया, जिसमें समुद्री नौवहन संबंधी चिंताओं का समाधान, विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाना, विशेष रूप से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण; और विभिन्न क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं समान अवसर प्रदान करना शामिल है जो 'ग्लोबल साउथ' की विकासात्मक चिंताओं के साथ न्याय करता हो। 'ग्लोबल साउथ' वैश्विक मामलों में कैसे शामिल हो सकता है, इस संबंध में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंत्री ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज और प्रभाव को मजबूत करने के लिए पांच प्रमुख प्रस्ताव रखे। उन्होंने एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'ग्लोबल साउथ' के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से वहां भी हमारे सामने एक बहुत ही निराशाजनक संभावना है, बहुपक्षवाद की अवधारणा ही खतरे में है और अंतरराष्ट्रीय संगठन या तो अप्रभावी हो गए हैं अथवा संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएं टूटने लगी हैं और अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी की कीमत आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में समान अवसर की मांग करते हुए एकजुट मोर्चा प्रस्तुत करना होगा।

चीन का ट्रंप को जवाब अमेरिका-ईयू भी रूस से कर रहे व्यापार

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिए यूक्रेन युद्ध के 'प्राथमिक वित्तपोषक' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

रागासा तूफान का कहर.. ताइवान में 17 की मौत, चीन में दो लाख लोग विस्थापित

रागासा बुधवार को दक्षिणी चीन में पहुंच गया।

नई दिल्ली/हांगकांग। शक्तिशाली तूफान रागासा से ताइवान में 17 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हुए हैं। ताइवान में कहर बरपाने के बाद रागासा दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले तटों में से एक की ओर बढ़ रहा है जिसे देखते हुए अब तक दक्षिणी चीन में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि रागासा के कारण लगभग 100 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इस वर्ष के सबसे शक्तिशाली तूफान रागासा ने बुधवार को हांगकांग और दक्षिणी चीन के बड़े हिस्सों को ठप कर दिया। यह तूफान फिलीपींस के सुदूर द्वीपों और ताइवान के पहाड़ी क्षेत्रों से होकर गुजरा, जहां इसने भूस्खलन, बाढ़ और ऊंची लहरों के साथ भारी तबाही मचाई। अब यह चीन के ग्वांगडोंग प्रांत की ओर बढ़ रहा है, जहां शेनझेन और ग्वांगझोउ जैसे विशाल शहर स्थित हैं। ताइवान में इसकी चपेट में आकर कम से कम 17 लोगों की मौत हो चुकी है और बुधवार दोपहर तक 18 अन्य लोग लापता हैं। यह तबाही एक प्राकृतिक झील के टूटने के बाद आई जो भूस्खलन के मलबे से बनी थी और इसमें काफी मात्रा में पानी जमा था।

दुनिया इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिलः जेलेंस्की

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को विश्व के नेताओं से कहा कि दुनिया इस समय इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि रूस के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने युद्ध का विस्तार यूरोप में करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, हम अब इतिहास में हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल हैं। यूक्रेन तो केवल पहला देश है और अब रूसी ड्रोन पूरे यूरोप में उड़ान भर रहे हैं और रूसी अभियान पहले से ही विभिन्न देशों में फैल रहे हैं और पुतिन इस युद्ध का विस्तार करके इसे जारी रखना चाहते हैं।

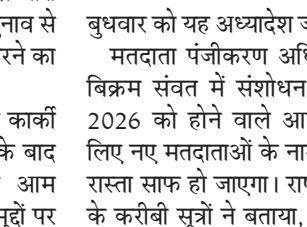

यूएनएससी की बैठक में जेलेंस्की।

बोले- भारत हमारे साथ

जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की एक साक्षात्कार के दौरान रूस से युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ट्रंप यूरोपीय देशों के साथ इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं।

अमेरिका- इजराइल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय विश्वास को पहुंचाया गंभीर नुकसान: ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजराइल और अमेरिका के हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय विश्वास और शांति की संभावना को गहरा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस साल जून में 12 दिन तक इजराइल-ईरान युद्ध के बाद पहली बार है जब पेजेशकियन ने किसी वैश्विक मंच पर बात रखी है। युद्ध में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और असैन्य नेताओं की हत्या कर दी गई थी। अगर तेहरान शनिवार तक यूरोपीय देशों के साथ समझौता नहीं करता है तो उस पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही पेजेशकियन की कूटनीतिक कोशिशें उस समय धुंधली पड़ गईं जब देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी सीधी परमाणु वार्ता से इनकार कर दिया।

नेपाल: प्रधानमंत्री कार्की राष्ट्रपति से मिलीं, नए मतदाता पंजीकरण से संबंधित अध्यादेश जारी

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बुधवार को मतदाता पंजीकरण अधिनियम में संशोधन से संबंधित एक अध्यादेश जारी किया जिससे मार्च 2026 के आम चुनाव से पहले नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।

यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा राष्ट्रपति पौडेल से मुलाकात के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने आम चुनाव समय पर कराने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद की सिफारिश के आधार पर नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 114 की धारा(1) के अनुसार

- मार्च 2026 में देश में होने हैं आम चुनाव मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा

बुधवार को यह अध्यादेश जारी किया।

मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 2073 बिक्रम संवत में संशोधन से पांच मार्च, 2026 को होने वाले आगामी चुनाव के लिए नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो जाएगा। राष्ट्रपति कार्यालय के करीबी सूत्रों ने बताया, पौडेल के साथ बैठक के दौरान कार्की ने वर्तमान राजनीतिक व सुरक्षा स्थिति, पांच मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव और देश की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

गाजा पर अमेरिका के अलग रुख की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। फ्रांस के नेतृत्व में कई देशों द्वारा फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने के एक दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में संघर्ष पर अमेरिका के अलग रुख पर गहरा क्षोभ प्रकट किया।

इस संकट पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हमास के सात अक्टूबर 2023 के हमले और गाजा में इजराइल के जारी सैन्य हमले पर चिंता व्यक्त की। इन सैन्य हमलों में अब तक हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं, विशाल क्षेत्र तबाह हो चुके हैं और लगभग 90 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

आतंक से फुर्सत मिले तो अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे पाकिस्तान

जेनेवा, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

जेनेवा में भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की। त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।

यूएनएचआरसी की बैठक में क्षितिज त्यागी।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत ने की पाकिस्तान की धुलाई

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने कहा, चरमराई हुई अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभुत्व वाली राजनीति और मानवाधिकारों का दागदार रिकॉर्ड। एक दिन जब वे आतंकवाद को बढ़ावा देने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत पाएंगे, तब शायद इन मुद्दों पर ध्यान दे पाएंगे। खैबर जिले के तिराह घाटी के मतूर दारा इलाके में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के एक परिसर में सोमवार को बम बनाने की सामग्री से हुए धमाके में 10 लोगों और 14 आतंकवादियों की मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 सितंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 07 .06 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

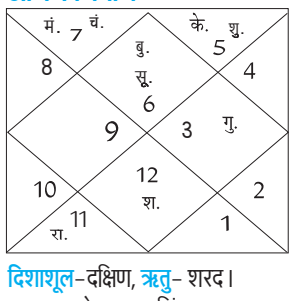

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- स्वाती 19 .09 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष आज दिन की शुरुआत में जो काम उलझे हुए थे, शाम तक उन्हें सुलझाने में सफलता मिलेगी। अपनी जीवनशैली के प्रति लापरवाह न हों। किसी नए व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के सुझाव से काम करना हितकर होगा।

वृष आज नौकरी में बदलाव का विचार बना रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। दिन का प्रारंभिक भाग तनाव युक्त रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद कोई रुका हुआ काम बन सकता है। कुछ लोग आपके अच्छे कार्यों व योगदान की उपेक्षा कर सकते हैं।

मिथुन आज दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। प्रेमीजन से मतभिन्नता के कारण झगड़ा हो सकता है। सेहत को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। दांपत्य संबंधों में कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थियों के मन में परीक्षा को लेकर दबाव हो सकता है।

कर्क आज प्रतिद्वंदी आपके सामने कमजोर पड़ेंगे। अपच के कारण आपको परेशानी होगी। सरकारी कार्यों में आपको लाभ होगा। कार्यक्षेत्र की आंतरिक व्यवस्था पर काम करेंगे। नए उद्यमों की शुरुआत कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

सिंह आज भाग्य आपका साथ देगा। वरिष्ठ सहकर्मी आपका मनोबल बढ़ाएंगे। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आय के नए विकल्प विकसित कर सकते हैं। शेयर मार्केट में बड़ा धन-लाभ होने की संभावना है।

कन्या आज कानूनी मामलों में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। मार्केटिंग संबंधी कार्य लाभकारी सिद्ध होंगे। अचानक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं। संतान के माध्यम से आपको बड़ा धन-लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला आज दिन की शुरुआत नकारात्मक रहने वाली है। दोपहर के बाद धीरे-धीरे आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। अपने विचारों में परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आय अपेक्षाकृत कम हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर दूसरों से अपेक्षा न करें। अपने अहंकारी व्यवहार पर नियंत्रण रखें।

धनु आज आप कहीं पर्यटन की योजना बना सकते हैं। आत्मचिंतन के माध्यम से अपनी कमियों को दूर करेंगे। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। नौकरी में आपकी आय बढ़ सकती है। प्रभावशाली लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

मकर आज व्यापार को लेकर यात्रा करनी पड़ेगी। एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रिश्तेदारों से मिलना हो सकता है। निजी जीवन की समस्याओं का निवारण होगा। नया कार्य आरंभ कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा।

कुंभ आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। पुरानी उधारी चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सभी कार्य समय पर समय पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम-संबंधों को लेकर थोड़े भावुक हो सकते हैं।

मीन आज आपको थोड़ा परेशान होना पड़ सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। दूसरों की गलतियां ढूंढने में समय बर्बाद न करें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में अस्थिरता रहेगी।

सुडोकू -110

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2			3		4		6
				9			1	
		5			8			
7		8		6				2
			7		2	9		
2				4	5			8
			3			5		
	1			7				
6		9		5			2	

सुडोकू - 109 का हल

3	5	8	2	6	4	7	1	9
4	6	1	9	3	7	8	2	5
7	9	2	8	5	1	4	6	3
2	7	9	5	1	8	6	3	4
1	3	5	4	7	6	9	8	2
6	8	4	3	9	2	1	5	7
5	4	3	6	8	9	2	7	1
8	2	7	1	4	3	5	9	6
9	1	6	7	2	5	3	4	8

बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर। मैने महसूस किया है कि विशेष प्रशिक्षण के बिना भी फ्रीस्टाइल में मेरी टाइमिंग साल दर साल बेहतर हो रही है। **-श्रीहरि नटराज, तैराक**

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेमीफाइनल में भारत का सामना नेपाल से

कोलंबो : ग्रुप चरण में अजेय रहे भारत की बृहस्पतिवार को असली परीक्षा होगी, जब टीम रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में नेपाल से भिड़ेगी। भारत अब तक सबसे प्रभावशाली टीम रही है। मालदीव (6-0), भूटान (1-0) और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (3-2) को हराने के बाद भारत नौ अंक के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस विशेष तौर पर खुश हैं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में अपने खिलाड़ियों के दबाव को झेलने के तरीके की प्रशंसा की।

काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप नहीं बदलेगा

लंदन : पेशेवर काउंटी क्रिकेट क्लबों (पीसीसी) के मतदान के बाद काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप अपरिवर्तित रहेगा। 14 मैचों की बजाय 13 मैचों की काउंटी चैंपियनशिप खेलने का प्रस्ताव, काउंटियों के बीच बहुमत मत प्राप्त करने में विफल रहने के कारण पारित नहीं हो सका। अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और द हंड्रेड मैचों के बीच कार्यक्रम में टकराव के कारण व्यस्त अंग्रेजी गर्मियों के बाद, पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) के परामर्श से कार्यक्रम और संरचना की काउंटी द्वारा समीक्षा की गई। जुलाई में हुए मतदान के बाद, सफ़ेद गेंद वाली प्रतियोगिताओं की संरचना में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

अभ्यास मैच से होगा न्यूजीलैंड को लाभ

बेंगलुरु : न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज जेस केर ने कहा कि उनकी टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के पहले मैच से पहले अपने कौशल को निखारने के लिए यहां होने वाले अभ्यास मैचों पर निर्भर है। न्यूजीलैंड की टीम बृहस्पतिवार और शनिवार को क्रमश: भारत ए और भारत की सीनियर टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जिसके बाद एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए वह इंदौर रवाना होगी। केर ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा मुझे लगता है कि यह ज्यादा गेम टाइम की बात है जो हमारे लिए अच्छा है।

ईरानी ट्रॉफी में विदर्भ का नेतृत्व करेंगे अक्षय

मुंबई : विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को एक अक्टूबर से नागपुर में शेष भारत के खिलाफ होने वाले ईरानी कप मुकाबले के लिए बुधवार को रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ का कप्तान नियुक्त किया गया। विदर्भ की नजरें 2017-18 और 2018-19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति ने बुधवार को बैठक की और यश राठौड़ को उप कप्तान नियुक्त किया। चयन समिति में सुधीर वानखेड़े, पी. विवेक और जयेश डोंगाओकर शामिल हैं। राठौड़ 2024-25 रणजी ट्रॉफी सत्र के दौरान 960 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच में भारत के अभिषेक शर्मा शॉट लगाते हुए। एजेंसी

बांग्लादेश को सुपर 4 में हराकर भारत पहुंचा एशिया कप के फाइनल में

अभिषेक शर्मा की शानदार पारी के बाद गेंदबाजों ने किया कमाल

दुबई, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (75 रन) के लगातार दूसरे अर्धशतक के बाद स्पिनर कुलदीप यादव (तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से बुधवार को यहां एशिया कप सुपर 4 मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारत लिए अभिषेक ने 37 गेंद में छह चौके और पांच छक्के जड़ित पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाजों के रन नहीं जुटाने से टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए भी सिर्फ सलामी बल्लेबाज सैफ हसन (69 रन, 51 गेंद, तीन चौके, पांच छक्के) ही एक छोर पर टिके रहे, दूसरे छोर पर विकेट गिरने से पूरी टीम 19.3 ओवर में 127 रन पर सिमट गई जबकि भारतीय टीम ने कैच करने के कई मौके गंवाए।

पिछले मैच में श्रीलंका को हराकर बड़ा झटका देने वाली बांग्लादेश के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को इस स्कोर पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम की उम्मीद टूट गई। पर अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बृहस्पतिवार को होने वाला सुपर 4 मैच सेमीफाइनल जैसा ही है जिससे फाइनल में भारत के प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम। एजेंसी

अगर बांग्लादेश के बल्लेबाजी प्रदर्शन को देखें तो टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीसरा रोमांचक मुकाबला होना लगभग तय लग रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव (चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट) को समझना बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा जबकि अक्षर पटेल (चार ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) पर चार छक्के जड़े गए। जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट) का भी दिन अच्छा रहा जिससे वह रविवार को होने वाले फाइनल के लिए तैयार रहेंगे।

सैफ ने अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों पर पांच गगनचुंबी छक्के जड़कर उम्मीद बनाए रखी लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें कोई साथ नहीं मिला। अपने स्वप्निल दौर से गुजर रहे अभिषेक शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे लेकिन शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े रिशाद हुसैन के तेज थ्रो से वह रन आउट गए। वहीं दूसरे छोर पर भारतीय बल्लेबाजों ने कुछ खराब शॉट खेले जिसमें शुभमन गिल, तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव शामिल रहे। सूर्यकुमार को कार्यवाहक कप्तान और विकेटकीपर जाकेर अली ने लेग साइड में शानदार कैच आउट किया। टीम प्रबंधन संजू सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष सात में फिट नहीं कर सका।

भारतीय टीम ने जहां पहले 10 ओवरों में 96 रन बनाए तो वहीं अगले 10 ओवर में 72 रन ही बना सके जिसमें अक्षर पटेल (15 गेंद में 10 रन) को सैमसन से ऊपर भेजा गया। बांग्लादेश के लिए तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब (एक विकेट) और मुस्तफिजुर रहमान (एक विकेट) ने हमेशा की तरह अपनी गति परिवर्तन वाली गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया।

भारत

168/6 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा रन आउट	75
गिल का तंजीम हसन बो रिशाद	29
शिवम दुबे का तौहिद बो रिशाद	02
सूर्यकुमार का जेकर बो मुस्तफिजुर	05
पांड्या का तंजीद बो सैफुद्दीन	38
तिलक वर्मा का सैफ बो तंजीम	05
अक्षर पटेल नाबाद	10

गेंदबाजी : तंजीम हसन साकिब 4-0-29-1, नासुम अहमद 4-0-34-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-33-1, मोहम्मद सैफुद्दीन 3-0-37-1, रिशाद हुसैन 3-0-27-2, सैफ हसन 2-0-7-0

बांग्लादेश

127/10 (19.3 ओवर)

सैफ हसन का अक्षर बो बुमराह	69
तंजीद हसन का दुबे बो बुमराह	01
परवेज का अभिषेक बो कुलदीप	21
तौहीद का अभिषेक बो पटेल	07
शमीम हुसैन बो वरुण चक्रवर्ती	00
जाकेर अली रन आउट	04
सैफुद्दीन का तिलक बो चक्रवर्ती	04
रिशाद का तिलक बो कुलदीप	02
तंजीम हसन साकिब बो कुलदीप	00
नासुम अहमद नाबाद	04
मुस्तफिजुर का अक्षर बो तिलक	06

गेंदबाजी : हार्दिक पांड्या 2-0-14-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-18-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-29-2, कुलदीप यादव 4-0-18-3, अक्षर पटेल 4-0-37-1, शिवम दुबे 1-0-10-0, तिलक वर्मा 0.3-0-1-1

निशानेबाजी का जूनियर विश्व कप आज से

नई दिल्ली : ओलंपियन शॉटगन निशानेबाज रायजा ढिल्लों और एशियाई जूनियर ट्रैप चैंपियन सबीरा हारिस बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 69 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी।

तुगलकाबाद के कर्णी सिंह रेंज में आयोजित होने वाले इस साल के दूसरे और अंतिम जूनियर विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों का लक्ष्य घरेलू सरजमीं पर शीर्ष स्थान हासिल करना होगा। अंडर-21 आयु वर्ग के निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन में 18 देशों के 200 से अधिक निशानेबाजों के खिलाफ अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। ये निशानेबाज 15 ओलंपिक और दो गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में 51 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय निशानेबाज रायजा शीर्ष स्कीट निशानेबाजों में से एक हैं और लीमा में 2021 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह शीर्ष व्यक्तिगत स्थान हासिल करना चाहेंगी।

हार्दिक पांड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा

दुबई, एजेंसी

- स्पिनर वरुण चक्रवर्ती व बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी अपने-अपने वर्ग में शीर्ष पर

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पांड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली।

हार्दिक, अभिषेक व वरुण चक्रवर्ती।

सिडनी थंडर से जुड़ेंगे अश्विन

सिडनी : अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग के आगामी सत्र में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बन जाएंगे। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अश्विन ने थंडर को हामी भर दी है। फ्रेंचाइसी इस सप्ताह के अंत में इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में भी शामिल हुए हैं। चार जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह थंडर से जुड़ सकते हैं। बिग बैश लीग 14 दिसंबर से 18 जनवरी तक होगी।

चोट के कारण मैच के बीच से हटे प्रणय

दुबई, एजेंसी

सुवोन : एचएस प्रणय का कोरिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज की हार के साथ इस प्रतियोगिता में बुधवार को मुख्य ड्रॉ के पहले दिन ही भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

प्रणय इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे, तब क्रॉस-कोर्ट स्मैश खेलते समय उनकी दाहिनी पसली में चोट लग गई। मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद उन्होंने खेल फिर से शुरू किया लेकिन असहज दिखे और 8-16 के स्कोर पर मुकाबले से हटने के लिए मजबूर हो गए। यूएस ओपन सुपर 300 के रूप में मौजूदा सत्र में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय आयुष शेट्टी को चीनी ताइपे के सु ली यांग के खिलाफ 47 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 18-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के लोह कीन यू को कड़ी टक्कर दी।

सूर्यकुमार की टिप्पणी पर शाहीन बोले- यह उनका नजरिया

दुबई, एजेंसी

- सूर्यकुमार ने कहा था -भारत और पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ शाहीन शाह अफरीदी ने सूर्यकुमार यादव के इस बयान पर सीधा जवाब देने से परहेज किया कि भारत के दबदबे के कारण भारत-पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी सुपर चार चरण के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में शाहीन ने सूर्यकुमार के बयान पर पूछे गए सवालों को टाल दिया।

अफरीदी ने कहा यह उसका अपना विचार है, उसे कहने दीजिए। जब हम (रविवार को संभावित एशिया कप फाइनल में) मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या है, क्या नहीं। तब देख लेंगे। हम एशिया कप जीतने आए हैं और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। सूर्यकुमार ने कहा था कि किसी प्रतिद्वंद्विता को वास्तविक मानने के लिए नतीजों का अंतर 12-3 नहीं होना चाहिए, जो फिलहाल टी-20 अंतर्राष्ट्रीय

भारत से हारने के बाद टीम का मनोबल नहीं टूटा : हुसैन तलत

अबुधाबी : पाकिस्तान के हरफनमौला हुसैन तलत ने इन अटकलों को खारिज किया है कि भारत से एशिया कप सुपर 4 मैच में हारने के बाद टीम का मनोबल गिरा है। बल्लेबाजी हरफनमौला तलत ने श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है। इसके लिए पाकिस्तान को अब बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को हराना होगा। तलत ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले टीम में कोई मायूसी नहीं थी, लेकिन भारत से सुपर 4 का पहला मैच हारने के बाद किसी को अच्छा नहीं लग रहा था।

मुकाबालों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत हार का रिकॉर्ड है।

एचआईएल नीलामी में हेंडरसन सबसे महंगे बिके

नई दिल्ली : वेदांता कलिंगा लांसर्स ने बुधवार को लियाम हेंडरसन की सेवाएं 42 लाख रुपये में हासिल कीं जिससे यह ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पुरुष मिनी नीलामी में बिकने वाला सबसे महंगा खिलाड़ी बना जबकि युवा भारतीय प्रतिभाओं में विवेक लाकड़ा और अद्रोहित एक्का ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में नीदरलैंड के डिफेंडर सैंडर डी विजन के लिए बोली लगाने की होड़ के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स ने उन्हें 36 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। जर्मनी के थीस प्रिंज को यूपी रुद्राज का प्रभार संभालने वाली एचआईएल संचालन परिषद ने इतनी ही राशि में खरीदा। भारतीय खिलाड़ियों में युवा गोलकीपर लाकड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जिससे उनकी कीमत दो लाख रुपये से बढ़कर 23 लाख रुपये हो गई और आखिर में श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। मिडफील्डर एक्का को ड्रैगन्स ने 11 लाख रुपये में ख़रीदा।

17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग में खेलने के कारण की गई कार्रवाई

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने बुधवार को कहा कि 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर भी शामिल हैं। इसे खिलाड़ियों ने युवराज सिंह के समर्थन वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने के लिए अस्थायी निलंबन बताया है। इस मामले पर अंतिम फैसला 27 सितंबर को अनुशासनात्मक समिति की बैठक के बाद लिया जाएगा।

ओलंपियन और एशियाई टूर विजेता भुल्लर, अमन राज, हरेंद्र गुप्ता, करणदीप कोचर और सचिन बैसोया भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 17 से 19 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आईजीपीएल में खेलने के कारण यह नोटिस जारी किया गया है। आईजीपीएल और पीजीटीआई के चेन्नई ओपन की तारीख एक ही थी और यही विवाद का विषय बन गया है।

जोहल ने कहा कि पीजीटीआई को सदस्यों के बाहर के टूर्नामेंट में खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर वे उसके कैलेंडर के साथ नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा अगर इसकी तारीख हमारे कैलेंडर से इतर होती तो कोई बात नहीं थी, आप खेल सकते हो। लेकिन जब हमारे टूर्नामेंट भी समान तारीख में ही हैं तो हम अपने प्रायोजकों से क्या कहेंगे? जोहल ने पीजीए और डीपी वर्ल्ड टूर जैसे अंतर्राष्ट्रीय दौरों से तुलना करते हुए कहा इसलिए हमने कहा, हमारे टूर्नामेंट के दौरान इन टूर्नामेंटों में नहीं खेलें। लेकिन उनका जवाब है कि हम जब चाहें खेलेंगे। कभी पीजीटीआई, कभी आईजीपीएल। लेकिन आप एक ही समय में दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।

यह नियम है, अगर आप इसका उल्लंघन करते हैं तो जांच होनी चाहिए। हमने उन्हें अपना दृष्टिकोण समझाने के लिए सुनवाई के लिए बुलाया है और उसके बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। आईजीपीएल इसी महीने भारतीय गोल्फ संघ और भारतीय महिला गोल्फ संघ के साथ साझेदारी में शुरू की गई थी। युवराज के नेतृत्व में आईजीपीएल इस साल 11 टूर्नामेंट आयोजित करेगा जिनमें से चंडीगढ़ (10-12 सितंबर) और ग्रेटर नोएडा (17-19 सितंबर) में दो पहले ही आयोजित हो चुके हैं। भुल्लर के करीबी सूत्र ने कहा कि पीजीटीआई का रुख अनुचित है क्योंकि खिलाड़ी किसी भी अनुबंध के अधीन नहीं हैं।

मेरा फोकस अब फ्रीस्टाइल पर अधिक : नटराज

अहमदाबाद : भारत के स्टार बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज ने कहा है कि अब उनका फोकस फ्रीस्टाइल पर अधिक है जिसमें बिना विशेष प्रशिक्षण के उन्होंने प्रभावी प्रदर्शन किया है। नटराज 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक यहां होने वाली एशियाई एक्वाटिक चैंपियनशिप में प्रबल दावेदारों में से एक होंगे। उन्होंने कहा बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है, लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर।

नटराज ने इस साल एफआईएसयू ग्रीष्मकालीन विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 49.46 सेकंड का समय निकालकर एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े का 17 साल पुराना 49.47 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

तैयारी शुरू | अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ को अनुमति नहीं मिलेगी

एशियाई खेलों के लिए कड़े हुए चयन मानदंड

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने 2026 एशियाई खेलों में चयन के लिए कड़े मानदंडों का खुलासा करते हुए कहा कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदार खिलाड़ियों को ही मौका मिलेगा और सरकारी खर्चे पर नहीं जाने के बावजूद अतिरिक्त कोचों और सहयोगी स्टाफ को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

मंत्रालय की वेबसाइट पर बुधवार को डाले गए पांच पन्ने के दस्तावेज में साफ तौर पर कहा गया है कि एशियाई स्तर पर व्यक्तिगत रैंकिंग में शीर्ष छह और टीम खेलों में शीर्ष आठ में रहने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय महासंघ नामांकित कर सकेंगे। एशियाई खेल जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक खेले जाएंगे। मंत्रालय ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदारों को ही बहु खेल टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए मौका मिले। इसमें कहा गया अगर मंत्रालय या भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को पता चला कि पदक जीतने नहीं बल्कि सिर्फ भागीदारी के लिए कोई जा रहा है तो ऐसे खिलाड़ियों और टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया सिर्फ वही खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ भारतीय दल का हिस्सा होंगे जिनका नाम सरकारी खर्च पर जाने के लिए मंजूर किया गया है। इसके अलावा कोई अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच या सहयोगी स्टाफ शामिल नहीं होगा भले ही उसका खर्च सरकार को वहन नहीं करना पड़ रहा हो। अक्सर खिलाड़ी अपने निजी कोचों या सहयोगी स्टाफ को अपने खर्च पर ले जाने की मांग करते हैं जिस पर विवाद होता है।

यह चयन मानदंड राष्ट्रमंडल खेल (जुलाई अगस्त 2026), पैरा एशियाई खेल, एशियाई इंडोर खेल, एशियाई बीच खेल, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेल पर भी लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि नए दिशानिर्देश एक पारदर्शी और न्यायसंगत ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

चयन का आधार एक साल का प्रदर्शन होगा

चयन का आधार पिछले 12 महीने का प्रदर्शन होगा। नई नीति में ओलंपिक या ऐसे अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं हैं जिनमे खिलाड़ी या टीम की भागीदारी संबंधित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर होती है। बयान में कहा गया राष्ट्रीय खेल महासंघ ऐसे खिलाड़ी का नामांकन कर सकते हैं जिसने अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उस खेल की स्पर्धा में पिछले 12 महीने में पिछले एशियाई खेलों में छठे स्थान के प्रदर्शन की बराबरी की हो या उससे बेहतर किया हो। चीन के हांगझोउ में पिछले एशियाई खेलों में जो स्पर्धायें नहीं हुई थी, उनके लिये चयन आगामी एशियाई खेलों से बारह महीने के भीतर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में शीर्ष छह में रहने के आधार पर होगा।